THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 53 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.8 2082 मंगलवार, 20 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त जजों को समान और पूरी पेंशन देने का आदेश

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में उच्च न्यायालयों के सभी सेवानिवृत्त जजों को पूरी और समान पेंशन देने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जजों की एंट्री और कार्यकाल के आधार पर कोई पक्षपात नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उच्च न्यायालयों के जजों के साथ इस बात के आधार पर भेदभाव नहीं हो सकता कि वे कब सेवा में शामिल हुए और कब उन्हें बार से न्यायिक सेवा में नियुक्त किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, उच्च न्यायालय के सभी सेवानिवृत्त जज, चाहे वो किसी भी तारीख में नियुक्त हुए हों पूर्ण पेंशन पाने के हकदार हैं।

पाक का दोहरा चरित्र

खालिस्तानियों की कर रहा फंडिंग

> दूसरी तरफ श्री स्वर्ण मंदिर पर दागी मिसाइलें

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान का दोहरा चरित्र और भारत के खिलाफ उसकी नापाक साजिश एक बार फिर दुनिया के सामने खुलकर सामने आ गई। दरअसल पाकिस्तान एक तरफ खालिस्तानियों का समर्थन करता है और कनाडा और अन्य देशों में खालिस्तानियों को फंडिंग मुहैया कराता है। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान की सेना ने सिख धर्म के सबसे बड़े धर्मस्थल अमृतसर स्थित श्री स्वर्ण मंदिर को निशाना बनाने की कोशिश की। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब भारत और पाकिस्तान में संघर्ष छिड़ा हुआ था, उस दौरान भी पाकिस्तान ने पुंछ में एक गुरुद्वारे को निशाना बनाया था। हमले के दौरान गुरुद्वारे पर गोलियों और मोर्टार से हमला किया गया। इससे साफ समझा जा सकता है कि पाकिस्तान की सिख धर्म के प्रति क्या इज्जत है।

जेट, क्रूज, हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों के साथ बैलिस्टिक मिसाइलों को बेअसर कर सकता है।

भारतीय सेना ने क्या बताया :

भारतीय सेना ने सोमवार को एक डेमो दिखाया, जिसमें बताया गया कि कैसे आकाश मिसाइल सिस्टम समेत भारत के अन्य एयर डिफेंस सिस्टम ने अमृतसर में स्थित स्वर्ण मंदिर को पाकिस्तान के मिसाइल और ड्रोन्स के हमलों से बचाया। सेना की 15 इन्फैंट्री डिवीजन के जीओसी मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्री ने बताया कि 7 मई की रात को हमें पुख्ता जानकारी मिली थी कि पाकिस्तान किसी उचित और सटीक टारगेट न होने के कारण सिविल ठिकानों, खासतौर पर धार्मिक स्थलों को निशाना बनाएगा। इसमें अमृतसर में स्थित स्वर्ण मंदिर सबसे अहम था। हमें अतिरिक्त जानकारी यह भी मिली कि वे (पाकिस्तान) स्वर्ण मंदिर पर भारी तादाद में ड्रोन और मिसाइल से हमला करेंगे, इसलिए हमने तुरंत आधुनिक एयर डिफेंस उपलब्ध कराया और स्वर्ण मंदिर पर एक आंच भी नहीं आने दी।

भारतीय सेना के इस खुलासे ने एक बार फिर पाकिस्तान का असली चरित्र दिखा दिया है। दरअसल पाकिस्तान प्रोपेगैंडा फैलाकर भारत को अशांत करने की वर्षों से कोशिश कर रहा है। यही वजह है कि पाकिस्तान खालिस्तान के मुद्दे को न सिर्फ सुलगा रहा है, बल्कि पूरी

दुनिया में इसे फैलाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई पर तो कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की फंडिंग करने का भी आरोप लग चुका है। बीते साल पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने ये आरोप लगाए थे और कहा था कि पंजाब में हिंसा की घटनाएं बढ़ने की वजह कनाडा और अमेरिका में बैठे अपराधी हैं और कई अपराधी खालिस्तान समर्थक समूहों से जुड़े हैं। पंजाब में नशे को बढ़ावा देने के पीछे भी आईएसआई का हाथ है, जो लंबे समय से ड्रोन्स के जरिए पंजाब में नशे और हथियारों की सप्लाई कर रही है। कई खालिस्तानी आतंकी पाकिस्तान में सुरक्षित पनाह लिए हुए हैं।

एशिया में फिर बढ़ा कोरोना सिंगापुर में 14 हजार केस

जेएन1 वैरिएंट के सबसे ज्यादा मरीज, चीन, हॉन्गकॉन्ग, थाइलैंड में अलर्ट

सिंगापुर, 19 मई (एजेंसियां)। एशिया के सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, चीन और थाईलैंड में कोरोना वायरस के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। इन देशों में नए मामलों की संख्या में इजाफा हो रहा है। सिंगापुर में 1 मई से 19 मई के बीच 3000 मरीज सामने आए हैं। अप्रैल के आखिरी हफ्ते तक ये संख्या 11,100 थी। यहां मामलों में 28 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

चीन-थाईलैंड भी अलर्ट पर, वायरस के मामले दोगुने

चीन और थाईलैंड में भी कोविड को लेकर सरकार अलर्ट पर हैं। चीन में बीमारियों की जांच करवाने जा रहे मरीजों में कोरोना वायरस पाए जाने के मामले दोगुने हो गए हैं। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है।

हॉन्गकॉन्ग में जनवरी से अब तक 81 मामले सामने आए हैं। इनमें से 30 की मौत हो चुकी है। चीन और थाईलैंड में भी अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, यहां मरीजों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। इस बार संक्रमण के लिए ओमिक्रोन के नए वेरिएंट जेएन1 और उसके सब-वेरिएंट्स एलएफ-7 और एनबी1.8 को जिम्मेदार माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि अब तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे यह लगे कि ये नए वेरिएंट पहले से ज्यादा खतरनाक या तेजी से फैलने वाले हैं। हालांकि, उनका मानना है कि यह लहर कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों पर अपना असर दिखा सकती है। जेएन1, ओमिक्रॉन के बीए2.86 का एक स्ट्रेन है। जिसे अगस्त 2023 में पहली बार देखा गया था। दिसंबर 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे 'वेरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित किया। इसमें करीब 30 म्यूटेशन्स हैं, जो इम्यूनिटी को कमजोर करते हैं। अमेरिका के जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के अनुसार जेएन1 पहले के वैरिएंट्स की तुलना में ज्यादा आसानी से फैलता है, लेकिन यह बहुत गंभीर नहीं है। यह दुनिया के कई हिस्सों में सबसे आम वेरिएंट बना हुआ है। कोविड-19 जेएन1 के लक्षण कुछ दिनों से लेकर हफ्तों तक कहीं भी रह सकते हैं। अगर आपके लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो हो सकता है कि आपको लॉन्ग-कोविड हो। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें कोविड-19 के कुछ लक्षण ठीक होने के बाद भी बने रहते हैं।

स्टडी के अनुसार जेएन1 को बेअसर करना इम्यून सिस्टम के लिए थोड़ा मुश्किल है। पहले की वैक्सीन्स या इन्फेक्शन से बनी एंटी बॉडीज इसके खिलाफ कम प्रभावी हैं, लेकिन एक्सबीबी.1.5 मोनोवैलेंट बूस्टर वैक्सीन जेएन1 से लड़ने में मदद करता है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, एक्सबीबी1.5 मोनोवैलेंट बूस्टर एक कोविड-19 वैक्सीन है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के स्वास्थ्य पर पीएम मोदी ने जताई चिंता, जल्द ठीक होने की कामना की

वाशिंगटन, 19 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के स्वास्थ्य के प्रति चिंता व्यक्त की है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर हुआ है, इसकी जानकारी खुद पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय ने दी। डॉक्टरों के मुताबिक यह तेजी से फैलने वाली बीमारी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जो बाइडेन के स्वास्थ्य के बारे में सुनकर बहुत चिंतित हूं। वह शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ हों, इसके लिए हमारी शुभकामनाएं। हमारी संवेदनाएं डॉ. जिल बाइडेन और उनके परिवार के साथ हैं।' जो बाइडेन के कार्यालय ने एक बयान में बताया, 'पिछले हफ्ते पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन को यूरीन से जुड़ी कुछ समस्याएं बढ़ गई थीं। जांच में उनके प्रोस्टेट में एक गांठ पाई गई। शुक्रवार को उनके प्रोस्टेट कैंसर की पुष्टि हुई।

हमले से पहले पाकिस्तान को क्यों बताया, हमने कितने विमान खोए? : राहुल

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब उस पर राजनीतिक बयानबाजी भी जोड़ पकड़ने लगी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की एक टिप्पणी पर सवाल उठाते हुए विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार पर नए आरोप लगाए गए हैं।

राहुल गांधी ने कहा है कि हमारे हमले से पहले पाकिस्तान को इसकी जानकारी देना एक अपराध था। राहुल गांधी ने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत सरकार ने ऐसा किया। राहुल ने सवाल किया है कि ऐसा करने के लिए किसने अधिकृत किया? और इसके कारण हमारी वायुसेना ने कितने विमान खो दिए? राहुल गांधी ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा, विदेश मंत्री जयशंकर का ऐसा कहना सिर्फ बयानबाजी नहीं है- यह निंदनीय है। इसलिए मैं फिर से पूछूंगा- हमने कितने भारतीय विमान खो दिए? क्या ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि पाकिस्तान को पता था कि हम हमला करने वाले हैं? यह कोई चूक नहीं थी। यह एक अपराध था। और देश को इस बारे में सच्चाई जानने का हक है। इस बीच, भाजपा नेता अमित मालवीय ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनकी मूर्खता महज संयोग नहीं है- यह भयावह है। वे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं।

'संघर्ष विराम में नहीं थी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता'

संसदीय समिति की बैठक में ट्रंप के दावे पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। संसद के एनेक्सी भवन में विदेश मामलों की स्थायी संसदीय समिति की बैठक में सांसदों ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मध्यस्थता के दावे पर सवाल उठाए। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि संघर्ष विराम में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं थी। यह फैसला द्विपक्षीय स्तर पर लिया गया था।

उन्होंने संसदीय समिति को बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष हमेशा पारंपरिक क्षेत्र में रहा है और पड़ोसी देश की ओर से कोई परमाणु संकेत नहीं दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि कुछ सांसदों ने पूछा कि क्या पाकिस्तान ने संघर्ष में चीनी मंच का इस्तेमाल किया था? इस पर मिस्री ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि भारत ने पाकिस्तानी हवाई ठिकानों पर हमला किया है। उन्होंने समिति को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने संसदीय समिति को बताया कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का करारा जवाब दिया है। आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया गया।

विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति की बैठक में समिति के अध्यक्ष और कांग्रेस सांसद शशि थरूर, तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी, कांग्रेस के राजीव शुक्ला और दीपेंद्र हुड्डा, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और भारतीय जनता पार्टी के सांसद रविशंकर प्रसाद, सतनाम सिंह, नवीन जिंदल, अपराजिता सारंगी, अरुण गोविल और आरपीएन सिंह शामिल हैं। बैठक भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने और उसके बाद दोनों देशों के बीच हुए सैन्य संघर्ष को लेकर हो रही है।

थरूर बोले-हमारा प्रतिनिधिमंडल देर से जाएगा अमेरिका :

पाकिस्तान को बेनकाब करने विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में से एक का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि मेरे प्रतिनिधिमंडल की ब्रीफिंग शुक्रवार को ही होगी। इसलिए मैं अभी कुछ नहीं कहूंगा। कुछ टीमें पहले ही रवाना हो रही हैं और इसलिए उन्हें कल अपनी बैठक करनी होगी। लेकिन हमारा प्रतिनिधिमंडल थोड़ा देर से रवाना हो रहा है क्योंकि अमेरिका में मेमोरियल डे वीकेंड है और अमेरिका में संसद का सत्र दो जून तक नहीं है। इसलिए वहां बहुत जल्दी पहुंचने का कोई मतलब नहीं है। इसलिए हम देर से पहुंच रहे हैं और देर से जा रहे हैं। हम 24 मई को रवाना होंगे। हम पहले गुयाना, पनामा, कोलंबिया, ब्राजील और फिर अंत में अमेरिका जा रहे हैं। आज ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विदेश सचिव ब्रीफिंग कर रहे हैं।

शाही जामा मस्जिद विवाद : हाईकोर्ट ने मस्जिद कमेटी की अर्जी खारिज की

संभल कोर्ट में जारी रहेगा सर्वे मामला

प्रयागराज, 19 मई (एजेंसियां)। शाही जामा मस्जिद, संभल से जुड़े विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को मस्जिद प्रबंधन समिति की सिविल पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी। इस फैसले के साथ ही अब यह स्पष्ट हो गया है कि संभल की जिला अदालत में चल रही सर्वे संबंधी कार्यवाही जारी रहेगी। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने मुस्लिम पक्ष की दलीलों को अस्वीकार करते हुए यह निर्णय सुनाया। 13 मई को हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

यह मामला 19 नवंबर 2024 को उस समय शुरू हुआ जब कुछ याचिकाकर्ताओं ने संभल की सिविल जज (सीनियर डिवीजन) अदालत में याचिका दाखिल कर दावा किया कि मस्जिद का निर्माण 1526 में एक प्राचीन हरिहर मंदिर को तोड़कर किया गया था, जो भगवान विष्णु के अंतिम अवतार 'कल्कि' को समर्पित था। अदालत ने मस्जिद का सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया था। इस आदेश के खिलाफ मस्जिद प्रबंधन समिति ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने 29 अप्रैल 2025 को मस्जिद कमेटी को हाईकोर्ट जाने का निर्देश देते हुए दो सप्ताह के भीतर राज्य सरकार की स्टेटस रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने को कहा था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि विवादित कुआं मस्जिद परिसर से बाहर स्थित है।

हाईकोर्ट की कार्यवाही :

हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ता गोपाल शर्मा ने बताया कि हमने 19 नवंबर 2024 को याचिका दायर की थी, जिसके बाद अदालत ने सर्वेक्षण का आदेश दिया। सर्वे दो चरणों में पूरा हुआ। मस्जिद पक्ष सुप्रीम कोर्ट गया, जहां से उन्हें हाईकोर्ट जाने को कहा गया। उन्होंने आगे बताया कि मुख्य कानूनी प्रश्न यह था कि क्या संभल के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) को सर्वे का आदेश देने का अधिकार था, और क्या यह मामला वहीं चलेगा या किसी अन्य न्यायालय में स्थानांतरित किया जाएगा।

'आपको शर्म आनी चाहिए', कर्नल कुरैशी पर टिप्पणी मामले में विजय शाह को 'सुप्रीम' फटकार

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक बार फिर मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह को कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए बयान पर फटकार लगाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि हम इस मामले में मंत्री की माफी स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। कोर्ट ने आगे कहा, आप एक सार्वजनिक चेहरा हैं। एक अनुभवी नेता हैं। आपको बोलने से पहले अपने शब्दों को तोलना चाहिए। हमें आपके वीडियो यहां चलाने चाहिए। यह सेना के लिए एक अहम मुद्दा है। हमें इस मामले में बेहद जिम्मेदार होना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक एसआईटी भी गठित की है। इसमें तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को रखा गया है। इनमें एक महिला अधिकारी भी होंगी। यह तीनों ही अफसर मध्य प्रदेश के बाहर के होंगे और कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ दिए गए मंत्री के बयान को लेकर जांच करेंगे।

टिप्पणी के कारण पूरा देश शर्मसार :

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, इस टिप्पणी के कारण पूरा देश शर्मसार है। हमने आपके वीडियो देखे। आप बहुत गंदी भाषा का इस्तेमाल करने वाले थे, लेकिन शायद आपकी समझ काम आई या आपके दिमाग ने आपको रोका या फिर हो सकता है कि आपको उचित शब्द न मिले हों। आपको शर्म आनी चाहिए। पूरे देश को हमारी सेना पर गर्व है और आपने यह बयान दिया। पीठ ने मंत्री से पूछा, यह किस तरह की माफी थी? आपको बस अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए थी और माफी मांगनी चाहिए थी, लेकिन आप कहते हैं कि अगर आपने यह और वह कहा है... तो मैं माफी मांगता हूं। माफी मांगने का यह तरीका नहीं है। आपने जिस तरह की भद्दी टिप्पणी की है, आपको शर्म आनी चाहिए।

पहली रिपोर्ट 28 मई तक दाखिल की जानी चाहिए

शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को मंगलवार सुबह 10 बजे तक आईजी रैंक के अधिकारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने को कहा है। इस दल में एक महिला अधिकारी भी शामिल होगी। यह दल मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश के बाद दर्ज एफआईआर की जांच करेगा। पीठ ने कहा कि एसआईटी की ओर से पहली रिपोर्ट 28 मई तक दाखिल की जानी चाहिए।

भारत धर्मशाला नहीं : सुप्रीम कोर्ट

> जो हर किसी को शरण दे > श्रीलंकाई तमिल नागरिक ने जान का खतरा बताकर पनाह मांगी थी

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शरणार्थी से जुड़े एक मामले में सोमवार को कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। दुनियाभर से आए शरणार्थियों को भारत में शरण क्यों दें? हम 140 करोड़ लोगों के साथ संघर्ष कर रहे हैं।

हम हर जगह से आए शरणार्थियों को शरण नहीं दे सकते। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी श्रीलंका के एक नागरिक की याचिका खारिज करते हुए की। दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने श्रीलंकाई नागरिक को यूएपीए मामले में 7 साल की सजा पूरी होते ही तुरंत भारत छोड़ देने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ उसने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर हस्तक्षेप करने की मांग की थी। याचिकाकर्ता की तरफ से आर. सुधाकरन, एस. प्रभु रामसुब्रमण्यम और वैरावन एएस ने कोर्ट में दलील दी। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह वीजा लेकर भारत आया है। श्रीलंका में उसकी जान को खतरा है। उसकी पत्नी और बच्चे भारत में बसे हैं, और वह तीन साल से हिरासत में है, लेकिन निर्वासन की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई।

याचिकाकर्ता ने बताया कि वह 2009 में श्रीलंकाई युद्ध में एलटीटीई के सदस्य के रूप में लड़ा था, इसलिए श्रीलंका में उसे 'ब्लैक-गजटेड' (वांछित) घोषित किया गया है।

अगर उसे वापस भेजा गया, तो उसे गिरफ्तारी और यातना का सामना करना पड़ सकता है। उसने यह भी कहा कि उसकी पत्नी कई बीमारियों से पीड़ित है और उसका बेटा जन्मजात हृदय रोग से जूझ रहा है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने रोहिंग्या शरणार्थियों के डिपोर्टेशन में भी हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था।

कांग्रेस बोली-भाजपा ने सिंदूर का सौदा किया

> जयशंकर ने हमले से पहले पाकिस्तान को बताया, ये गलती नहीं अपराध > केंद्र बोला-ये सरासर गलत

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने भाजपा को 'सिंदूर का सौदागर' कहा। उन्होंने कहा कि ट्रम्प दावा करते रहे कि उन्होंने युद्ध रुकवाया। भारत को व्यापार बंद करने की धमकी दी। यानी सिंदूर का सौदा होता रहा और पीएम चुप रहे।

इसके साथ ही खेड़ा ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से राहुल गांधी के सवाल दोहराए। उन्होंने कहा- विदेश मंत्री ने स्वीकारा है कि उन्होंने एयर स्ट्राइक से पहले पाकिस्तान को जानकारी दे दी थी। अब सरकार बताए इस वजह से हमने कितने विमान गंवाए। ये कोई गलती नहीं थी, ये एक अपराध था और देश का सच्चाई जानने का हक है।

वहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी एस. जयशंकर पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि विदेशमंत्री की चुप्पी निंदनीय है और इससे सब साफ हो रहा है। मैं फिर से पूछूंगा कि उन्हें ऐसा करने का अधिकार किसने दिया, उनके ऐसा करने से हमारी वायुसेना ने कितने विमान खो दिए? राहुल के आरोपों पर विदेश मंत्रालय ने जवाब देते हुए कहा, विदेश मंत्री ने कहा था कि ऑपरेशन की शुरूआत में पाकिस्तान को चेतावनी दी थी। इसे अब ऐसे पेश किया जा रहा है, जैसे ऑपरेशन से पहले उन्हें जानकारी दी गई हो। तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। हम इसका विरोध करते हैं।

17 मई : राहुल ने जयशंकर का वीडियो शेयर कर आरोप लगाया :

राहुल गांधी ने एक्स पर निजी न्यूज चैनल का वीडियो शेयर कर जयशंकर पर पाकिस्तान को जानकारी देने का आरोप लगाया था। विदेश मंत्रालय ने इसका खंडन किया था। वहीं, डीजीएमओ राजीव घई ने कहा था कि ऑपरेशन शुरू होने के बाद हमने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि हम आतंक के अड्डों पर हमला करेंगे। पाकिस्तान ने बातचीत से इनकार कर दिया और जवाबी कार्रवाई की धमकी दी थी।

14 मई : कांग्रेस ने सीडब्ल्यूसी बैठक के बाद सरकार से सवाल पूछे :

कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की 14 मई को दिल्ली में बैठक हुई थी। इसमें ऑपरेशन सिंदूर पर पार्टी के कुछ नेताओं, जिनमें शशि थरूर भी शामिल हैं, उनके दिए बयानों पर चर्चा की गई। साथ ही केंद्र सरकार पर ऑपरेशन सिंदूर के राजनीतिकरण का आरोप लगाया।

एएनआई के मुताबिक बैठक में कहा गया कि, यह निजी विचार व्यक्त करने का समय नहीं है, बल्कि पार्टी के आधिकारिक रुख को स्पष्ट करने का समय है। हम एक लोकतांत्रिक पार्टी हैं, और लोग अपनी राय व्यक्त करते रहते हैं, लेकिन इस बार थरूर ने लक्ष्मण रेखा पार कर ली है।

हरियाणा शिक्षा विभाग की उड़ी नींद

राज्य के 18 स्कूलों में एक भी बच्चा पास नहीं हुआ

चंडीगढ़, 19 मई (एजेंसियां)। हाल ही में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (एचबीएसई) ने 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं के परिणाम जारी किए थे। हरियाणा बोर्ड 12वीं का रिजल्ट 13 मई को जारी हुआ था। इस साल हरियाणा बोर्ड 12वीं में कुल 85.66 फीसदी बच्चे पास हुए, लेकिन रिजल्ट जारी होने के कुछ दिन बाद ही एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि हरियाणा में इस साल 18 स्कूल ऐसे रहे जिनका पासिंग प्रतिशत 0 है। इसका मतलब है कि राज्य के इन 18 स्कूलों में एक भी बच्चा 12वीं कक्षा पास नहीं कर पाया।

विभाग ने तैयार की 100 स्कूलों की एक लिस्ट

इस आंकड़े ने हरियाणा शिक्षा विभाग की टेंशन बढ़ा दी है। इस आंकड़े के आने के बाद राज्य शिक्षा विभाग ने खराब प्रदर्शन करने वाले 100 स्कूलों की एक सूची तैयार की है। इसमें प्राइवेट और सरकारी दोनों तरह के स्कूल शामिल हैं। इस सूची को तत्काल समीक्षा और सुधारात्मक कार्रवाई के लिए शिक्षा निदेशालय के पास भेजा गया है।

कई स्कूलों में 35 फीसदी से नीचे रहा पासिंग प्रतिशत

इस साल हरियाणा बोर्ड 12वीं के परिणामों का जिलावार विश्लेषण होने के बाद पता चला है कि राज्य के कई स्कूल ऐसे भी हैं जहां का पासिंग प्रतिशत 35 फीसदी से नीचे रहा है जबकि 18 स्कूलों में तो एक भी बच्चा पास नहीं हो पाया। एचबीएसई के चेयरमैन डॉ. पवन कुमार ने बताया है, एक स्कूल में 13 छात्र थे जिन्होंने 12वीं बोर्ड की परीक्षा दी थी, लेकिन एक भी पास नहीं हो पाया।

चीन ने पाकिस्तान को दी थी सैटेलाइट मदद

> भारतीय थिंक टैंक का खुलासा > दो मोर्चों पर लड़ाई की बढ़ी आशंका

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष में चीन ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था, लेकिन अब खुलासा हुआ है कि चीन ने पाकिस्तान को कूटनीतिक ही नहीं बल्कि सैन्य समर्थन भी दिया था और चीन ने पाकिस्तानी सेना को सैटेलाइट सपोर्ट भी दिया था। ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में एक भारतीय थिंक टैंक के हवाले से यह दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम और रडार को सही जगह पर तैनात करने के लिए अपनी सैटेलाइट्स की मदद दी थी, ताकि भारत की जवाबी कार्रवाई से बचा जा सके।

चीन ने खुलकर की पाकिस्तान की मदद पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारत की सरकार पाकिस्तान के खिलाफ बदले की कार्रवाई की योजना बना रही थी, उसी 15 दिन के अंतराल के बीच चीन ने पाकिस्तान को अपने उपग्रहों की मदद दी थी ताकि भारत के हथियारों की तैनाती का पता चल सके। भारत के थिंक टैंक 'सेंटर फॉर जॉइंट वारफेयर स्टडीज' से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि चीन की सैटेलाइट मदद से पाकिस्तान को अपना एयर डिफेंस सिस्टम और रडार फिर से व्यवस्थित करने में मदद मिली। साथ ही चीन ने पाकिस्तान को एयर डिफेंस

सिस्टम भी दिया था। भारत सरकार ने सार्वजनिक तौर पर संघर्ष में चीन के शामिल होने की बात नहीं की है, लेकिन पाकिस्तान ने कहा है कि उसने लड़ाई में चीनी हथियारों का इस्तेमाल किया।
भारतीय थिंक टैंक ने कहा कि इससे साफ है कि चीन ने कूटनीतिक समर्थन से आगे बढ़कर पाकिस्तान को लॉजिस्टिक और खुफिया मदद के अलावा सैन्य मदद भी मुहैया कराई। इस रिपोर्ट की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिस सेंटर फॉर जॉइंट वारफेयर स्टडीज ने यह जानकारी दी है, उसके एडवाइजरी बोर्ड में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारत की तीनों सेनाओं के शीर्ष कमांडर शामिल हैं।

चीन के एयर डिफेंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, इस मुद्दे पर अभी तक चीन, भारत या पाकिस्तान की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार सोमवार को चीन दौरे पर भी गए हैं। थिंक टैंक से जुड़े कुमार ने बताया कि चीन ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान एक तरह से अपने हथियारों का परीक्षण करने की कोशिश की, लेकिन चीन के एयर डिफेंस सिस्टम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। वहीं भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने उल्लेखनीय काम किया और पाकिस्तान के लगभग हर हवाई हमले को असफल कर दिया। बीती 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की हत्या के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। भारत ने 6-7 मई की रात बदले की कार्रवाई के तहत पाकिस्तान स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिससे भारत और पाकिस्तान में संघर्ष शुरू हो गया। संघर्ष के दौरान पाकिस्तान ने भारत के कई शहरों पर हवाई हमले किए, लेकिन भारत ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम से सभी हमलों को नाकाम कर दिया।

दो मोर्चों पर लड़ाई की बढ़ी आशंका

कुमार ने कहा कि भारत को पहले भी दो मोर्चों पर लड़ाई की आशंका थी, लेकिन अब जिस तरह से चीन ने पाकिस्तान का समर्थन किया है, उससे यह आशंका और बढ़ गई है और भारत भी अब इस दिशा में योजना बना रहा है।
कुमार ने कहा कि जब तक हालात बेहद संवेदनशील न हो, तब तक चीन के पाकिस्तान की मदद करने की आशंका कम ही है, लेकिन अगर भारत और चीन का संघर्ष होता है तो पाकिस्तान जरूर चीन के समर्थन में उतर सकता है।

दो पक्षों में विवाद, 3 लोगों की हत्या

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। मुंबई के बोरीवली इलाके में रविवार शाम दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। झगड़ा इतना बड़ा ही दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर चाकू और धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस घटना में 3 लोगों की मौत हुई है और 4 अन्य घायल हैं। एमएचबी थाना पुलिस के मुताबिक, घटना गणपत पाटिल नगर झुग्गी इलाके की है।
यहां रहने वाले राम नवल गुप्ता और हमीद शेख के परिवार के बीच पुरानी दुश्मनी थी। साल 2022 में दोनों परिवार ने किसी विवाद में एक-दूसर के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इसके चलते दोनों परिवार का रविवार को फिर से विवाद हुआ। राम नवल गुप्ता की नारियल बेचने की दुकान है। शाम के वक्त हमीद शेख शराब के नशे में नवल की दुकान पर पहुंचा। दोनों के बीच विवाद हुआ। दोनों के बेटे भी आ गए, सभी में हाथापाई हुई। पुलिस ने बताया कि इसी दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर चाकू और कटार जैसे हथियार से हमला किया।

खबरें जरा हटके

सिगरेट की लगी ऐसी लत, चाह कर भी नहीं छोड़ पा रहा था शख्स

पिंजड़े में बंद कर लिया चेहरा बीवी को थमा दी चाबी !

सिगरेट, शराब पीना स्वास्थ्य के लिए हानीकारक होता है, मगर इंसान इस बात की गंभीरता को नहीं समझता. लोगों को सिगरेट-शराब की इतनी बुरी लत लग जाती है कि वो चाह कर भी नहीं छोड़ पाते. इसे छोड़ना भी बहुत मुश्किल होता है. अच्छे-अच्छे लोगों का आत्म-नियंत्रण डगमागने लगता है. ऐसा ही एक तुर्की के शख्स के साथ भी करीब 12 साल पहले हो रहा था. शख्स सिगरेट छोड़ना चाहता था, मगर नहीं छोड़ पा रहा था. इसके लिए उसने विचित्र तरीका खोजा. उनसे चेहरे को पिंजड़े में बंद कर दिया और चाबी अपनी बीवी को थमा दी. ये खबर अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होती है, मगर इसकी विश्वस्नीयता की जांच नहीं हो सकी है. 12 साल पहले, एक व्यक्ति, इब्राहिम यूसेल द्वारा धूम्रपान छोड़ने की कोशिश की खबर टेलीविजन और अन्य माध्यमों पर पॉपुलर हुई, जब उसने अपने चेहरे के चारों ओर एक पिंजरा लगा लिया. तुर्की के एक व्यक्ति इब्राहिम यूसेल ने सिगरेट छोड़ने के लिए अपने सिर को एक हेलमेट के आकार के धातु के गोले में कैद कर लिया. 2013 में, समाचारपत्रों ने बताया कि इब्राहिम यूसेल पिछले 26 सालों से धूम्रपान कर रहे थे, और छोड़ने की काफी कोशिशों के बावजूद नहीं छोड़ पा रहे थे. वह दिन में दो पैकेट सिगरेट पी जा रहे थे. हर साल, अपने तीन बच्चों के जन्मदिनों और अपनी शादी की सालगिरह पर, वह सिगरेट छोड़ देते थे, लेकिन वह बिना सिगरेट के कुछ दिनों से ज्यादा नहीं रह पाते थे.

फोटो की विश्वस्नीयता पर उठते हैं सवाल

तब उन्होंने फैसला किया कि वो चेहरे को पिंजड़े में बंद कर लेंगे और चाबी बीवी को दे देंगे. यूं तो सोशल मीडिया पर आज तक उनकी पिंजड़ा पहने फोटोज वायरल होती हैं, मगर इन तस्वीरों की कोई विश्वस्नीय जानकारी नहीं है, ऐसे में हम दावे से नहीं कह सकते कि पिंजड़ा पहनने वाली बात पूरी तरह सही है या नहीं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल, 8 मिलियन से अधिक लोग तंबाकू के उपयोग से मर जाते हैं.

खुला था गटर का ढक्कन, जांच करने के लिए घुसा अंदर नीचे मिली 'अलग दुनिया', देखकर सन्न रह गया शख्स!

दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्हें एक्सप्लोर करना पसंद है. वो अलग-अलग जगहों पर जाना चाहता है, विचित्र चीजों को जानना चाहते हैं और उनके बारे में दुनिया को बताना चाहते हैं. जो लोग इस काम को शहरों में अंजाम देते हैं, उन्हें अर्बन एक्सप्लोरर कहा जाता है. हाल ही में ऐसे ही एक अर्बन एक्सप्लोरर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वो एक गटर के अंदर घुसता नजर आ रहा है. वो जांच करने के लिए अंदर घुसता है, पर उसे नीचे एक अलग दुनिया मिल जाती है क्योंकि वहां पर एक अस्पताल बना दिख रहा है. वो देखकर शख्स सन्न रह गया. इंस्टाग्राम यूजर कार्सटेन रॉबर्ट एक जर्मन अर्बन एक्सप्लोरर हैं. उन्हें 23 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं. वो अक्सर भूतही, सुनसान और अजीबोगरीब जगहों पर जाते हैं और वहां मिलने वाली चीजों के बारे में लोगों को बताते हैं. हाल ही में वो एक गटर के अंदर घुसे. उसके नीचे जाकर उन्हें एक अलग दुनिया दिखाई दी, जो असल में दूसरे विश्व युद्ध के दौर का एक अंडरग्राउंड अस्पताल है. शख्स उसके अंदर जाता है और वहां पर उसे स्ट्रेचर दिखता है, उसके ऊपर लाइटें नजर आती हैं. इसके अलावा अंदर कई कमरे दिखाई देते हैं, जिसमें गुजरे जमाने की चीजें पड़ी नजर आ रही हैं.
शख्स जैसे ही एक कॉरिडोर से होते हुए और अंदर जाता है, उसे वहां पर जर्मन भाषा में एक शब्द लिखा दिखता है, जिसका अंग्रेजी में अर्थ है, ब्लड बैंक. जब वो उस ओर जाता है तो उसे दीवारों पर कुछ और चीजें भी लिखी नजर आती हैं और फर्श पर काफी विचित्र चीजें पड़ी दिखाई देती हैं. अंदर सुनसान कॉरिडोर दिख रहा है. ये जगह इतनी डरावनी लग रही है कि सिर्फ देखने से ही आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे. इस वीडियो को 18 लाख व्यूज मिल चुके हैं और कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है.

इंजीनियर्स ने किया कमाल, बना डाली दुनिया की सबसे प्यासी सड़क, पलभर में गटक जाती है पानी

भारत में हर साल सड़कें बनती हैं और टूटती हैं. जब देखो, कहीं ना कहीं सड़क निर्माण का कार्य चलता रहता है. भारत की सबसे बड़ी समस्या है सड़कों के निर्माण के बाद इनका टूट जाना. नई-नई सड़कें भी टूट जाती हैं. इसका कारण है खराब माल का उपयोग और साथ ही भारत में प्रॉपर ड्रेनेज सिस्टम का ना होना. सड़कों पर बारिश का पानी या लोगों के घरों से निकलने वाला सीवर का पानी जमा होता जाता है और उससे कमजोर हुई सड़कें टूटने लगती हैं. इस समस्या का समाधान जर्मनी के इंजीनियर्स ने निकाला है. इन एक्सपर्ट्स ने ऐसी कमाल की सड़क बनाई है जो बेहद प्यासी है. जी हां, इन सड़कों की प्यास ऐसी होती है कि पलभर में कई गैलन पानी गटक जाती है. इससे सड़कों पर पानी जमा नहीं होता और वो सीधे अंडरग्राउंड में चला जाता है. चूँकि. सड़कों पर पानी जमा हो ही नहीं पाता, ऐसे में सड़क मजबूती कायम रखती है और लंबे समय तक चलती है. सोशल मीडिया पर जर्मनी के इंजीनियर्स द्वारा बनाई गई इस कमाल की सड़क का वीडियो शेयर किया गया. इसे देखकर आपको यकीन नहीं होगा. ये सड़क पलभर में अपने ऊपर गिरे पानी को सोख लेती है. इसकी वजह से सड़क पर पानी जमा नहीं होता और गड्ढे की समस्या भी देखने को नहीं मिलती. ये पानी सीधे नीचे चला जाता है. दरअसल, ये सड़क क्रश किए गए ग्रेनाइट से बनाया जाता है. इसकी वजह से सड़क काफी हलकी और स्मूथ होती है. साथ ही पानी सीधे अंडरग्राउंड में जाता है, जिसकी वजह से वॉटर लेवल भी सही रहता है.

पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी को मिलेगा संसद रत्न

पंजाब में पहली बार किसी एमपी को मिलेगा ये अवॉर्ड
किसान हितों की पैरवी पर चयन

जालंधर, 19 मई (एजेंसियां)। जालंधर लोकसभा सीट से सांसद और राज्य के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी को संसद रत्न के सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। पिछले 16 वर्षों में पहली बार देश की लोकसभा के लिए पंजाब से चुने गए किसी सांसद को संसद रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया है। जालंधर लोकसभा क्षेत्र से भारी बहुमत से जीतकर देश की लोकसभा में पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को संसद रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया है।
देश के दिवंगत राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नेतृत्व में प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन द्वारा 2010 में शुरू किए गए इस पुरस्कार के लिए अब तक 17 संसद सदस्यों और दो लोकसभा स्थायी समितियों के अध्यक्षों का चयन किया जा चुका है। इस पुरस्कार में कृषि एवं किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत चरणजीत सिंह चन्नी को उनके किसान और खेत मजदूर खेल प्रदर्शन को देखते हुए इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस संबंध में रविवार शाम संसद रत्न पुरस्कार समिति की ओर से जारी एक बयान में जानकारी साझा की गई।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से तृणमूल कांग्रेस का किनारा

शामिल नहीं होगा पार्टी का कोई भी सांसद

कोलकाता, 19 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर घेरने के लिए 30 से अधिक देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेज रही है। हालांकि, इस प्रतिनिधिमंडल से तृणमूल कांग्रेस ने किनारा कर लिया है।
पार्टी सूत्रों ने सोमवार को कहा कि प्रतिनिधिमंडल में टीएमसी का कोई भी सांसद या नेता शामिल नहीं होगा। हालांकि, इससे पहले खबर आई थी की बहरामपुर से टीएमसी सांसद यूसुफ पठान सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हो सकते हैं। टीएमसी सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान के सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ अभियान चलाने के लिए विभिन्न देशों का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में न तो यूसुफ पठान और न ही कोई अन्य टीएमसी सांसद शामिल होगा।

एकतरफा फैसला नहीं ले सकती सरकार : अभिषेक बनर्जी

तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा राष्ट्रीय हित की रक्षा के लिए आतंकवाद से निपटने के लिए केंद्र सरकार जो भी फैसला करेगी,

टीएमसी केंद्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि हमें किसी भी प्रतिनिधिमंडल के जाने से कोई समस्या नहीं है। टीएमसी का कौन सदस्य प्रतिनिधिमंडल में जाएगा, ये पार्टी का निर्णय है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार एकतरफा तरीके से यह तय नहीं कर सकती है कि किस पार्टी से कौन जाएगा। टीएमसी नेता ने कहा कि पार्टी ऑपरेशन सिंदूर का बहिष्कार नहीं कर रही है और हमने कभी इसका बहिष्कार नहीं किया है। टीएमसी एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया है। टीएमसी सूत्रों का कहना है कि राष्ट्र सबसे ऊपर है। हमने देश की रक्षा के लिए जो भी आवश्यक कार्रवाई की है, उसके लिए केंद्र सरकार को अपना समर्थन देने का वचन दिया है। हमारे सशस्त्र बलों ने देश को गौरवान्वित किया है और हम उनके प्रति सदैव ऋणी हैं। उन्होंने कहा कि विदेश नीति पूरी तरह केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में है। इसलिए, केवल केंद्र सरकार ही हमारी विदेश नीति तय करे और इसकी पूरी जिम्मेदारी ले।

30 से अधिक साझेदार देशों में जाएगा सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल

पहलगाम आतंकी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अपने 'जीरो टॉलरेंस' के संदेश को वैश्विक पटल पर मजबूती से रखने का फैसला किया है। अपने इस प्रयास के तहत सरकार 30 से अधिक साझेदार देशों में भारतीय सांसदों के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजेगी। इसकी थीम 'एक मिशन, एक संदेश, एक भारत' रखी गई है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल वैश्विक पटल बताए कि कैसे पाकिस्तान आतंकवाद को पनाह दे रहा है।

यूट्यूबर ज्योति का इंस्टाग्राम अकाउंट बैन

आतंकी हमले से पहले पहलगाम और पाकिस्तान गई थी; एनआईए टेरर लिंक पर पूछताछ करेगी

हिसार, 19 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का इंस्टाग्राम अकाउंट बैन कर दिया गया है। उसके 1.39 लाख फॉलोअर्स थे। हिसार पुलिस ने कल (18 मई) रात ज्योति के घर जाकर छानबीन की थी। वहां से कुछ दस्तावेज जब्त किए गए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) भी टेरर लिंक को लेकर ज्योति से पूछताछ के लिए हिसार पहुंचेगी।
हिसार पुलिस की जांच में यह भी पता चला है कि ज्योति पहलगाम हमले से पहले कश्मीर गई थी। वह पहलगाम, गुलमर्ग, डल लेक, लद्दाख की पैंगॉन्ग लेक तक गई थी। पैंगॉन्ग चीन से लगी लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) से सटा हुआ है। उसने अपने यूट्यूब चैनल पर इन जगहों के वीडियो शेयर किए हैं। ज्योति पहली बार साल 2024 और फिर

इसी साल 5 जनवरी 2025 को 2 बार कश्मीर गई थी। उसने अपने वीडियो में पंजाब और राजस्थान के बॉर्डर भी दिखाए। इनमें अटारी-बाघा और राजस्थान के थार शामिल हैं। उसने यूट्यूब पर जो वीडियो शेयर किए थे, उनमें भारत-पाकिस्तान की सीमा पर लगी फेंसिंग तक दिखाई दी थी। हिसार पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि मार्च में वह पाकिस्तान गई। जांच एजेंसियों को शक है कि वह कश्मीर और बॉर्डर स्टेट में ट्रैवलिंग के लिए गई थी या फिर संवेदनशील सूचनाएं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों तक पहुंचा रही थी।

पहलगाम हमले के बाद पर्यटकों और सरकार को कोसती रही

जब 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमला हुआ तो उसने पाकिस्तान या आतंकियों को कोसने की जगह भारत की तरफ से सुरक्षा पर सवाल उठाए थे। ज्योति मल्होत्रा ने कहा था- पहलगाम घटना के लिए भारत सरकार और सुरक्षा एजेंसियां जिम्मेदार हैं। इसमें सिर्फ सरकार की ही नहीं, बल्कि हर उस नागरिक की भी जिम्मेदारी है, जो घूमने जाता है। उसे सतर्क रहना चाहिए। मैं जानती हूं कि कश्मीर में हर जगह सुरक्षा बल तैनात रहते हैं।
वहां बड़ी संख्या में सेना और पुलिस बल मौजूद रहते हैं। फिर भी अगर यह घटना हुई है, तो कहीं न कहीं हम भी दोषी हैं। हम सतर्क नहीं थे, जिसकी वजह से यह सब हुआ। हमें सतर्क और जिम्मेदार होना चाहिए। अगर किसी ने उन आतंकवादियों की मदद की है, तो वह भारतीय नहीं है। जो भी उन आतंकवादियों का साथ दे रहा है, वह बहुत गलत कर रहा है। इसके लिए हम सब जिम्मेदार हैं, हमारी सरकार जिम्मेदार है, क्योंकि कहीं न कहीं सुरक्षा में कमी रह गई, वहां सुरक्षा में चूक हुई। कुछ तो गड़बड़ हुई, जिसकी वजह से इतना बड़ा हमला हुआ।

हरियाणा के प्रोफेसर की याचिका पर शीर्ष कोर्ट में सुनवाई

'ऑपरेशन सिंदूर' पर पोस्ट को लेकर हुई थी गिरफ्तारी

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अशोका यूनिवर्सिटी के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख अली खान महमूदाबाद की याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। याचिका में 'ऑपरेशन सिंदूर' से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट के लिए अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी को चुनौती दी गई है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने एसोसिएट प्रोफेसर की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों पर गौर किया। उन्होंने कहा कि याचिकाओं को मंगलवार या बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा।

सिब्बल की दलीलें, सीजेआई का जवाब

इससे पहले सिब्बल ने कहा कि उन्हें देशभक्ति वाले बयान के लिए गिरफ्तार किया गया है। कृपया इसे दिन के दौरान सूचीबद्ध करें। इस पर सीजेआई ने कहा कि कृपया इसे कल या परसों सूचीबद्ध करें। प्रोफेसर को ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट के लिए संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने सहित कड़े आरोपों में दो एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद रविवार को गिरफ्तार किया गया था। हरियाणा राज्य महिला आयोग ने हाल ही में एसोसिएट प्रोफेसर को नोटिस भेजकर उनकी टिप्पणियों पर सवाल उठाया था।

ज्योति की गिरफ्तारी के बाद सुर्खियों में यूट्यूबर 'यात्री डॉक्टर'

पाकिस्तान जा चुके हैं रोहतक के नवांकुर, बोले-जासूसी की हो तो जेल भेज देना

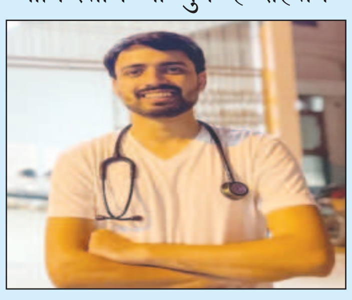

रोहतक, 19 मई (एजेंसियां)। हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के पाकिस्तान के लिए जासूसी करने पर पकड़े जाने के बाद एक और यूट्यूबर सुर्खियों में है। यूट्यूबर का नाम नवांकुर धनखड़ है और वे 'डॉक्टर यात्री' के नाम से यूट्यूब चैनल चलाते हैं। डॉक्टर यात्री भी पिछले साल मार्च में पाकिस्तानी दूतावास की नेशनल डे पार्टी में शामिल हुए थे, जिसमें ज्योति पाक दूतावास के अधिकारी दानिश से फ्रेंडली तरीके से मिलती हुई नजर आई थी।
ज्योति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डॉक्टर यात्री यूट्यूब चैनल चलाने वाले नवांकुर धनखड़ के साथ सेल्फी पोस्ट की थी। ज्योति की तरह वह भी पाकिस्तान जा चुके हैं। इसके फोटो उन्होंने अपने अकाउंट पर शेयर किए थे। जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन पर भी जासूस होने के आरोप लगने लगे। इसके बाद धनखड़ ने वीडियो जारी कर कहा- मैं अभी आयरलैंड में हूं। अगर मैंने कुछ गलत किया हो तो भारतीय पुलिस एयरपोर्ट पर आते ही मुझे पकड़कर जेल में डाल दे।

14.22 लाख रुपये कहां गए? न मशीन तोड़ी... न हुई हैक

दिल्ली के एक एटीएम से हुए गायब; पांच दिन बाद कंपनी को पता चला

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के किशनगढ़ स्थित बेर सराय इलाके में केनरा बैंक के एटीएम से 14.22 लाख रुपये गायब होने का मामला सामने आया है। एटीएम में कैश डालने वाली कंपनी ने अपने ही दो कर्मचारियों के अलावा एटीएम की देखरेख करने वाले दो इंजीनियर पर रकम हड़पने का आरोप लगाया है।
कंपनी की ओर से दी गई शिकायत में निजी कंपनी के कर्मचारी चंदर मोहन और पंकज के अलावा देखरेख करने वाली कंपनी के इंजीनियरों सुजीत झा और मनोज गौतम पर शक जाहिर किया गया है। फिलहाल, निजी कंपनी की मैनेजर महक गुप्ता की शिकायत पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है। पुलिस को दी शिकायत में महक गुप्ता ने बताया कि वह गुरुग्राम-नोएडा ब्रांच की लीगल मैनेजर हैं। इनकी कंपनी दिल्ली-एनसीआर के एटीएम में कैश डालने का काम करती है। 3 मई को कंपनी की ओर से कर्मचारी चंदर मोहन व पंकज ने बेर सराय, किशनगढ़ स्थित केनरा बैंक के एटीएम में 16 लाख रुपये कैश डाले थे। इसके बाद 8 मई को निजी कंपनी को मैसेज मिला कि बेर सराय के एटीएम से कैश नहीं निकल रहा है। जांच के लिए चंदर मोहन व विवेक उसकी जांच के लिए पहुंचे। एटीएम की जांच करने पर 14.22 लाख 400 रुपये कम पाए गए। एटीएम बूथ में लगे सीसीटीवी कैमरों पर भी काले रंग का पेंट हुआ मिला।
एटीएम का रिकॉर्ड चेक किया गया तो पता चला कि जिस दिन मशीन में कैश डाला गया था उस दिन उसमें एक बार बस 8 हजार रुपये निकाले गए थे। इसके बाद कोई लेनदेन नहीं हुआ। छानबीन के बाद पता चला कि 7 मई को एटीएम में अपडेट करने व हार्ड डिस्क का कोई काम हुआ था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: अगर आपके सपने आपकी आँखों में दिखने लगे तो आप उसे जल्दी ही जीत सकते हो ।

कांग्रेस को अगले 20 साल तक तेलंगाना में सत्ता में बने रहना चाहिए : भट्टी

अचंपेट, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना की धरती पर, 'जमीन जोतने वाले के लिए' का लंबे समय से चला आ रहा नारा अब योजनाओं के माध्यम से कानून के रूप में लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल, जंगल, जमीन, भूमि कोसम, भुक्ति कोसम पोरातम (जल, जंगल, जमीन और आजीविका के लिए संघर्ष) जैसे नारे केवल दीर्घकालिक शासन के माध्यम से ही सही मायने में साकार हो सकते हैं। ऐसे नारों को कानून में बदलने के लिए, कांग्रेस को अगले 20 साल तक सत्ता में बने रहना चाहिए। सोमवार को इंदिरा सौर जनजातीय विकास योजना के शुभारंभ के दौरान अचंपेट निर्वाचन क्षेत्र के माचाराम गांव में जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने योजना के शुभारंभ के दिन को भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने योग्य ऐतिहासिक स्वर्णिम दिन बताया। उन्होंने कहा कि जंगलों में संघर्ष करने वाले और खून बहाने वाले आदिवासियों की पीढ़ियों के बारे में भावुक होकर बोलते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में शुरू की गई नल्लमाला घोषणा अब राज्य के सभी आदिवासी क्षेत्रों को लाभान्वित करेगी। हम नल्लमाला घोषणा को अक्षरशः लागू करेंगे और चार साल के भीतर आदिवासी समुदायों को परिणाम देंगे। इस 12,600 करोड़ रुपये की योजना का शुभारंभ उन आदिवासी बच्चों का समर्थन करने के लिए एक साहसी कदम है, जो पीछे छूट गए थे। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पहले केवल अमीरों द्वारा उगाई जाने वाली एवोकैडो जैसी दुर्गम फसलें अब आदिवासी किसानों को उपलब्ध कराई जाएंगी। इन फसलों से दो साल में अच्छे नतीजे मिलेंगे और इस बीच बागवानी विभाग अंतरफसल के लिए मुफ्त पौधे वितरित करेगा, जिससे अंतरिम आय होगी। उन्होंने कहा, पिछली सरकार के दौरान जब आदिवासी खेती करने की कोशिश करते थे, तो महिलाओं को पेड़ों से बांधकर पीटा जाता था और पुरुषों पर झूठे मामले दर्ज किए जाते थे। इस तरह के अन्याय को कभी नहीं भुलाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार के खिलाफ बोले गए किसी भी शब्द या उसके खिलाफ किसी भी साजिश को राज्य के लोगों के खिलाफ साजिश माना जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि 2 जून को राजीव युवा विकास स्वरोजगार योजना के तहत आदिवासी युवाओं के लिए 1,000 करोड़ रुपये मंजूर किए जाएंगे। भट्टी विक्रमार्का ने कहा, यह गरीबों की सरकार है- आपकी सरकार। इसे अपने दिल के करीब रखें। यह केवल शुरूआत है, कई और कल्याणकारी योजनाएं आने वाली हैं।

ड्राइविंग सीख रही महिला ने 2 लोगों को कुचला, किशोर की मौत

संगारेड्डी, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार की सुबह अमीनपुर नगरपालिका के अंतर्गत नर्रे गुडेम में एक खेल के मैदान में खेल रहे दो बच्चों को कार चलाना सीख रही एक महिला ने कुचल दिया, जिससे उनमें से एक की मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, नर्रे गुडेम में रहने वाले और एक निजी कंपनी में काम करने वाले शेखर (40) अपने दो बच्चों येकावनी (14) और मणिधर वर्मा (10) को सोमवार को खेल के मैदान में ले गए। जब बच्चे खेल रहे थे, तब माहेश्वरी अपने पति रवि शेखर के साथ नव्या कॉलोनी में कार से मैदान में पहुंची। ड्राइविंग सीखते समय माहेश्वरी ने भाई-बहनों को कुचल दिया। मणिधर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि येकावनी गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने पति-पत्नी को पकड़कर अमीनपुर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने घायल येकावाणी को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। महिला के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था और कथित तौर पर उसने पहले कोई प्रशिक्षण भी नहीं लिया था।

5,000 लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों के लिए 10,031 आवेदन : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घोषणा की कि राज्य सरकार को 17 मई तक 5,000 लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों की भर्ती के लिए 10,031 आवेदन प्राप्त हुए हैं। सोमवार को, मंत्री ने लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों की भर्ती प्रक्रिया के संबंध में एक समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान, उन्होंने अधिकारियों को लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों के प्रशिक्षण के लिए सभी आवश्यक तैयारियों को तुरंत अंतिम रूप देने का निर्देश दिया। प्रशिक्षण 26 मई से शुरू होकर गच्चीबावली में सर्वेक्षण प्रशिक्षण अकादमी में दो महीने तक चलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों की भर्ती से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और भूमि विवादों को सुलझाने का सरकार का लक्ष्य पूरा होगा। मंत्री ने कहा कि सर्वेक्षण अभिलेखों (मानचित्रों) का डिजिटलीकरण टीजीआरएसी (तेलंगाना रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर) के माध्यम से किया जाएगा और यह प्रक्रिया तीन गांवों में दो दिनों में पायलट आधार पर शुरू की जाएगी- नागरकर्नूल जिले का लिंगाला गांव, जगतियाल जिले के मल्लयाला मंडल का तक्कलापल्ली और खम्मम जिले के कल्लूर मंडल का पेद्दाकोरुकोंडी। डिजिटल मानचित्रों को कहीं से भी आसानी से एक्सेस किया जा सकता है और यह मैनुअल तरीकों की तुलना में कम लागत पर और तेज़ी से सटीक जानकारी प्रदान करता है। डिजिटल मैपिंग के माध्यम से भूमि भूखंडों के आकार और आकृति जैसे विवरण सटीकता के साथ प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी और म्यूटेशन प्रक्रिया में तेजी आएगी। मंत्री ने बताया कि बहाली और सुरक्षा को डिजिटल रूप में सुरक्षित रूप से संग्रहीत किया जा सकता है और समय-समय पर अपडेट किया जा सकता है।

केटीआर ने गुलजार हौज के पीड़ितों को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने की मांग की

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने यहां गुलजार हाउस में हुई दुखद आग दुर्घटना से पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और इस बात पर जोर दिया कि यह घटना बुनियादी आपातकालीन बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए एक चेतावनी के रूप में काम करनी चाहिए। मीडिया से बात करते हुए, केटीआर ने स्पष्ट रूप से कहा कि उनका किसी की आलोचना करने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन वे पीड़ित परिवारों द्वारा साझा की गई चिंताओं को व्यक्त कर रहे थे और उन कमियों को उजागर कर रहे थे जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। अग्रवाल परिवार के सत्रह सदस्य, जो 125 से अधिक वर्षों से चारमीनार के पास रह रहे थे, ने अपनी जान गंवा दी, जिसे केटीआर ने हैदराबाद के इतिहास की सबसे दर्दनाक त्रासदियों में से एक बताया। पीड़ितों में आठ बच्चे भी थे। पीड़ितों के परिवारों ने हमें बताया कि दमकल गाड़ियां बिना पानी के पहुंचीं और उचित सुरक्षात्मक मास्क की कमी के कारण दमकलकर्मी परिसर में प्रवेश नहीं कर सके। एम्बुलेंस भी बिना ऑक्सीजन सिलेंडर या मास्क के पहुंचीं। अगर ये बुनियादी जीवन रक्षक सुविधाएं उपलब्ध होतीं, तो कुछ लोगों की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने जीवित बचे लोगों की दिल दहला देने वाली बातें बताईं, जिन्होंने बताया कि स्थानीय हिंदू और मुसलमान मदद के लिए दौड़े और आग में फंसे लोगों को बाहर निकाला। केटीआर ने कहा, वे किसी को दोष नहीं दे रहे हैं। उनका एकमात्र अनुरोध है कि भविष्य में किसी अन्य परिवार के साथ ऐसी त्रासदी न हो। व्यक्तिगत आलोचना से बचते हुए केटीआर ने निराशा व्यक्त की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, जिनके पास गृह और नगर प्रशासन दोनों विभाग हैं, आपदा के पैमाने के बावजूद त्रासदी स्थल पर नहीं गए। केटीआर ने कहा, यह राजनीति के बारे में नहीं है, यह मानवता के बारे में है।

ऐसे समय में जब हैदराबाद ने अपनी सबसे खराब आग त्रासदियों में से एक देखी, मुख्यमंत्री की उपस्थिति ने शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना दी होगी और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में एक मजबूत संदेश दिया होगा। केटीआर ने राज्य से मृतकों के परिवारों को तुरंत 25 लाख रुपये का मुआवजा देने और अग्रवाल परिवार को अपना व्यवसाय फिर से शुरू करने में सहायता देने का आह्वान किया, जिसने एक सदी से अधिक समय तक शहर की सेवा की थी। उन्होंने दोहराया कि उनका दौरा राजनीतिक नहीं था।

उन्होंने कहा, मैं यहां दोषारोपण या राजनीति करने नहीं आया हूं। लेकिन जब गर्मी आती है, तो नगर प्रशासन विभाग को आग की तैयारियों का आकलन करने के लिए समीक्षा बैठकें बुलानी चाहिए। ऐसा नहीं हुआ, और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। पूर्व मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि गुलजार हाउस जैसे पुराने शहर के इलाकों में जनसंख्या घनत्व अधिक है और गलियां संकरी हैं, जिससे आग और बचाव अभियान बेहद मुश्किल हो जाते हैं। उन्होंने कहा, हमारे अधिकारियों को नियमित प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल की जरूरत है। आपातकालीन सेवाओं को सुसज्जित और कार्यात्मक होना चाहिए। यह केवल मांग नहीं है- यह एक आवश्यकता है। सरकार की प्राथमिकताओं पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए केटीआर ने टिप्पणी की, सौंदर्य प्रतियोगिताओं के लिए जिस तरह का ध्यान और खर्च हम देखते हैं, उसे आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों को बेहतर बनाने की दिशा में भी निर्देशित किया जाना चाहिए।

उन्होंने सरकार से मानवता के साथ प्रतिक्रिया करने, ऐसी त्रासदियों को रोकने को सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए निष्कर्ष निकाला और प्रभावित परिवारों को बीआरएस के समर्थन को दोहराया। केटीआर ने कहा, इन परिवारों ने जो दर्द सहा है, वह हैदराबाद के किसी भी नागरिक को नहीं सहना चाहिए।

चेंचू प्रतिनिधियों की गिरफ्तारी की हरीश राव ने की निंदा

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के वरिष्ठ विधायक टी हरीश राव ने सोमवार को नागरकर्नूल में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मिलने और उनके मुद्दों को उठाने का प्रयास करने वाले चेंचू आदिवासी प्रतिनिधियों की गिरफ्तारी की निंदा की। उन्होंने अमराबाद पुलिस स्टेशन में हिरासत में लिए गए मल्लिकार्जुन, पद्मा, गुरुवैया और अन्य की तत्काल रिहाई की मांग की।

उन्होंने गिरफ्तारियों को अलोकतांत्रिक बताते हुए सवाल किया कि क्या नल्लामाला से आने वाला एक मुख्यमंत्री जंगल के बच्चों के साथ इस तरह का व्यवहार करता है? उन्होंने आदिवासियों की जायज चिंताओं को दूर करने के बजाय उनकी आवाज दबाने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। बीआरएस विधायक ने चेंचू समुदाय की मांगों का समर्थन किया, जिसमें आईटीडीए परियोजना अधिकारी के रूप में एक आईएएस अधिकारी की नियुक्ति, पिछली बीआरएस सरकार के तहत आवंटित पोडू भूमि पर खेती और आदिवासी मंदिरों की आय का उपयोग आदिवासी विकास के लिए करना शामिल है, तथा कहा कि इनमें से कोई भी पुलिस कार्रवाई को उचित नहीं ठहराता है।

छह कर्मचारियों को 'महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' सुरक्षा पुरस्कार

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को सिकंदराबाद के रेल निलयम में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान छह कर्मचारियों को अप्रैल 2025 के लिए महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। ये पुरस्कार उन रेलवे कर्मियों को दिए जाते हैं जिन्होंने असुरक्षित स्थितियों को रोकने में असाधारण सतर्कता और समर्पण का प्रदर्शन किया है। दक्षिण मध्य रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक ने नीरज अग्रवाल ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ डिवीजनों के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने संभावित जोखिमों

को टालने में त्वरित कार्रवाई के लिए सिकंदराबाद (2), विजयवाड़ा (2) और गुंटूर (2) के विभिन्न डिवीजनों के छह कर्मचारियों की व्यक्तिगत रूप से सराहना की। ट्रैक मेंटेनर, तकनीशियन और एक स्टेशन मास्टर जैसे विभिन्न परिचालन भूमिकाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले पुरस्कार विजेताओं को रेलवे सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनके परिश्रम और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। अरुण कुमार जैन ने प्राप्तकर्ताओं की प्रशंसा की, कर्तव्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को स्वीकार किया और रेलवे परिचालन में सतर्कता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। बैठक के दौरान, महाप्रबंधक ने चालक दल के काम के घंटों के महत्व को रेखांकित किया और अधिकारियों को समय-निर्धारण को अनुकूलित करने के लिए ट्रेन की आवाजाही का गहन विश्लेषण करने का निर्देश दिया। उन्होंने यात्री और मालगाड़ी परिचालन की समयबद्धता को और बढ़ाने के लिए सभी संबंधित विभागों को शामिल करते हुए एक एकीकृत योजना तैयार करने का भी आह्वान किया। रेलवे सुरक्षा की व्यापक समीक्षा में, श्री अरुण कुमार जैन ने सिग्नल और दूरसंचार, इंजीनियरिंग और मैकेनिकल सहित कई विभागों में चल रहे सुरक्षा अभियानों की प्रगति का आकलन किया। उन्होंने फील्ड स्तर पर निरंतर परामर्श सत्रों की आवश्यकता दोहराई, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कर्मचारी उच्च सुरक्षा मानकों को बनाए रखने में सतर्क और सक्रिय रहें। यह पहल परिचालन उत्कृष्टता और सुरक्षा के लिए दक्षिण मध्य रेलवे की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो सभी डिवीजनों में सतर्कता और जिम्मेदारी की संस्कृति को मजबूत करती है।

सार्वजनिक माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का शीघ्र निपटारा किया जाए : आयुक्त

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. उन्होंने कहा कि प्रजावाणी में प्राप्त प्रार्थना पत्रों का शीघ्र समाधान किया जाए। कर्णन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में शहर भर से आए लोगों की व्यक्तिगत व सामाजिक समस्याओं के निवेदनों की कमिश्नर ने गहनता से जांच की और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान खोजने के निर्देश दिए। इस अवसर पर बोलते हुए आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कहा कि अधिकारियों को लोगों द्वारा उठाई गई व्यक्तिगत और सामाजिक समस्याओं का जिम्मेदारी से समाधान करना चाहिए। जनता से प्राप्त याचिकाओं की क्षेत्र स्तर पर जांच की जानी चाहिए और यदि उनका समाधान नहीं होता है तो इसके कारणों को संबंधित याचिकाकर्ता को लिखित रूप में सूचित किया जाना चाहिए। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जन सुनवाई के दौरान कुल 66 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 33 टाउन प्लानिंग

विभाग, 6 इंजीनियरिंग विभाग, 5 कर अनुभाग, दो-दो विद्युत, भूमि अधिग्रहण, वित्त, प्रशासन, स्वच्छता, आवास और सतर्कता विभागों और एक-एक स्वास्थ्य, संपदा, झील और यूबीडी विभागों से प्राप्त हुईं। फोन कॉल के माध्यम से चार शिकायतें प्राप्त हुईं। जीएचएमसी के अंतर्गत छह क्षेत्रों में कुल 113 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कुकटपल्ली जोन में 40, सेरिलिंगमपल्ली जोन में 14, एलबी नगर जोन में 9 , सिकंदराबाद जोन में 17, चारमीनार जोन में 3 और खैरताबाद जोन में 30 आरजी प्राप्त हुए। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त वेणु गोपाल, पंकजा, गीता राधिका, नलिनी पद्मावती, रघु प्रसाद, यदागिरी राव, सत्यनारायण, वेणुगोपाल रेड्डी, सीसीपी श्रीनिवास, अतिरिक्त सीसीपी गंगाधर, वेंकन्ना, एलएओ रामू नाइक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पद्मजा, बागवानी अधिकारी सुनंदा, बिजली ईई ममता, संपदा अधिकारी उमा प्रकाश, जल बोर्ड डीजीएम साई रमण, डिप्टी सीई पनासा रेड्डी, पीवी राव, हाउसिंग ईई राजेश्वर राव, संयुक्त आयुक्त राजस्व महेश कुलकर्णी, विज्ञापन अधिकारी पशु चिकित्सा पर्यवेक्षक शैलजा, रखरखाव एई बालाजी और अन्य ने भाग लिया।

फोटोग्राफर ने 35 अवार्ड्स वैश्विक फोटोग्राफी प्रतियोगिता में जीता प्रथम स्थान

फोटोग्राफर की फोटोज देख दुनिया हुई हैरान

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मूल के कनाडाई फ़ोटोग्राफ़र रघुवंश चावली ने इस साल कई विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त फ़ोटोग्राफ़ी प्रतियोगिताओं में शीर्ष सम्मान हासिल किया है, जिसमें 10वें वार्षिक 35 अवार्ड्स में पहला स्थान भी शामिल है। अपनी वैचारिक और शहरी-प्रेरित इमेजरी के लिए जाने जाने वाले चावली की सीरीज़ 'विंग्स ओवर कंक्रीट: अर्बन बर्ड्स इंटरलेस्ड फ़्लाइट थ्रू सिटी स्ट्रीट्स' ने '35 बेस्ट सीरीज़ फ़ोटो' के लिए फ़ोटो प्रोजेक्ट श्रेणी में पहला स्थान जीता।

10वें वार्षिक 35वें पुरस्कार के लिए 174 देशों के 112,700 फ़ोटोग्राफ़रों से 473,100 से ज़्यादा आवेदन प्राप्त हुए। इस तरह चावली कनाडा या भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले उन गिने-चुने फ़ोटोग्राफ़रों में से एक बन गए, जिन्हें प्रतियोगिता के इतिहास में यह सर्वोच्च सम्मान मिला। 'विंग्स ओवर कंक्रीट' प्रोजेक्ट के बारे में उन्होंने कहा कि फ़ोटो सीरीज़ में हमारे शहरों में पक्षियों के उड़ने के तरीके को दिखाया गया है कि जिसे हम रोज़ देखते हैं, लेकिन शायद ही कभी ध्यान देते हैं।

इसके अलावा, 'विषयगत प्रतियोगिताओं' में, चावली ने ब्लैक एंड व्हाइट मोबाइल शॉट प्रतियोगिता (मार्च 2025) में विजय प्राप्त की, जिसे 104 देशों के 3,120 फोटोग्राफरों द्वारा 12,506 प्रविष्टियों में से चुना गया था, और 'बर्ड्स इन द सिटी' प्रतियोगिता (फरवरी 2025) में, जिसे 94 देशों के 2,666 फोटोग्राफरों द्वारा 9,549 प्रस्तुतियों में से चुना गया था।

35 अवार्ड्स के 10वें संस्करण में 50 अलग-अलग देशों के 50 निर्णायकों ने हिस्सा लिया, जिसमें अमेरिका, बेल्जियम, ग्रीस, इटली, ब्राजील, भारत और अन्य देशों के विशेषज्ञों की मौजूदगी में एक वास्तविक अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण पेश किया गया। इस बीच, चावली को ऑल अबाउट फोटो अवार्ड्स के 10वें संस्करण, 'दि माइंड्स आई' में शीर्ष 50 विजेताओं में से एक नामित किया गया, जो दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ने वाले गहन दृश्य आख्यान तैयार करने की उनकी क्षमता के लिए है। 14 मई को जारी ऑल अबाउट फोटो अवार्ड्स 2025 का मूल्यांकन एक पैनल द्वारा किया गया, जिसमें प्रशंसित फोटोग्राफर जेनेट डेलाने, द गार्जियन की सारा गिल्बर्ट और सेंटर फॉर फोटोग्राफिक आर्ट की एन जस्ट्राब के अलावा इस क्षेत्र की अन्य प्रमुख हस्तियां शामिल थीं।

सीपीआई ने सीजेआई के प्रोटोकॉल की अनदेखी करने के लिए महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चड्डा वेंकट रेड्डी ने आज महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की और कहा कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश गवई के अपने गृह राज्य महाराष्ट्र आने पर राज्य सरकार द्वारा न्यूनतम शिष्टाचार न दिखाना लोकतांत्रिक मूल्यों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले के कारण सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मानसिक रूप से परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान के मुख्य अंग न्यायपालिका के प्रति महाराष्ट्र सरकार का रवैया उसकी लापरवाही को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायिक प्रणाली को संविधान के मुख्य अंग कहा जाता है और कहा कि उन्हें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार को भविष्य में ऐसी कटु घटनाओं को रोकने के लिए इस मुद्दे पर राज्यों को उचित निर्देश देने चाहिए। चड्डा वेंकट रेड्डी ने कहा कि चारमीनार के पास गुलजार हाउस में आग लगने की घटना में 17 लोगों की मौत से लोगों में काफी हड़कंप मच गया है और उन्होंने कहा कि यह घटना दर्दनाक है। उन्होंने मांग की कि मृतकों के परिवारों को 20 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाए और राज्य सरकार ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कदम उठाए। उन्होंने मृतकों के परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

बंडी संजय और न्यायाधीश नरसिम्हा राव ने सरस्वती पुष्करम में भाग लिया

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नंदीकोंडा नरसिम्हा राव ने कालेश्वरम त्रिवेणी संगम पर सरस्वती पुष्कर स्नान किया। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नंदीकोंडा नरसिम्हा राव (जो अपनी पत्नी के साथ कालेश्वरम पुष्कर में पवित्र स्नान और दर्शन के लिए आए थे) ने सोमवार को पवित्र स्नान किया। इसके बाद विशेष प्रार्थना की गई। जिले की अतिरिक्त जूनियर सिविल जज श्रीमती जी अखिला और जिला कलेक्टर राहुल शर्मा ने जज दम्पति का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर राहुल शर्मा ने न्यायाधीश एवं उनकी पत्नी को बधाई दी। देवी सरस्वती का चित्र भेंट किया गया।

मियापुर में अवैध ढांचों को गिराया गया

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगर मियापुर के हैदरनगर इलाके में सोमवार सुबह कई अवैध ढांचों को ध्वस्त कर दिया गया। सरकारी भूमि पर अवैध निर्माणों के खिलाफ हाइड्रा को शिकायतें मिलने के बाद, अधिकारी निर्माणों को गिराने के लिए मशीनरी के साथ मौके पर पहुंचे। जानकारी के अनुसार, स्थानीय पुलिस बल की कड़ी सुरक्षा के बीच नगर निगम अधिकारी ध्वस्तीकरण का काम कर रहे हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, RUBINA BEGUM D/o SYED EJAZ R/o H.No.4-2-20, Dwarakanagar Colony, Near Oakland Play, School, Kalimandir, Bandlaguda Jagir, R.R.Dist., TG. my incorrect name RUBINA FAROOQUI & Correct name is RUBINA BEGUM affidavit dated 19-05-2025

I, Aneta Pal is legally wedded spouse of 15486723W Kank Dfr Name Suresh Pal presently residing at Vill - Sadibhadi, PO - Aunrimar, Teh - Saidpur, Dist - Ghazipur (Uttar Pradesh) have changed my name from: Aneeta Pal to: Anita Pal

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. WAT-TRS-OT-04-2025-26

कार्यस्थल के साथ कार्य का नाम : इलेक्ट्रिक लोको शेड (ELS)/विशाखापट्टनम में 26 महीने की अवधि के लिए अग्निशामक यंत्रों (CO2 और DCPT) का रखरखाव।

निविदा मूल्य (₹): 12,19,107.33, EMD (₹): 24,400.00, निविदा फॉर्म की लागत (₹): 2,360.00, कार्य पूरा होने की अवधि: 26 महिने।

निविदा बंद होने की अंतिम तिथि व समय : दिनांक : 06.06.2025 को 1500 बजे ।

इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है। इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा। ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट http://www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRS)/ विशाखापट्टनम

PR-139/Q/25-26

वार-पलटवार : सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने डिप्टी सीएम को बताया बाहरी

> बोले-संकट में हम आपके साथ खड़े हैं

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को डीएनए के मुद्दे पर वार-पलटवार के बीच सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपना बयान जारी किया है। उन्होंने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को भाजपा में बाहरी बताया है। चलो हम सब पीडीए मिलकर सकारात्मक राजनीति के मार्ग पर आगे बढ़कर संकल्प उठाएं कि अपनी पीडीए सरकार बनाएंगे, सामाजिक न्याय का राज लाएंगे।

जो लोग अपने दलों में पूछे नहीं जाते हैं, अपने मंत्रालय को नाकामी का तमगा पहनाते हैं, निरर्थक बातों में, चाटुकारिता में अपना दिन और समय बिताते हैं, उनसे पुनः आग्रह है कि कुछ सार्थक भूमिका निभाइए और जिस समाज का आप सामाजिक प्रतिनिधित्व करते हैं, (अगर वो समाज आपको एक प्रतिशत भी अपना मानता है तो) उप्र भाजपा सरकार के राज में उस समाज पर कितना अत्याचार और अन्याय हो रहा है, उस पर यदि बोलकर कुछ कहने का साहस नहीं है तो कम से कम इशारे से ही कुछ कह दीजिए।

परिपक्व बनिए, सौम्य, शिष्टाचारी और मृदु भाषी भी। उन पर विश्वास मत कीजिए जो अपनों के सगे नहीं हैं, और वैसे भी आप तो मूल रूप से उनके हैं भी नहीं, बाहर से आकर; भाजपाइयों जैसा बोलकर, भाजपाइयों जैसा बनकर यहां घुलने-मिलने की कोशिश कर रहे हैं। अपना राजनीतिक शोषण मत होने दीजिए। अगर आपको इन पर कुछ ज़्यादा ही विश्वास है तो उनके बारे में एक बार ज़रूर सोच लीजिए, जो आज से पहले अपने को भाजपा में महत्वपूर्ण समझते थे और जो मूल रूप से भाजपाई थे, आप की तरह बाहरी भी नहीं थे। आज हैं वो वहां, कल आप होंगे जहां।

आशा है आप अपने दल में 'राजनीतिक स्वास्थ्य' को सुधारने का काम करेंगे। अगर कभी संकट में हों तो हम आपके साथ खड़े रहेंगे। हम जानते हैं वो समय दूर भी नहीं है क्योंकि न तो आप, न ही आपका समाज आज के सत्ताधीश को "भाता है या लुभाता है"। आपका समाज उनकी निगाह में दोयम क्या, कभी तियम भी न था और न होगा। आप तो अपनी चहारदीवारी बचाइए और नैतिक बुनियाद भी, वो बचेगी तो आप भी बचे रहेंगे। इस कड़ी का अंतिम पत्र क्योंकि हमें तो जनहित के लिए काम पर निकलना है। बता दें कि इसके पहले भी इस विवाद में अखिलेश यादव और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक कई टिप्पणी कर चुके हैं और विवाद बढ़ता गया।

दो दिन तक आंधी-बारिश का अलर्ट, गर्मी से मिलेगी राहत

मेरठ, 19 मई (एजेंसियां)। आज सुबह से ही मेरठ और आसपास के क्षेत्रों में मौसम बदला-बदला नजर आ रहा है। आसमान पर हल्के बादलों की चादर है, जो कभी धूप तो कभी छांव का एहसास दे रही है। हालांकि गर्म हवाओं के कारण गर्मी अभी भी बनी हुई है, जिससे लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि सोमवार और मंगलवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में हल्की बारिश और तेज आंधी की संभावना है। कहीं-कहीं पर आंधी की रफ्तार तेज हो सकती है, जबकि कुछ स्थानों पर धीमी रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही के अनुसार, आगामी दो दिनों तक मौसम का असर मिला-जुला रहेगा। तेज हवा के साथ धूलभरी आंधी चलने की संभावना है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो सकता है।

यूपी में एक और सौरभ हत्याकांड

प्रेमी भतीजे संग महिला ने किया पति का कत्ल कॉल डिटेल से खुला चौंकाने वाले राज

कानपुर, 19 मई (एजेंसियां)। कानपुर के साढ़ के लक्ष्मणखेड़ा गांव में 11 मई को घर के पीछे चारपाई पर मिले धीरेंद्र पासी की हत्या गांव में उसकी पत्नी रीना ने प्रेमी भतीजे सतीश (सगे जेठ के लड़के) के साथ मिलकर की थी। पति को दोनों के प्रेम संबंधों का पता चल गया था। वह घर में सीसीटीवी कैमरा लगवाना चाह रहा था। इसी डर के चलते पत्नी ने पति को खाने में नींद की गोलियां मिलाकर खिलाई। उसके बेसुध होने के बाद प्रेमी को घर बुलाया और आधी रात को लकड़ी के गुटके से सिर पर ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी।

साढ़ पुलिस ने रविवार को दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एडीसीपी महेश कुमार ने बताया घटना के दिन ही हत्यारे के घर के करीबी होने की आशंका थी। धीरेंद्र की पत्नी रीना की कॉल डिटेल से चौंकाने वाले राज निकलकर सामने आए। रानी और उसके प्रेमी सतीश के बीच एक-एक दिन में 60 से 100 कॉल होने की डिटेल पुलिस को मिली। पूछताछ में दोनों के प्रेम संबंधों का खुलासा हो गया। पूछताछ में पता चला कि सतीश ने अपनी आईडी से दो सिम खरीदे। एक रीना को दिया और एक अपने पास रखा। घटना की रात दोनों एक दूसरे के संपर्क में थे।

रीना को लगी कैमरे की भनक

पुलिस की जांच में सामने आया कि धीरेंद्र पासी घर में सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए गेहूं बेचकर बीस हजार रुपये भी इकट्ठा कर लिए थे। कैमरे की भनक पर रीना ने उसकी सब्जी में नींद की गोलियां मिलाकर खिला दी। फिर गर्मी होने की बात कह चारपाई घर के पीछे खुले में डाल दी। वहीं पति से बातें करती रही। धीरेंद्र गहरी नींद में सो गया, जबकि सास चंद्रावती और मासूम बेटे ओनल को कमरे के अंदर कूलर में सुला दिया था। फिर सतीश को घर बुलाकर बाथरूम के ऊपर रखे लकड़ी के गुटके से सिर में ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया।

लकड़ी के टुकड़े को धोने से फैला था पानी

पुलिस को सतीश ने बताया कि हत्या के बाद लकड़ी के गुटके को धोने के लिए बाथरूम में ले जाने से आंगन और कमरे में खून फैलता चला गया। उसने रीना के साथ मिलकर आंगन व कमरे की धुलाई की। कपड़े धुलने के बाद दोनों ने रात में ही बाथरूम में नहाया। फिर वह घर के बाहर बने बगीचे में जाकर सो गया। जब सब लोग शव को देख रहे थे। उसने बेहोश होने का नाटक किया था ताकि कोई उसपर शक न करे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई के परिजन, मिला न्याय का आश्वासन

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। पत्रकार राघवेन्द्र बाजपेई के परिजनों ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनकी बातों को सुना और न्याय का आश्वासन दिया। बता दें कि पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की 8 मार्च को गोली मारकर हेमपुर ओवरब्रिज पर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस एक पुजारी व दो अन्य को जेल भेज चुकी है। परिजन लगातार सही ढंग से जांच की बात कह रहे हैं। इसके साथ आर्थिक सहायता व सरकारी नौकरी की भी मांग कर रहे हैं।

मुरादाबाद में 1.5 करोड़ के पुराने नोट पकड़े

मुरादाबाद, 19 मई (एजेंसियां)। मुरादाबाद में बंद हो चुके 500 और 1000 रुपए के पुराने नोट पकड़े गए हैं। पुलिस ने डेढ़ करोड़ रुपए के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी नोटों की खेप दो बोरी में भरकर कार से जा रहे थे। पुलिस ने चेकिंग के लिए कार रोकी तो मामला पकड़ में आया। इस खेल में एक पुलिस वाला भी पकड़ा गया है। मामला मुरादाबाद के डिलारी थाना क्षेत्र का है। पुलिस का कहना है कि रियाज, विक्की गौतम और यासीन को गिरफ्तार किया है। तीन अन्य आरोपी यूसुफ, सत्तार और फैसल मौके से भाग निकले। रियाज दोनों पैरों से दिव्यांग है। पुलिस ने उसे टांगकर मीडिया के सामने लाई।

सीएम नीतीश ने 315 प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों को दिया नियुक्ति पत्र, भोजपुरवासियों को दी बड़ी सौगात

पटना, 19 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मीठापुर स्थित कृषि भवन में 315 नवनियुक्त प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। साथ ही कृषि विभाग की कई योजनाओं का शिलान्यास, लोकार्पण और शुभारंभ किया। वहीं चौथे कृषि रोड मैप के तहत कृषि को लाभकारी बनाने हेतु राज्य में बागवानी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।

इन योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से बिहार लोक सेवा आयोग से अनुशंसित 315 प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों की नियुक्ति कृषि विभाग के द्वारा की गयी है। मुख्यमंत्री कृषि भवन की छत पर भी गए और वहां से पूरे परिसर को देखा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छत पर सोलर प्लेट लगाएं जिससे सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा और कृषि भवन की जरूरतें पूरी होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि हमलोग शुरू से किसानों के हित में काम कर रहे हैं। चार कृषि रोड मैप बनाए गए हैं जिससे फसलों की उत्पादन और उत्पादकता बढ़ी है। कृषि क्षेत्र के विकास के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। हमलोगों का उद्देश्य है कि कृषि के क्षेत्र में भी राज्य की तरक्की हो और किसान समृद्ध बने। कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने और किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

प्रत्येक वर्ष 60 छात्रों का नामांकन किया जायेगा

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 144.72 करोड़ रुपये की लागत से रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, आरा (भोजपुर) के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। तृतीय कृषि रोड मैप (2017-22) के तहत कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान को सुदृढ़ करने हेतु आरा (भोजपुर) में कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय की स्थापना की गयी है। वर्ष 2021-22 से इसका संचालन कृषि महाविद्यालय, बक्सर के परिसर में किया जा रहा है।

इसके लिए भोजपुर जिला में 16 एकड़ जमीन चिन्हित कर कुल 144.72 करोड़ रूपये की लागत से भवन निर्माण विभाग के द्वारा भवन का निर्माण किया जायेगा। इसमें प्रशासनिक भवन, क्लास रूम, पुस्तकालय, छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास, कृषि यंत्रों के लिए कार्यशाला एवं आवासीय परिसर का प्रावधान किया गया है। इस महाविद्यालय में बीटेक (एग्री इजीनियरिंग) में प्रत्येक वर्ष 60 छात्रों का नामांकन किया जायेगा।

पैसों की खातिर बेटे ने की पिता की हत्या

नालंदा, 19 मई (एजेंसियां)। नालंदा जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक बेटे ने पैसे के लिए अपने ही पिता की जान ले ली। यह वारदात गिरियक थाना क्षेत्र के पहलौआ गांव की है। मृतक की पहचान 50 वर्षीय सिद्धेश्वर पंडित के रूप में हुई है, जबकि हत्या का आरोप उनके बड़े बेटे दिवाकर पंडित पर लगा है। इस पारिवारिक त्रासदी ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है।

पैसों के लिए अक्सर करता था मारपीट

परिजनों के मुताबिक, दिवाकर पंडित आए दिन पैसों को लेकर अपने माता-पिता के साथ झगड़ा और मारपीट करता था। रविवार को भी इसी तरह के विवाद के बाद उसने अपने पिता के साथ मारपीट की, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद दिवाकर खुद उन्हें इलाज के लिए पावापुरी मेडिकल कॉलेज ले गया, लेकिन देर रात इलाज के दौरान सिद्धेश्वर पंडित की मौत हो गई।

चोरी-छिपे दाह संस्कार की तैयारी कर रहा था बेटा, आ गई पुलिस

पिता की मौत के बाद दिवाकर चुपचाप अंतिम संस्कार की तैयारी में लग गया। लेकिन गांव के लोगों को जब इस घटना की भनक लगी, तो उन्होंने तुरंत परिवार के अन्य सदस्यों और पुलिस को इसकी सूचना दे दी। सूचना मिलते ही गिरियक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दिवाकर पंडित को गिरफ्तार कर लिया। फिर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया। सिर्फ पिता ही नहीं, दिवाकर पंडित की हिंसक प्रवृत्ति पहले भी सामने आ चुकी है। वर्ष 2021 में उसने अपनी मां के साथ भी गंभीर मारपीट की थी, जिससे उन्हें सिर पर गहरी चोट लगी थी और मानसिक स्थिति अस्थिर हो गई थी।

मंत्री असीम अरुण ने पकड़ा 5 लाख का घोटाला

समाज कल्याण अधिकारी व अधीक्षक निलंबित

बाराबंकी, 19 मई (एजेंसियां)। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण रविवार को बाराबंकी के रामनगर पीजी कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कॉलेज परिसर में स्थित समाज कल्याण विभाग के छात्रावास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 5 लाख रुपये की सरकारी धनराशि से किए गए रंग-रोगन और रखरखाव कार्य में घोटाला सामने आया। अनियमितता पाते ही मंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए समाज कल्याण अधिकारी और छात्रावास अधीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही मामले की जांच डिप्टी डायरेक्टर, समाज कल्याण विभाग अयोध्या को सौंपी गई है।

मंत्री असीम अरुण ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जब खर्च का विवरण मांगा गया तो जिम्मेदार अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। 5 लाख रुपये की धनराशि कहां खर्च हुई, इसका ठोस प्रमाण भी प्रस्तुत नहीं किया जा सका। अधिकारी केवल बिजली के तार और मामूली काम दिखाते रहे, जिससे घोटाले की पुष्टि होती है। पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार छात्रावासों के कायाकल्प के लिए भरपूर धनराशि दे रही है ताकि छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। लेकिन यदि कोई अधिकारी इस सरकारी धन का दुरुपयोग करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने यह भी बताया कि छात्रावासों के लिए आगामी दिनों में 10 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि दी जाएगी, लेकिन पूर्व में दी गई राशि की रिकवरी भी सुनिश्चित की जाए।

हादसे में दो लोगों की मौत से ग्रामीणों में आक्रोश

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने सोमवार को किसान पथ के सर्विस लेन पर हंगामा शुरू कर दिया। कई गांव के लोगों के एकत्र होने से यहां जाम की स्थिति बन गई। लोगों ने चालक की गिरफ्तारी की मांग की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझाकर शांत किया। दरअसल, रविवार की रात हादसा अयोध्या रोड स्थित जायका रेस्टोरेंट के सामने हुआ। यहां तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से दो लोगों की जान चली गई। इनकी पहचान बहराइच के रिसिया मोड़ निवासी ठेकेदार रामानंद (42) और बाराबंकी निवासी दिनेश (32) के रूप हुई। क्षेत्र में लगातार हो रहे सड़क हादसों से निवाजपुरवा, देरापुरवा, मोजामपुरवा, गोरखपुरवा गांव के लोगों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने किसान पथ के सर्विस लेन पर भारी वाहनों के आने पर रोक लगाने की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने आरोपी चालक की गिरफ्तारी की भी मांग की। प्रदर्शन कर रहे जुग्गौर निवासी अमित यादव ने बताया कि हादसे में क्षेत्र के रहने वाले दो लोगों की मौत हो गई है।

बच्ची को जिंदा दफनाने की कोशिश : शाहजहांपुर में दो महिलाओं ने नवजात को गड्ढे में डाला, फिर किया खौफनाक काम

शाहजहांपुर, 19 मई (एजेंसियां)। शाहजहांपुर में नगर निगम के निर्माणाधीन कार्यालय के पास दो महिलाओं ने जिंदा नवजात बच्ची को गड्ढे में रखा और उस पर मिट्टी डालकर चली गईं। आसपास काम कर रहे मजदूर मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने बच्ची को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। कॉलेज के प्राचार्य ने बताया कि अब बच्ची की स्थिति ठीक है। जब उसे लाया गया था, तब उसे सांस लेने में तकलीफ थी।

नगर निगम के निर्माणाधीन कार्यालय के पास सोमवार दोपहर करीब 12 बजे दो महिलाएं झोले में बच्ची को लेकर पहुंचीं थीं। उन्होंने बच्ची को पास में बने एक गड्ढे में रख दिया और उसके ऊपर मिट्टी-ईंट डाल दी। बच्ची के रोने की आवाज पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। बच्ची को देखकर उन लोगों ने उसे बाहर निकाला। इसके बाद 112 नंबर पर फोन करके पुलिस को सूचना दी।

पुलिस मौके पर पहुंची और आननफानन बच्ची को राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि बच्ची का ओंठ कटा हुआ है। शुरुआत में उसको सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। इलाज के बाद अब उसकी स्थिति ठीक है। वहीं, पुलिस बच्ची को जिंदा दफनाने का प्रयास करने वाली महिलाओं का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

आईएसआई जासूसी केस : शहजाद की गिरफ्तारी से मोहल्ले में सन्नाटा

> पत्नी बोली-दो बार पाकिस्तान गया शौहर

टांडा/रामपुर, 19 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आईएसआई) के लिए जासूसी करने के आरोप में रामपुर निवासी शहजाद की गिरफ्तारी के बाद इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है। मोहल्ले के लोग हैरान हैं कि जिस शहजाद को वह वर्षों से शांत स्वभाव का समझते थे वह जासूसी जैसे गंभीर आरोप में गिरफ्तार हो सकता है। लोगों ने बताया कि पहले शहजाद गाड़ी चलाता था और कंबल बेचने का भी काम करता था। पिछले कुछ वर्षों से वह पाकिस्तान से लेडीज सूट और कपड़ा मंगाकर स्थानीय स्तर पर बेचने लगा था। शहजाद की पत्नी राजिया ने बताया कि उनका पति दो बार पाकिस्तान गए थे लेकिन उनका मकसद सिर्फ कारोबार था। वह पाकिस्तान से कपड़े और सूट मंगाकर बेचा करता था। उन्होंने आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि अगर हम पाकिस्तान से पैसा कमा रहे होते, तो दस साल में घर बनाने में इतनी मुश्किलें क्यों आतीं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने शहजाद के घर पहुंचकर तलाशी ली और परिवार से पूछताछ की।

पूरे मोहल्ले में इस घटना को लेकर लोग सन्न हैं और कोई भी खुलकर कुछ कहने से बच रहा है। पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है कि शहजाद के पाकिस्तान से संबंध किस हद तक थे और क्या वह सच में आईएसआई के लिए जासूसी कर रहा था।

इस तरह आया पकड़ा में

एटीएस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर जासूसी करने वाले रामपुर निवासी शहजाद को रविवार को गिरफ्तार कर लिया था। वह आईएसआई के कई हैंडलर्स के संपर्क में था और गोपनीय सूचनाएं भेज रहा था। हैंडलर्स के इशारे पर आईएसआई के कई एजेंट्स को पैसा भी पहुंचाता था। वह जासूसी के लिए कुछ लोगों को पाकिस्तान भी भेज चुका है। एटीएस को खुफिया सूचना मिली थी कि रामपुर निवासी एक युवक भारत-पाकिस्तान की सीमा पर तस्करी का कार्य करता है। उसे आईएसआई का संरक्षण मिला है। वह आईएसआई के लिए जासूसी करने की देश विरोधी गतिविधियों में शामिल है। गहनता से जांच करने पर पता चला कि रामपुर के टांडा स्थित आजाद नगर का रहने वाला शहजाद बीते कई वर्षों से पाकिस्तान जाता-आता है। वह चोरी छिपे भारत व पाकिस्तान के बीच कॉस्मेटिक्स, कपड़े, मसाले व अन्य सामान अवैध रूप से सीमा पार से लेकर आता है। इसकी आड़ में आईएसआई के लिए काम करता है। वह आईएसआई के एजेंट्स से लगातार संपर्क में है और देश की सुरक्षा से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं साझा की हैं। तत्पश्चात एटीएस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और मुरादाबाद से उसे दबोच लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह रामपुर के साथ प्रदेश के कई अन्य स्थानों से भी लोगों को तस्करी की आड़ में आईएसआई के लिए काम करने के उद्देश्य से पाकिस्तान भेजता था। उनके वीजा आदि का इंतजाम आईएसआई के एजेंट कराते थे। शहजाद ने भारत के खिलाफ जासूसी के लिए आईएसआई को भारतीय सिम भी उपलब्ध करवाए थे।

शराबी चिकित्सकों की लापरवाही से मां-बेटे की मौत

बागपत, 19 मई (एजेंसियां)। जिले से एक बेहद गंभीर और हृदयविदारक मामला सामने आया है, जहां जिला अस्पताल में तैनात चिकित्सकों की कथित लापरवाही के चलते सड़क दुर्घटना में घायल एक महिला और उसके बेटे की मौत हो गई। आरोप है कि चिकित्सक उस समय शराब के नशे में थे और उन्होंने समय रहते इलाज नहीं किया। घटना के बाद मृतकों के परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने पोस्टमार्टम हाउस पर जमकर हंगामा किया और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, यह मामला छपरौली थाना क्षेत्र के हलालपुर गांव का है। गांव निवासी तेलूराम, अपनी बेटी अंजू और नाती देव के साथ किसी परिजन की तेहरवीं में शामिल होकर वापस लौट रहे थे।

'ससुरालवालों ने वसूले 25 लाख रुपये'

वीडियो में आपबीती बताकर रोया युवक और फिर कर ली आत्महत्या

शाहजहांपुर, 19 मई (एजेंसियां)। शाहजहांपुर में पत्नी के आत्महत्या करने के बाद ससुराल के लोगों ने दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज करा दिया। केस वापस लेने के नाम पर ससुराल के लोगों ने लाखों रुपये वसूल लिए। डिमांड खत्म न होने से परेशान युवक ने फंदे से लटककर जान दे दी। मरने से पहले युवक ने फेसबुक पर एक वीडियो भी अपलोड किया, जिसमें उसने अपने ससुरालवाों पर आरोप लगाए और अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है।

अल्हागंज थाना क्षेत्र के मोहल्ला बगिया निवासी 28 वर्षीय सुधीर राठौर ने घर पर अकेला रहता था। 2019 में उसकी शादी हुई थी। दस फरवरी 2023 को पत्नी ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली थी। रविवार रात करीब आठ बजे सुधीर राठौर ने फेसबुक पर एक वीडियो अपलोड किया। इसमें सुधीर कह रहा है कि वह अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रहा है। उसकी पत्नी की मौत के बाद ससुराल वालों ने उसके खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज करा दी थी।

25 लाख रुपये वसूल चुके हैं ससुरालवाले

सुधीर के मुताबिक केस वापस लेने और राजीनामे के नाम पर उसकी सास, साले, साढ़ू आदि उससे 25 लाख रुपये ले चुके हैं। अब भी 15 लाख रुपये मांग रहे हैं। केस के गवाह भी रुपये मांग रहे हैं। इस वजह से वह बहुत अवसाद में है, जिसके चलते वह अपनी जान दे रहा है। उसकी मौत के जिम्मेदार उसके ससुराल वाले हैं। इतना कहकर वह रो पड़ा। सुधीर राठौर की तीन वर्ष की बेटी शिवांशी परिवार के साथ रहती है। उसकी मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि फरवरी 2023 में युवक पर दहेज हत्या का मामला दर्ज हुआ था, जिसमें वह जेल भी जा चुका था। आत्महत्या और वीडियो के संबंध में जांच कर आगे कार्रवाई की जाएगी।

गौरव गोगोई आईएसआई के बुलावे पर पाकिस्तान गए : सरमा

वहां ट्रेनिंग लेकर राफेल-परमाणु पर सवाल किए; कांग्रेस सांसद बोले-मुख्यमंत्री की टिप्पणी बकवास

"असम CM के तौर पर पूरे अधिकार और जिम्मेदारी के साथ दोहराता हूं कि गौरव गोगोई ने पाकिस्तान सरकार के निमंत्रण पर वहां का दौरा किया। वहां कई दिन बिताए और ट्रेनिंग ली।

हिमंत बिस्वा सरमा
असम CM

गुवाहाटी, 19 मई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान का दौरा किया था। उन्होंने वहां की सरकार के साथ मिलकर काम भी किया। सरमा ने कहा- गौरव गोगोई पाकिस्तान सरकार के सीधे निमंत्रण पर वहां गए थे और यह खतरनाक था। वह पाकिस्तान की सत्ता के साथ मिलकर काम कर रहे थे। गृह विभाग कब निमंत्रण भेजता है? यह केवल ट्रेनिंग देने के लिए होता है। अन्यथा आईएसआई उसे क्यों आमंत्रित करती। उन्होंने कहा- अगर यह जासूसी नहीं है, तो क्या है? गोगोई भारत सरकार को बताए बिना वहां गए। वापस आकर राफेल का विरोध किया। संसद में तटीय मार्ग में सुरक्षा व्यवस्था के बारे में सवाल पूछे, जहां भारत ने अपने परमाणु हथियार रखे हैं। आपके लिए ये सवाल किसने लिखे थे? वहीं, असम सीएम के आरोपों को गोगोई ने बकवास बताया है।

उन्होंने एक्स पर कोई पोस्ट कीं, जिसमें कहा- असम आने के बाद से मैं सीएम सरमा के रडार पर हूं, ऐसा क्यूं है ये वो ही जानते हैं। पिछले 13 साल में उन्होंने मुझपर कई निराधार टिप्पणियां की। उनकी हालिया टिप्पणी पागलपन और बेतुकी है। असम सीएम और भाजपा कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई और उनकी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के आईएसआई से संबंधों होने का दावा कर रहे हैं। सरमा ने दावा किया था कि गोगोई की पत्नी ने भारत और पाकिस्तान के बीच 19 बार यात्रा की थी।

गोगोई की पत्नी भारत में रहते हुए पाकिस्तान स्थित एक एनजीओ से वेतन लेती हैं। मुख्यमंत्री जिस स्क्रिप्ट पर चल रहे हैं, वह बी ग्रेड फिल्म से भी खराब है। कहा जाता है कि एक झूठ को छिपाने के लिए व्यक्ति को अनगिनत झूठ बोलने पड़ते हैं। मुख्यमंत्री बिल्कुल यही कर रहे हैं। वे कोई तथ्य नहीं दे रहे हैं और केवल आईटी सेल ट्रोल की तरह व्यवहार कर रहे हैं। एक मुख्यमंत्री को ट्रोल नहीं होना चाहिए। अगर उनके पास आरोप का समर्थन करने वाला कोई सबूत है तो सार्वजनिक करें। यह नाटक बहुत लंबे समय तक छिपाया नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री जो कह रहे हैं उसका 99% हिस्सा बकवास है। उन्हें सबूतों को सार्वजनिक करना चाहिए और सितंबर की काल्पनिक समयसीमा के पीछे छिपना बंद करना चाहिए। मुझे शक है कि सितंबर में भी मुख्यमंत्री कोई ठोस तथ्य सामने रख पाएंगे। मुझे याद है कि असम में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान उन्होंने राहुल गांधी के कथित 'बॉडी डबल' को लेकर कैसे हंगामा किया था। मुख्यमंत्री मेरे सामने असुरक्षित रह सकते हैं, जैसा कि वे पिछले 13 सालों से हैं। कांग्रेस पार्टी के लिए हम राज्य की खराब आर्थिक स्थिति और राजनीतिक संरक्षण में चल रहे कोयला-ड्रग माफिया पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

कोयला घोटाला से शुरू हुई बहस व्यक्तिगत आरोपों तक पहुंची

दरअसल, सीएम हिमंता और गोगाई के बीच व्यक्तिगत विवाद की शुरुआत असम में अवैध कोयला खनन की जांच को लेकर हुई। गौरव गोगोई ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने असम के अवैध कोयला साम्राज्य का पर्दाफाश किया है। दावा किया कि ईडी ने 1.58 करोड़ रुपए नकद बरामद हुए और फर्जी बिलिंग हो रही है।

असम में रोजाना 1200 टन अवैध कोयला निकाला जा रहा है। यह सब मुख्यमंत्री की नाक के नीचे हो रहा है, जो अवैध खनन से इनकार करते रहे हैं। हिमंत ने आरोपों का जवाब देते हुए कहा - एक तरफ राहुल गांधी और उनका खेमा लगातार ईडी को बदनाम कर रहा है, उसे पॉलिटिकल टूल बता रहा है। दूसरी तरफ, उनका अपना डिप्टी लीडर उसी एजेंसी की तारीफ कर रहा है।

"मुझे असम CM के स्वास्थ्य की चिंता है, जब घर में कुछ परेशानी होती है, तो इसका असर व्यक्ति की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। हम तय करेंगे कि 2026 के बाद उन्हें कुछ आराम मिले।

गौरव गोगई
कांग्रेस सांसद

'आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में स्थानीय राजनीति आड़े नहीं आनी चाहिए'

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने अपने ही गठबंधन के नेता संजय राउत को लताड़ लगाई है। उन्होंने शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत को सलाह दी कि जब भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है, तो उसके बीच स्थानीय राजनीति को नहीं लाया जाना चाहिए। गौरतलब है कि संजय राउत ने एक दिन पहले ही केंद्र सराकर द्वारा सांसदों का सर्वदलीय दल विभिन्न देशों को भेजने की आलोचना की थी और इंडी गठबंधन की पार्टियों से केंद्र सरकार के इस कदम का बहिष्कार करने की अपील की गई थी।

शरद पवार की संजय राउत को सलाह

महाराष्ट्र के बारामती में मीडिया से बात करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'जब अंतरराष्ट्रीय मुद्दे आते हैं तो पार्टी स्तर की राजनीति को पीछे छोड़ देना चाहिए। आज केंद्र सरकार ने कुछ प्रतिनिधिमंडल का गठन किया है और उन्हें विदेशों में जाकर पहलगाम आतंकी हमले और पाकिस्तान की गतिविधियों पर भारत का पक्ष रखने की जिम्मेदारी दी गई है।' पवार ने याद करते हुए कहा कि वह भी पूर्व पीएम पीवी नरसिम्हा राव द्वारा गठित एक दल के साथ संयुक्त राष्ट्र गए थे, जिसका नेतृत्व पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था।

संजय राउत ने क्या कहा था

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने रविवार को अपने एक बयान में कहा था कि विपक्षी इंडी गठबंधन में शामिल दलों को आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता दर्शाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न देशों में भेजे जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का बहिष्कार करना चाहिए था। राउत ने आरोप लगाया कि यह प्रतिनिधिमंडल सरकार द्वारा किए गए 'पापों और अपराधों' का बचाव करेगा। उन्होंने कहा, 'ऐसे प्रतिनिधिमंडल को भेजने की कोई आवश्यकता नहीं थी, वह भी सरकार के खर्चे पर। ये वहां करेंगे क्या? हमारे पास विदेशों में राजदूत हैं, वे अपना काम कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन को इसका बहिष्कार करना चाहिए था। वे सरकार द्वारा बिछाए गए जाल में फंस रहे हैं। आप देश का नहीं, सरकार द्वारा किए गए पापों का बचाव करने जा रहे हैं।' राउत के बयान पर पवार ने कहा कि 'उन्होंने अपने विचार रखे, लेकिन मैं देख रहा हूं कि उनकी पार्टी के भी एक सदस्य प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। मुझे लगता है कि इस मामले में स्थानीय राजनीति से दूर रखना चाहिए।'

केंद्र सरकार के इस प्रयास के तहत 51 राजनीतिक नेता, सांसद और पूर्व मंत्री सात प्रतिनिधिमंडलों में शामिल होकर 32 देशों और यूरोपीय संघ मुख्यालय (ब्रसेल्स) की यात्रा करेंगे ताकि वैश्विक मंच पर भारत की आतंकवाद के खिलाफ नीति पर अपना पक्ष रखा जा सके। इन सात प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व बैजयंत पांडा, रविशंकर प्रसाद (दोनों बीजेपी), संजय कुमार झा (जेडीयू), श्रीकांत शिंदे (शिवसेना), शशि थरूर (कांग्रेस), कनिमोझी (डीएमके) और सुप्रिया सुले (एनसीपी-एसपी) कर रहे हैं। इनमें 31 नेता एनडीए से और 20 गैर-एनडीए दलों से हैं।

दिल्ली के गैंग से जुड़े हैं बांग्लादेशियों के तार

> भारत लाने वालों की तलाश में जुटी पुलिस

देहरादून, 19 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेशियों को देहरादून में बसाने में दिल्ली के एक गैंग का हाथ माना जा रहा है। यह गैंग बांग्लादेशियों को बंगाल से बिहार और फिर दिल्ली लाता है। इसके बाद इन लोगों को देश के विभिन्न हिस्सों में फर्जी आधार कार्ड बनवाकर मजदूरी आदि के काम में लगाया जाता है।

जो बांग्लादेशी देहरादून में पकड़े गए उनमें भी दिल्ली के आलम खान नाम के ठेकेदार का हाथ है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। उधर, सभी पांच बांग्लादेशी और उनकी साथी भारतीय महिला पूजा रानी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया है। जल्द ही उन्हें देश से बाहर भेजने की प्रक्रिया भी अमल में लाई जाएगी।

मौजूदा समय में शहर और देहात क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। इसी बीच एसएसपी अजय सिंह को गोपनीय सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग क्लेमेंटटाउन इलाके में रह रहे हैं। इस पर पुलिस और एलआईयू की टीम ने सत्यापन किया तो इनमें पांच बांग्लादेशी नागरिक पाए गए। ये सभी एक भारतीय महिला पूजा रानी के साथ रह रहे थे। इनमें से मुनीर चंद्र राय देहरादून में तीन बार आ चुका है।

पुलिस अब दो आरोपियों की तलाश कर रही

वह हर्रावाला के कैंसर अस्पताल के निर्माण कार्य में भी मजदूरी कर चुका है। पुलिस अब दो आरोपियों आलम खान और उसके साथी की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक आलम खान दिल्ली का रहने वाला है। वह विभिन्न कंस्ट्रक्शन साइट के लिए मजदूरों की व्यवस्था करता है। उसी के संपर्क में बंगाल और बिहार के भी कुछ लोग हैं। ये सभी लोग बांग्लादेश से गैर कानूनी तरीके से आए लोगों को भी देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाते हैं। ज्यादातर सभी के आधार कार्ड बिहार के विभिन्न पतों के होते हैं। बताया जा रहा है कि दिल्ली के इस गैंग के गुर्गे बिहार के बंगाल बॉर्डर के जिलों में भी रह रहे हैं। ये लोग ही फर्जी आधार कार्ड आदि बनवाने का काम करते हैं। दिल्ली में भी इसी गैंग के लोगों ने बांग्लादेशी नागरिकों को बसाने का काम किया है। लगातार खुफिया एजेंसियां भी इस मामले में जांच करती हैं, लेकिन चोरी छिपे देश के हर हिस्से में यह गैंग काम कर रहा है।

बजरंग दल के नेता की पिटाई मामले में 3 गिरफ्तार

गुरुग्राम, 19 मई (एजेंसियां)। गुरुग्राम में राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष आशीष शर्मा के कार्यालय में घुसकर उन पर जानलेवा हमला करने के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान रिठौज गांव के नवीन, मोनू उर्फ मनोज और मूल रूप से अलीगढ़ के रहने वाले नरेश के रूप में हुई है। नरेश वर्तमान में भौंडसी में रहता है।

आरोपियों से पुलिस पूछताछ में पता चला कि आशीष शर्मा व आरोपियों के बीच गायों का रेस्क्यू करने की बात को लेकर कहासुनी हुई थी, जिस बात को लेकर आरोपियों ने आशीष पर हमला कर दिया था।

राघव चड्ढा को मिला एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस का न्योता

सुनक-पोंपियो जैसे विश्व के बड़े नेताओं संग पब्लिक पॉलिसी पर करेंगे बात

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में आयोजित होने जा रहे एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस (एएलसी) 2025 में बतौर मुख्य वक्ता आमंत्रित किया गया है। यह सम्मेलन 21-22 मई 2025 को आयोजित होगा और इसे एशिया का 'दावोस' भी कहा जाता है। जहां वे अपनी शानदार नीतिगत समझ, युवा जोश और गवर्नेंस में इनोवेशन के साथ-साथ भारत की ताकत और विजन को दुनिया के सामने रखेंगे। इस विश्व-प्रसिद्ध एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में दुनिया के तमाम बड़े लीडर शिरकत करते हैं, जो एशिया की सबसे बड़ी चुनौतियों और उनके समाधानों पर बात करते हैं।

चोसुन मीडिया और सेंटर फॉर एशिया लीडरशिप के सहयोग से आयोजित एशिया का सबसे बड़े मंच प्रतिष्ठित एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में राजनीति, बिजनेस, शिक्षा और समाज से जुड़े 320 से ज्यादा ग्लोबल लीडर्स और 2,500 से ज्यादा लोग एकत्र होंगे। इस कॉन्फ्रेंस की अहमयित का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इससे पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और जॉर्ज डब्ल्यू बुश, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और डेविड कैमरन, नेटफ्लिक्स के सीईओ रीड हेस्टिंग्स और ब्लैकस्टोन के सीईओ स्टीव श्वार्जमैन जैसे लोग इस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर चुके हैं।

वहीं इस बार सांसद राघव चड्ढा ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, एशिया फाउंडेशन की प्रेसिडेंट लॉरेल ई. मिलर, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट, मिलकेन इंस्टीट्यूट की वाइस प्रेसिडेंट लॉरा लेसी, अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पोंपियो, रैंड के इकनॉमिक स्ट्रैटेजी यूनिट के डायरेक्टर डैनियल एगेल, हार्वर्ड सेंटर फॉर पब्लिक लीडरशिप के फाउंडर डीन विलियम्स, और कनाडा इंटरनेशनल साइंटिफिक एक्सचेंज प्रोग्राम की डायरेक्टर शॉना नोवाक जैसे बड़े नेताओं के साथ मंच साझा करेंगे।

खास बात यह है कि इस बार एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस (एएलसी 2025) का थीम सबजेक्ट ₹राष्ट्रों का उदयः बड़ी तरक्की की राह₹ रखा गया है। जो दक्षिण कोरिया की आजादी की 80वीं सालगिरह और कोरियाई युद्ध की 75वीं सालगिरह के मौके पर आयोजित की जा रही है। इस बार इस इवेंट में हेल्थ, क्लाइमेट और जियोपॉलिटिकल कॉनफ्लिक्ट जैसे मुद्दों पर बात होगी, ताकि इनसे निपटने के तरीके खोजे जा सकें।

एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस 2025 में सांसद राघव चड्ढा इन प्रमुख विषयों पर अपने विचार विश्व पटल पर रखने जा रहे हैं। इसमें न्यू पॉलिटिकल लीडरशिपः एशिया में गवर्नेंस को बदलते युवा लीडर विषय पर वह बताएंगे कि कैसे 33 साल की उम्र में राघव चड्ढा राज्यसभा के सबसे युवा सांसद बने। कम उम्र में अपने राजनीतिक सफर और सफलताओं के अलावा गवर्नेंस पॉलिसी में अपनी समझ को लेकर वह अपने विचार दुनिया के साथ साझा करेंगे। वह बताएंगे कि कैसे युवा देश की राजनीति का हिस्सा बन सकते हैं और गवर्नमेंट सिस्टम को कैसे आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

हरियाणा में 3 महीने में 4100 लोग लापता

> एचएचआरसी ने लिया संज्ञान > प्रतिदिन 45 गायब, 1000 से ज्यादा अपहरण केस > 31 को होगी अगली सुनवाई

चंडीगढ़, 19 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में तीन महीने में 4100 से अधिक लोगों के मिसिंग होने के मामले सामने आए हैं। इन मामलों पर नाराजगी जाहिर करते हुए हरियाणा मानवाधिकार आयोग (एचएचआरसी) ने स्वतः संज्ञान लिया है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 4100 से अधिक लोग लापता हुए, यानी प्रतिदिन औसतन 45 से अधिक व्यक्ति गायब हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त 1000 से अधिक किडनैपिंग के मामले दर्ज हुए हैं।

साथ ही मर्डर और गैर इरादतन हत्या की घटनाओं में भी पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। ये आंकड़े सार्वजनिक सुरक्षा तंत्र के विफल होने की गंभीर स्थिति को दर्शाते हैं।

31 को फिर आयोग करेगा सुनवाई

हरियाणा मानव अधिकार आयोग के प्रोटोकाल, सूचना व जनसंपर्क अधिकारी डॉ पुनीत अरोड़ा ने बताया कि आयोग के समक्ष प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर यह स्थिति आयोग की त्वरित हस्तक्षेप और प्रशासनिक जांच की मांग करती है। जवाबदेही तय करने और मौलिक मानवाधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाना भी आवश्यक है।आयोग ने पुलिस महानिदेशक (जांच) हरियाणा पंचकूला से एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जो वर्ष 2021 से 2025 तक के गुमशुदा व्यक्तियों, अपहरण और हत्या के मामलों की वास्तविक स्थिति जांच की प्रगति और अधिकारियों द्वारा उठाए गए निवारक उपायों का विवरण आठ सप्ताह में प्रस्तुत करें। मामले में अगली सुनवाई 31 जुलाई को होगी।

मानवाधिकार उल्लंघन के मिल रहे संकेत

आयोग के अध्यक्ष रिटायर्ड जस्टिस ललित बत्रा, सदस्यों कुलदीप जैन व दीप भाटिया का मानना है कि प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट होता है कि यह स्थिति मौलिक मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन की ओर संकेत करती है। प्रभावी रोकथाम और जांच तंत्र की अनुपस्थिति राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों के तहत राज्य की

बेंगलुरु में 4 इंच बारिश-गाड़ियां डूबीं, घरों में पानी-दीवार गिरने से महिला की मौत

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। बेंगलुरु में रविवार को तेज बारिश हुई। यहां 110 मिमी. से ज्यादा बारिश होने से सड़कों और घरों में पानी भर गया। कई इलाकों में गाड़ियां डूब गईं और वाटर लॉगिंग वाले इलाकों से लोगों को रेस्क्यू करना पड़ा। बेंगलुरु के महादेवपुरा इलाके में दीवार गिरने से 35 साल की महिला की मौत हो गई है। रेस्क्यू टीम ने बताया- बीती रात की भारी बारिश के बाद दीवार की नींव कमजोर हो गई, जिससे हादसा हुआ। मौसम विभाग ने बेंगलुरु में आज और कल भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 50 से 60 केएमपीएच की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। बारिश का दौर इस हफ्ते के आखिर तक जारी रह सकता है। इधर, बिहार और कश्मीर में रविवार को आंधी और बिजली गिरने की वजह से 8 लोगों की मौत हो गई। बिहार में 5 की मौत बिजली गिरने और एक महिला की मौत पेड़ गिरने से हुई। वहीं, कश्मीर के शोपियां जिले के बेहक गडर गांव में पेड़ के नीचे दबकर पिता और बेटी की मौत हो गई। मौसम विभाग ने सोमवार को एमपी-झारखंड समेत 14 राज्यों में आंधी-बारिश

का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि हो सकती है। वहीं, राजस्थान में धूलभरी आंधी के साथ हीट वेव की चेतावनी है।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में यूको बैंक के पूर्व सीएमडी गोयल को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को बताया कि उसने यूको बैंक के पूर्व सीएमडी सुबोध कुमार गोयल को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ कोलकाता स्थित एक कंपनी से जुड़े 6,200 करोड़ रुपये से अधिक के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में धन शोधन के आरोप में कार्रवाई की गई है।

गोयल को कॉनकास्ट स्टील एंड पावर लिमिटेड (सीएसपीएल) और अन्य के खिलाफ जांच के मामले में 16 मई को यहां उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उन्हें 17 मई को कोलकाता में विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के समक्ष पेश किया गया, जिसने उन्हें 21 मई तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। इस जांच के तहत ईडी ने अप्रैल में गोयल और कुछ अन्य के परिसरों पर छापे मारे थे। ऋण की राशि को डायवर्ट कर हेराफेरी करने से जुड़ा है मामला

धन शोधन का यह मामला सीएसपीएल को ऋण सुविधाएं स्वीकृत करने और उसके बाद 6,210.72 करोड़ रुपये (ब्याज के बिना मूल राशि) के ऋण को बड़े पैमाने पर डायवर्ट और हेरफेर करने से संबंधित सीबीआई की प्राथमिकी से उत्पन्न हुआ है।

ईडी ने दावा किया है कि यूको बैंक के सीएमडी के रूप में गोयल के कार्यकाल के दौरान, सीएसपीएल को बड़ी ऋण सुविधाएं स्वीकृत की गईं। जिन्हें बाद में उधारकर्ता समूह की ओर से डायवर्ट और हस्तांतरित कर दिया गया। आरोप हैं कि बदले में, गोयल को सीएसपीएल से काफी रिश्वत मिली।

रिश्वत के आपराधिक स्रोत को छिपाने की कोशिश की गई

ईडी के अनुसार, रिश्वत को वैधता का मुखौटा देने के लिए विभिन्न संस्थाओं का सहारा लिया गया। ईडी ने कहा, जांच से पता चला है कि गोयल ने नकदी, अचल संपत्तियां, विलासिता के सामान, होटल बुकिंग आदि फर्जी कंपनियों, फर्जी व्यक्तियों और परिवार के सदस्यों के जरिए हासिल किए, ताकि धन के आपराधिक स्रोत को छुपाया जा सके।

ईडी की आरे से उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया के लिए गोयल या उनके वकील से संपर्क नहीं किया जा सका। एजेंसी ने कहा कि फर्जी या नकली कंपनियों के जरिए अर्जित कई संपत्तियों की पहचान की गई है। एजेंसी की ओर से दावा किया गया है कि ये मुखौटा कंपनियां गोयल और उनके परिवार के सदस्यों के स्वामित्व या नियंत्रण में हैं।

आतंकी जगतार हवारा बरी

20 साल पुराने मामले में मोहाली कोर्ट ने सुनाया फैसला, 2005 में खरड़ में दर्ज हुआ था केस

मोहाली, 19 मई (एजेंसियां)। आतंकी जगतार सिंह हवारा को 20 साल पुराने एक मामले में मोहाली कोर्ट ने बरी कर दिया है। हवारा के खिलाफ मोहाली के खरड़ थाने में वर्ष 2005 में विस्फोटक सामग्री संबंधी मामला दर्ज हुआ था। मामले में हवारा के खिलाफ सबूत साबित नहीं हो पाए, जिसके चलते अदालत ने उसे बरी कर दिया। हवारा के खिलाफ 2020 में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से नामजद किया गया था। खरड़ थाने में आर्म्स एक्ट व विस्फोटक सामग्री सहित अन्य धाराओं के तहत उसके खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

वकीलों से मारपीट मामले में आठ लोगों को अवमानना नोटिस

कोर्ट ने कहा-16 जून तक दाखिल करें जवाब

कोलकाता, 19 मई (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 25 अप्रैल को न्यायालय परिसर के पास वकीलों से हुई कथित मारपीट के मामले में आठ लोगों के खिलाफ अवमानना नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने अवमाननाकर्ताओं को मामले की अगली सुनवाई 16 जून तक अपने जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस बीच, कोर्ट के पिछले आदेश के अनुसार कोलकाता पुलिस आयुक्त ने तीन न्यायाधीशों की विशेष पीठ के समक्ष घटना की रिपोर्ट प्रस्तुत की। अदालत ने यह भी पाया कि अवमाननाकर्ताओं की ओर से वकील तो मौजूद थे, लेकिन किसी ने भी पीठ के समक्ष हलफनामा प्रस्तुत नहीं किया।

पीठ ने 2 मई को कोलकाता पुलिस आयुक्त को वकीलों से कथित रूप से की गई मारपीट के मामले में रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। पीठ ने उन्हें वकीलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया। तीन न्यायाधीशों की विशेष पीठ ने कोलकाता पुलिस आयुक्त को जांच करने और वकीलों को परेशान करने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान करने के लिए भी कहा। पीठ ने यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। पीठ ने पुलिस आयुक्त से यह भी कहा है कि वह हाईकोर्ट परिसर के पास किरण शंकर रॉय रोड और ओल्ड पोस्ट ऑफिस स्ट्रीट के जंक्शन पर हुई घटना की सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखें। हाईकोर्ट ने इस घटना का स्वतः संज्ञान लिया, जिसमें कथित तौर पर वरिष्ठ वकील विकास रंजन भट्टाचार्य सहित कई वकीलों के साथ कथित रूप से मारपीट की गई थी। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगनम ने न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी, न्यायमूर्ति सब्यसाची भट्टाचार्य और न्यायमूर्ति राजर्षि भारद्वाज की तीन न्यायाधीशों की विशेष पीठ का गठन किया था। दो मई को पीठ ने कहा था कि प्रथम दृष्टया यह सामने आया है कि न्याय के समुचित प्रशासन में हस्तक्षेप करके और न्यायपालिका को बदनाम करके आपराधिक अवमानना की गई है।

मायावती की कसौटी पर भतीजा

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद की बसपा में फिर वापसी कर दलित राजनीति में हलचल मचा दी है। ऐसे में सवाल है कि क्या आकाश अपनी बुआ मायावती के मार्गदर्शन में अपनी राजनीतिक पहचान बना पाने में सफल हो पाएंगे। आकाश आनंद पहली बार 2019 में राजनीति में अपने कदम बढ़ाए थे, लेकिन परवान चढ़ने से पहले ही उनकी सियासी पारी हिचकोले खाने लगी। राजनीति उन्हें विरासत में मिली, लेकिन बुआ मायावती की कसौटी पर खरा उतरना उनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं रही है। कभी अपरिपक्वता तो कभी अपनी ससुराल के कारण आकाश को बुआ की नाराजगी का शिकार होना पड़ा। आखिरकार काफी जूझने के बाद उनकी बसपा में वापसी तो हो गई है लेकिन वे मायावती की कसौटी पर कितने खरे उतर पाएंगे? यह तो भविष्य ही बताएगा। बता दें कि सरकारी टीचर की नौकरी छोड़ कर मायावती खुद कांशीराम के साथ मिलकर बसपा को सत्ता तक पहुंचाया। कांशीराम के बाद उनकी राजनीतिक विरासत को सहेजने में उन्होंने कोई कसर बाकी नहीं रखी। 2007 में यूपी जैसे बड़े राज्य में अकेले दम पर बहुमत की सरकार भी बनाई। वह इस समय सियासी संघर्ष करती दिख रही हैं। पिछले एक दशक में बसपा सुप्रीमो को हर तरफ सिर्फ हार ही झेलनी पड़ी है। 90 के दशक की आक्रामक मायावती का जादू कहीं दिखाई नहीं देता। वह पहले ही कह चुकी थीं कि वह अब चुनाव नहीं लड़ेंगीं। इसके बाद वह विधानपरिषद सदस्य और राज्यसभा सदस्य जरूर रहीं लेकिन वर्तमान में अब वह किसी भी सदन का हिस्सा नहीं हैं। न ही उनकी पार्टी के पास इतने 'नंबर' हैं कि वह सीधे उच्च सदन का हिस्सा बन सकें। पार्टी की स्थिति ये है कि 2014 में शून्य के बाद बसपा 2017 के यूपी चुनाव में 19 सीट, 2019 लोकसभा चुनाव में 10 सीटें, 2022 यूपी चुनाव में सिर्फ एक सीट और अब 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी फिर से शून्य पर खड़ी है। पहले भाजपा ने बसपा के गैर जाटव वोटबैंक में सेंध लगाई, अब अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी भी मायावती के कई करीबी नेताओं को तोड़कर दलित वोट बैंक पर निशाना साध रखा है। इन सबके बीच 2019 में मायावती ने अपने भाई आनंद के बेटे आकाश को राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया। आकाश आनंद बसपा एक्स से लेकर फेसबुक और यूट्यूब जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी एक्टिव हो गए। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव का वो दौर था, आकाश आनंद अपने फायरब्रांड भाषणों से सुर्खियां बटोर रहे थे। इस बीच उनके सीतापुर में दिए गए एक भाषण पर आकाश के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया। इसके बाद अचानक मायावती ने आकाश आनंद को राष्ट्रीय समन्वयक पद से हटाते हुए तर्क दिया कि अभी उन्हें और परिपक्व होने की जरूरत है। इस लोकसभा चुनाव में बसपा फिर शून्य पर खड़ी हो गई। लोकसभा चुनाव के बाद आकाश की फिर से वापसी हो गई। उन्हें दिल्ली चुनाव का प्रभारी भी बनाया गया। आकाश आनंद भले ही मेहनत खूब किए हों लेकिन बसपा को इसका लाभ नहीं दिला सके। दिल्ली चुनाव के बाद फरवरी ट्विस्ट तब आ गया जब मायावती ने कड़ा फैसला लेते हुए पार्टी के राज्यसभा सांसद और आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर कर दिया। इसके बाद मायावती ने आकाश आनंद को भी 2 मार्च को गुटबाजी के आरोप में बसपा के सभी पदों से हटा दिया और अगले ही दिन उन्हें बीएसपी से भी निष्कासित कर दिया। मायावती के इस फैसले के बाद आकाश आनंद की तरफ से बकायदा सोशल मीडिया के जरिए गलतफहमियों का जिक्र करते हुए माफी मांगी गई। डॉ. आंबेडकर जयंती के मौके पर बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने उन्हें माफ करते हुए दोबारा पार्टी में शामिल करने का ऐलान किया। अब मायावती ने उन्हें चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाने के अलावा जल्द ही उन्हें देशभर में पार्टी के कार्यक्रम और अभियानों की जिम्मेदारी देने के संकेत भी दिए। जाहिर है एक तरफ आकाश आनंद को मायावती की कसौटी पर खरे उतरना है, वहीं दूसरी तरफ बसपा को दोबारा खड़ा करने की बड़ी चुनौती से पार पाना है। बदले दौर में राजनीति हाइटेक रूप ले रही है। खुद मायावती जनता से ऑनलाइन ही संवाद करती हैं। बसपा की सबसे बड़ी चुनौती ये है कि पार्टी में पुराने नेता अब गिनती के हैं और नई पौध की भारी कमी है। बहरहाल, सवाल यही है कि क्या आकाश आनंद को 'खुलकर खेलने' का मौका बुआ मायावती दे सकेंगी।

बलूचिस्तान के बाद अब सिंध प्रांत में भी आजादी की मांग

अशोक भाटिया

बलूचिस्तान के बाद अब पाकिस्तान के सिंध प्रांत में भी आजादी की मांग जोर पकड़ने लगी है। सिंध को अलग देश बनाने की मांग करने वाली एक राजनीतिक समूह जय सिंध फ्रीडम मूवमेंट (JSFM) ने शुक्रवार को पाकिस्तान में एक राजमार्ग पर शांतिपूर्ण धरना दिया। इस दौरान लापता और जेल में बंद सिंधी राष्ट्रवादियों की रिहाई की मांग की गई। सिंधु देश की वकालत करने वाले समूह ने सिंध और बलूचिस्तान में जबरन गायब किए गए लोगों, अवैध हिरासत और मानवाधिकारों के हनन पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने की मांग की। जेएसएफएम के अध्यक्ष सोहेल अब्रो, जुबैर और अमर आजादी समेत नेताओं ने जाहिद चन्ना, सज्जाद चन्ना, अदनान बलूच और शाहिद सूमरो को तत्काल रिहा करने को कहा। यह भी मांग की गई कि उनके खिलाफ झूठे आरोप वापस लिए जाएं और सभी जबरन गिरफ्तार किए गए लोगों को रिहा किया जाए। सामूहिक बयान में कहा गया, यह धरना हमारे राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं की गैरकानूनी गिरफ्तारियों, जेलों में हो रहे दुर्व्यवहार और जबरन गायब किए जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन है। हाल के प्रदर्शनों में सिन्धु राष्ट्र के लिए तैयार किए गये राष्ट्रगान को भी गाया गया व सिंध देश के अलग झंडे को भी फहराया गया। 'सिंधु देश' जिसका शाब्दिक अर्थ होता है सिंधियों के लिए अलग देश. सिंधु देश एक विचार है जो पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बसे और दुनिया भर में फैले सिंधियों का एक सपना है। ये सिंधी दुनिया दूसरे एथनिक समुदायों की तरह अपने लिए एक अलग होमलैंड की मांग करते आ रहे हैं। जैसे कुर्द अपने लिए अलग देश की मांग करते हैं, यहूदी समुदाय के लोगों ने इजरायल नाम का अपना देश बनाया है, उसी तरह सिंधी पाकिस्तान के अंदर एक निश्चित भूभाग में अपने लिए एक स्वतंत्र और सार्वभौम मातृभूमि चाहते हैं. यदि पाकिस्तान के इतिहास को देखे तो भारत से अलग होकर 19 47 में बने पाकिस्तान के लिए समस्याएं कभी खत्म होने का नाम नहीं लेती हैं। दुनियाभर के कर्ज में डूबे व आतंकवाद के कारण भारत से ऑपरेशन सिन्दूर से मर खा रहे पाकिस्तान में अगर आपको आने वाले कुछ वर्षों में गृहयुद्ध की स्थिति बनती दिखाई दे, तो चौंकने वाली बात नहीं होगी। उर्दू को पाकिस्तान की सरकारी भाषा बनाने की घोषणा के साथ ही पाकिस्तान में अलगाववाद के बीज पनपने लगे थे। लोगों पर जबरदस्ती उर्दू भाषा थोपी गई। बांग्लाभाषी बहुल पूर्वी पाकिस्तान इसी फैसले के चलते अब अलग देश बनकर बांग्लादेश के रूप में आपके सामने है। वहीं, पाकिस्तान में अगस्त, 1947 के बाद से अब तक बनी सभी सरकारों ने मानवाधिकारों को एक अलग खूंटी पर टांग दिया। बात पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की हो या बलूचिस्तान या फिर सिंधु प्रांत की। पाकिस्तानी सरकारों ने इन सभी जगहों से उठने वाली आवाजों का वर्षों से दमन किया है। पाकिस्तानी फौज के बलूचिस्तान में किए जा रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाली एक्टिविस्ट करीमा बलोच की कनाडा में हुई हत्या इसका एक ताजा उदाहरण है। फिलहाल पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सबसे ज्यादा हिंदू आबादी रहती है। पाकिस्तान की कुल हिंदू आबादी का करीब 95 फीसदी सिंध प्रांत में हैं। पाकिस्तान के उत्पीड़न से त्रस्त इन लोगों ने अब वैश्विक नेताओं से गुहार लगाई है. वहीं, प्रदर्शनकारियों के हाथ में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर होने के पीछे एक बड़ी वजह है। कश्मीर की स्थिति को लेकर हुई एक सर्वदलीय बैठक में मोदी ने कहा था कि समय आ गया है, अब पाकिस्तान को विश्व के सामने बलूचिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में लोगों पर हो रहे अत्याचारों का जवाब देना होगा। मोदी के इस बयान के चलते बलोच आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय मीडिया में काफी तवज्जो मिली थी। इसके बाद 2016 में भारत के 70वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बलूचिस्तान, गिलगित और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों का आभार व्यक्त किया था। दरअसल, पीएम मोदी के बयान के बाद पाकिस्तान में जुल्मो-सितम झेल रहे इन हिस्सों के लोगों ने उनकी आवाज उठाने के लिए मोदी को सोशल मीडिया पर धन्यवाद दिया था। हाल ही में पाकिस्तान के सिंध प्रांत के जमसोरो जिले में जीएम सैयद के गृहनगर सान कस्बे में हुई रैली में लोगों ने आजादी के लिए नारे लगाए गए. प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान दावा सीधे तौर पर कहा- सिंध, सिंधु घाटी सभ्यता और वैदिक धर्म का घर है. ब्रिटिश साम्राज्य ने इस पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था और 1947 में पाकिस्तान के इस्लामी हाथों में दे दिया था। अलग सिंधुदेश की मांग को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर उठाया जा रहा है। इन लोगों का मानना है कि पाकिस्तान ने सिंध प्रांत पर जबरन कब्जा कर रखा है। साथ ही पाकिस्तान संसाधनों का दोहन और मानवाधिकारों के जमकर उल्लंघन करता है। जिये सिंध मुत्ताहिदा महाज़ के चेयरमैन मुहम्मद बरफात ने कहा कि हमारी संस्कृति और इतिहास पर हुए दशकों से जारी हमलों के बावजूद हमने अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को बचाकर रखा है। हम आज भी बहुलतावादी, सहिष्णु और सौहार्दपूर्ण समाज हैं, जो मानव सभ्यता को बचाकर रखे हुए है। पाकिस्तान के निर्माण के बाद से ही बलूचिस्तान, गिलगित और पाक अधिकृत कश्मीर में असंतोष बढ़ने लगा था। पाकिस्तानी हुकूमत पर पंजाबी वर्ग के वर्चस्व से लेकर मानवाधिकारों के उल्लंघन तक पाक के नापाक इरादों की एक लंबी दास्तान है। इन सबके बीच अब चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के चलते भी पाक में भारी असंतोष फैल रहा है। पाकिस्तान के इन हिस्सों की आवाम अब खुलकर अपना विरोध दर्शा रही है। बीते कुछ वर्षों में भारत की वर्तमान मोदी सरकार पर इन लोगों का भरोसा बढ़ा है। ऐसे में अलगाववादी रैली में प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर नजर आने से पाकिस्तान की पेशानी पर फिर से बल पड़ सकते हैं। अब देखना यह है कि अलग सिंध देश की मांग से क्या पाकिस्तान के टुकडे होंगे ? होंगे तो कितने होंगे ? सिंध देश यदि अलग बन जाता है तो वहां रहने वाले सिन्धी हिन्दुओं को इसका कितना लाभ मिल सकेगा ? सिन्धु देश की मांग के आलावा साल 1947 में पाकिस्तान के बनने के साथ ही बलूच मुद्दे ने भी उसकी नाक में दम कर रखा है। आएदिन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी की खबरें आती हैं कि उसने अपने यहां कोई धमाका कर दिया, जिसमें पाकिस्तान सरकार या चीन के लोग मारे गए। इसके अलावा भी कई चरमपंथी संगठन हैं, जो बलूच आजादी चाहते हैं।दरअसल ये पाकिस्तान का वो हिस्सा है, जो कभी भी सरकार के बस में नहीं रहा। इसकी दो वजहें हैं- एक, पाकिस्तान ने धोखे से उसे अपने साथ मिला लिया। और दूसरा, बलूचिस्तान मानता है कि पाकिस्तान उसके साथ सौतेला व्यवहार करता रहा। पाकिस्तान अधिकृत बलूचिस्तान की लीडर डॉ नायला कादरी हाल ही में हरिद्वार पहुंची। बलूच आजादी की मांग के चलते अपने ही देश से निर्वासित डॉ कादरी ने खुद को बलूचिस्तान की प्रधानमंत्री की तरह पेश करते हुए मां गंगा से अपने देश की आजादी की मांग की। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे पाकिस्तान की सरकार बलूच लोगों पर जुल्म करती है। उनका कहना है कि गैस, कोयला, तांबा और कोयला जैसे कच्चे माल में बेहद संपन्न होने के बाद भी हमारा इलाका काफी गरीब है। यहां तक कि स्कूल और अस्पताल जैसी बेसिक जरूरतें भी वहां पूरी नहीं हो पा रहीं। पाकिस्तान ने अपने कर्ज चुकाने के लिए यहां की खदानों को चीन को लीज पर दे दिया। ये बलूच लोगों पर दोहरी मार थी। वे मानने लगे कि उन्हें पाकिस्तान और चीन दोनों मिलकल लूट रहे हैं। उनके गुस्से को हवा मिली, जब साल 2006 में मौजूदा सरकार उनके कबीलाई सिस्टम को ध्वस्त करने लगी। इसके बाद से बलूच आजादी की मांग हिंसक होने लगी। अब बागी अपने यहां रहते चीनियों को नुकसान पहुंचाकर पाकिस्तान को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। कई बार चीनियों के ठिकानों पर वे हमला करते रहते हैं। इसके आलावा गिलगित-बाल्टिस्तान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) का सबसे उत्तरी इलाका है। यहां पर भी लंबे समय से आजादी की मांग चल रही है। चरमपंथी संगठनों ने अपने देश का नाम भी तय कर रखा है- बलवारिस्तान यानी ऊंचाइयों का देश।

अमरावती मॉडल देगा दुनिया के देशों को नई दिशा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए जहां दुनिया के देशों में टुकड़ो-टुकड़ों में काम हो रहा है वहीं आंध्रप्रदेश की नई राजधानी अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी से संचालित शहर बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू ने काम भी शुरु कर दिया है। अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी से संचालित शहर बनाने में करीब करीब 65 हजार करोड़ रुपए की लागत आयेगी और सोलर, पवन और जल विद्युत पर आधारित इस परियोजना में अमरावती में उपयोग आने वाली सारी बिजली रिन्यूवल एनर्जी स्त्रोत से ही प्राप्त होगी। सर्वाधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाली जीवाश्म ऊर्जा का अमरावती में नामोनिशान नहीं होगा। अपने आप में यह दुनिया के लिए ग्रीन एनर्जी के सपने को अमली जामा पहनाने की बड़ी, महत्वाकांक्षी और दुनिया के देशों के लिए प्रेरणीय पहल मानी जानी चाहिए। कोई इसे इतिहास रचने की बात करता है तो कोई ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में बड़ी और रचनात्मक पहल के रुप में देख रहे हैं। कहा जाए तो दुनिया के देश जिस तरह से ग्रीन एनर्जी के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं और जिस तरह से बड़े बड़े शिखर सम्मेलनों के साझा घोषणा पत्रों में घोषणाएं होती है उससे अलग हटकर आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू की इस पहल को माना जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं इस परियोजना की आधारशिला रखने जा रहे हैं। कृष्णा नदी के तट पर आंध्र की नई राजधानी की आधारशिला रखी जाएगी तो ग्रीन एनर्जी का यह प्रोजेक्ट 217 वर्गमीटर को समाये हुए होगा। अमरावती को पूरी तरह ग्रीन एनर्जी युक्त दुनिया का पहला शहर बनाने के लिए 2050 तक की मांग का आकलन कर लिया गया है करीब 2700 मेगावाट विद्युत की आवश्यकता होगी। इसमें स 30 प्रतिशत सोलर और पवन आधारित उर्जा होगी तो 70 प्रतिशत बिजली का उत्पादन पनबिजली आधारित होगी। ग्रीन एनर्जी के चार प्रमुख स्त्रोत है। इसमें सूर्य की गर्मी आधारित सोलर ऊर्जा, हवा के झोकों पर आधारित पवन ऊर्जा, जल आधारित पन बिजली परियोजना और भूगर्भ के ताप आधारित भूतापीय ऊर्जा को रिन्यूवल एनर्जी के नाम से जाना जाता है। इसमें प्रमुखता से सोलर, पवन और पन बिजली को लिया जाता है।

दरअसल जीवाश्म आधारित उर्जा जिसमें प्रमुखतः कोयला व लिग्नाइट का प्रयोग होता है उसके चलते जलवायु में तेजी से परिवर्तन हुआ है और आज दुनिया के देश तापमान वृद्धि को 1.5 प्रतिशत तक रखने के लिए जूझ रहे हैं। 2 प्रतिषत वृद्धि दर को डेढ प्रतिशत लाना टेड़ी खीर बना हुआ है। पेरिस घोषणा के अनुसार दुनिया के देशों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है अन्यथा जलवायु परिवर्तन के जिस तरह के परिणाम हम आये दिन देखने लगे हैं जिसमें तापमान में बढ़ोतरी, ग्लेशियरों का सिकुड़ना, अनपेक्षित मौसम चक्र कभी तेज गर्मी तो कभी तेज सर्दी और कभी तेज बरसात। आंधी तूफान, जंगलों में दावानल, तूफानों चक्रवातों के नए नए रुप और बार बार आवृति हमारे सामने हैं। समुद्र का जल स्तर बढ़ने से समुद्र किनारे के शहरों के सामने अस्तित्व का संकट आ गया है तो जंगलों के दावानलों का असर आसपास के शहरों खासतौर से अमेरिकी शहरों में देखा जा चुका है। सूखा और बाढ़ आम होती जा रही है तो दवाओं के बेअसर होने और संक्रामक रोगों की बढ़ोतरी सामने हैं। दुनिया के देश खासतौर से मौसम विज्ञानी इन हालातों को लेकर चिंतित है और जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को सीमित करने के उपायों को लेकर प्रयासरत है। हांलाकि इसमें सरकारों की ईच्छा शक्ति, संसाधन, आर्थिक सामाजिक हालात के साथ ही विकसित देशों द्वारा खुले दिल से सहयोग नहीं करना बड़ा कारण बनता जा रहा है। ऐसा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के संकट से दुनिया के देश सावचेत नहीं हो। बल्कि इस दिशा में किये जा रहे प्रयासों को लेकर रेंकिंग भी जारी होने लगी है। जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन रेकिंग में भारत दसवें स्थान पर है हांलाकि यह इससे पहले के साल की तुलना में रेंकिंग पिछड़ी है। मजे की बात यह है कि हालिया सूचकांक के विश्लेषण से साफ हो जाता है कि आज भी इस सूचकांक को एक से तीन नंबर की रेंकिंग वाले देश की प्रतीक्षा है। रेकिंग में डेनमार्क शीर्ष पर है और उसका चौथे स्थान है। नीदरलैंड, इंग्लेण्ड, फिलिपिन्स, मोरक्को, नार्वे क्रमशः है तो भारत दसवें स्थान पर है। देश में रिन्यूवल एनर्जी की दिशा में ठोस प्रयास हो रहे हैं। गुजरात के कांडला सेज को पूरी तरह से हरित औद्योगिक क्षेत्र बनाया गया है तो तमिलनाडू के महाबलीपुरम के शोर मंदिर को ग्रीन एनर्जी पुरातात्विक स्थल के रुप में पहचान मिल चुकी है। डेनमार्क का कोपेनहेगेन भी इसी श्रेणी में आता है। आस्ट्रेलिया का एडिलेड, कोरिया का सियोल, आइवरकोस्ट का कोकोडी, स्वीडन का मालमो और दक्षिणी अफ्रिका का केपटाउन ग्रीन एनर्जी की दिशा में बढ़ते हुए शहरों में से हैं। गुजरात के कांडला सेज में 1000 एकड में साढ़े तीन लाख पेड़ लगाया गया है। समुद्र के नमक के पानी से प्रभावित क्षेत्र को जलवायु की दृष्टि से करीब करीब बदल ही दिया गया है। अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन सिटी बनाने की दिशा में जो कार्य आरंभ हो रहा है वह समूची दुनिया के लिए एक मिसाल है। वहां पर सरकारी भवनों के साथ ही अन्य स्थानों पर सोलर पेनल और पवन उर्जा के स्त्रोत लगाये जाएंगे। पनबिजली परियोजना का संचालन होगा। पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी का ही उपयोग होगा।

हांलाकि यह अपने आप में चुनौतीभरा काम होगा पर ईच्छा शक्ति और कुछ नया करने की भावना से आगे बढ़ा जाता है तो फिर कोई कार्य असंभव नहीं होता है। हांलाकि केन्द्र व राज्य सरकारे अक्षय ऊर्जा के इस क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रही हैं। राजस्थान रिन्यूवल एनर्जी उत्पादन के क्षेत्र में समूचे देश में आगे है और भड़ला पार्क जैसे सोलर पार्क यहां विकसित हो चुके हैं। सरकार अब घरों की छतों पर सोलर एनर्जी के उत्पादन को बढ़ावा दे रही है तो खेती में सोलर पंपों और अन्य कार्यों में उपयोग सकारात्मक प्रयास माने जा सकते हैं। पर अमरावती इन सबसे अलग इसलिए हो जाती है कि यहां समग्रता से प्रयास करते हुए समूचे शहर को ग्रीन एनर्जी युक्त बनाया जा रहा है यइ सराहनीय होने के साथ ही प्रेरक भी है।

राजबाड़ा में अहिल्याबाई के संकल्पों को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम

हर्षवर्धन पाण्डे

मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार ने 20 मई 2025 को इंदौर के ऐतिहासिक राजवाड़ा परिसर में एक विशेष कैबिनेट बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह बैठक न केवल प्रशासनिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व भी रखती है, क्योंकि यह लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती वर्ष के समापन और उनकी विवाह वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित की जा रही है। इसके पहले डॉ मोहन सरकार दमोह, जबलपुर में डेस्टिनेशन कैबिनेट के सफल आयोजन कर चुकी है। यह कैबिनेट की बैठक अहिल्याबाई के आदर्शों को आत्मसात करने का सुनहरा अवसर है। कैबिनेट बैठक का मुख्य उद्देश्य लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के सुशासन और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के योगदान को याद करते हुए होल्कर साम्राज्य के संस्थापक महाराज मल्हार राव होल्कर का भी पुण्य स्मरण करना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट किया है कि यह आयोजन इंदौर की सांस्कृतिक विरासत को रेखांकित करने और मध्यप्रदेश के विकास के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण, जैसे कि विजन 2047, को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगा। यह आयोजन इंदौर के ऐतिहासिक महत्व का स्मरण करने और देवी अहिल्याबाई के आदर्शों को प्रचारित करने का बेहतरीन अवसर है। होल्कर साम्राज्य का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व रहा है। इंदौर का राजवाड़ा, होल्कर साम्राज्य का प्रतीक, मध्य भारत के गौरवशाली अतीत का साक्षी रहा है। यह वह स्थान है जहां होलकर साम्राज्य के शासकों ने अपने दरबार लगाए और अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए। 20 मई को गणेश हॉल में होने वाली यह बैठक उसी परंपरा को जीवंत करेगी, जहां डॉ मोहन कैबिनेट अपने कई महत्वपूर्ण नीतिगत फैसले लेगी। यह पहली बार है जब आज़ादी के कई वर्षों बाद इस ऐतिहासिक स्थल पर डॉ. मोहन कैबिनेट का भव्य दरबार सजेगा। राजवाड़ा एक महल नहीं, बल्कि होलकर साम्राज्य की विरासत है जिस पर आज भी सभी गर्व महसूस करते हैं। यह वह ऐतिहासिक स्थान है जहां से होलकर साम्राज्य ने अपने कई बड़े फैसलों से अपनी दिशा तय की थी। इसका निर्माण 1766 से 1834 के बीच हुआ और इसकी भव्यता आज भी लोगों को आकर्षित करती है। देवी अहिल्याबाई होलकर इसी राजवाड़ा से प्रशासनिक निर्णय लिया करती थी। अंतिम बार 1945 में महाराज यशवंतराव होलकर तृतीय ने अपनी मंत्रिपरिषद के साथ इसी दरबार हॉल में बैठक की थी। वहीँ राजवाड़ा इस बार फिर डॉ. मोहन यादव के निर्णायक फैसलों का साक्षी बनने जा रहा है। लोकमाता की उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अब मोहन सरकार यहां बैठक कर, न सिर्फ राजवाड़े के सांस्कृतिक गौरव को पुनर्स्थापित कर रही है बल्कि सुशासन के संकल्पों के नए मानदंड प्रदेश में स्थापित कर रहे हैं। कैबिनेट बैठक में मालवा संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। इस आयोजन को मालवा की संस्कृति के साथ जोड़ने का प्रयास किया गया है, जिसमें मंत्रियों का स्वागत मालवी पगड़ी पहनाकर किया जाएगा । बैठक के बाद दरबार हाल में सभी मंत्रियों और अधिकारियों के लिए पारंपरिक मालवी भोजन परोसा जाएगा, जिसमें दाल-बाफले, दाल-बाटी-चूरमा, मावा बाटी, दही, लड्डू, केसर श्रीखंड, मैंगो रबड़ी और छाछ जैसे व्यंजन शामिल होंगे। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा और निर्णय की उम्मीद है, जिसमें विजन 2047 के तहत मध्यप्रदेश के दीर्घकालिक विकास की कई योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, निवेश संवर्धन, औद्योगिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण से संबंधित नीतियों पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कैबिनेट बैठक में जिला विकास सलाहकार समिति का प्रस्ताव भी आएगा। कैबिनेट बैठक में अनेक कल्याणकारी प्रस्तावों को हरी झंडी मिल सकती है जिसमें नए रोजगार के अवसर सृजित करने, कर्मचारियों के पदोन्नति संबंधी प्रस्ताव भी पास हो सकते हैं। कैबिनेट बैठक में सरकार मेट्रोपॉलिटन रीजन एक्ट 2025 भी लेकर आएगी जिससे इंदौर और भोपाल को मेट्रोपॉलिटन रीजन बनाने की प्रक्रिया को नई गति मिलेगी। इस बड़ी पहल के साथ मध्यप्रदेश देश का 13वां राज्य बन जाएगा, जहां मेट्रोपॉलिटन रीजन विकसित किए जाएंगे।इंदौर के राजबाड़ा में होने वाली मोहन कैबिनेट की बैठक एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मील का पत्थर साबित होगी। यह आयोजन न केवल प्रशासनिक निर्णयों के लिए, बल्कि इंदौर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को वैश्विक मंच पर उजागर करने के लिए भी महत्वपूर्ण होगा।

विश्व मेट्रोलॉजी दिवस: नाप नहीं, न्याय का उत्सव

प्रो. आरके जैन

क्या आपने कभी सोचा कि एक मिलीमीटर की सटीकता किसी पुल को टूटने से बचा सकती है, या एक मिलीग्राम की सावधानी किसी की जान बचा सकती है? मापन का विज्ञान, यानी मेट्रोलॉजी, वह अनदेखा जादू है जो हमारे जीवन को न केवल व्यवस्थित करता है, बल्कि विश्वास, निष्पक्षता और प्रगति की नींव रखता है। यह वह शक्ति है जो हर सांस में हवा की शुद्धता, हर बूंद में दवा की सटीकता, और हर लेन-देन में व्यापार की ईमानदारी सुनिश्चित करती है। हर साल 20 मई को मनाया जाने वाला विश्व मेट्रोलॉजी दिवस हमें इस विज्ञान के गौरवशाली योगदान का उत्सव मनाने और इसके भविष्य को गढ़ने का अवसर देता है। इस वर्ष, 2025 में, थीम “सभी समयों के लिए, सभी लोगों के लिए माप” मापन की उस शाश्वत शक्ति को रेखांकित करती है, जो अतीत को वर्तमान से और वर्तमान को भविष्य से जोड़ती है, हर इंसान के लिए समानता और सटीकता का वादा करती है। यह कहानी 1875 की उस ऐतिहासिक सुबह से शुरू होती है, जब पेरिस में “मीटर कन्वेंशन” पर 17 देशों ने हस्ताक्षर कर मापन को वैश्विक एकता का प्रतीक बनाया। इस समझौते ने न केवल विज्ञान, व्यापार और तकनीक को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, बल्कि विश्वास की एक ऐसी भाषा गढ़ी जो संख्याओं में लिखी जाती है। इस साल, 2025 में, हम इस कन्वेंशन की 150वीं वर्षगांठ का उत्सव मना रहे हैं-एक ऐसा अवसर जो हमें याद दिलाता है कि मापन केवल गणनाओं का खेल नहीं, बल्कि मानवता को जोड़ने वाला सेतु है। आज 100 से अधिक देश इस कन्वेंशन के तहत एकसमान मापदंडों को अपनाते हैं, जो वैश्विक व्यापार में निष्पक्षता और वैज्ञानिक खोजों में सहयोग की गारंटी देते हैं। 2025 की थीम हमें प्रेरित करती है कि मापन हर किसी का अधिकार है—चाहे वह किसी गांव में अनाज की तौल करने वाला किसान हो, या अंतरिक्ष में तारों की दूरी नापने वाला वैज्ञानिक, यह विज्ञान हर दिल की धड़कन और हर सपने का आधार है। मेट्रोलॉजी आज हमारे जीवन की रीढ़ है, वह अनदेखा संरक्षक जो हर पल हमारे साथ है। कल्पना करें: आपका दूध वाला 950 मिलीलीटर दूध देकर एक लीटर का दाम मांग ले, या पेट्रोल पंप कम ईंधन भरकर आपकी जेब पर डाका डाले- यह सिर्फ आर्थिक धोखा नहीं, बल्कि आपके अधिकारों पर सीधा हमला है। मापन की सटीकता वह कवच है जो उपभोक्ता की रक्षा करती है, व्यापार में पारदर्शिता की रोशनी फैलाती है, और समाज में न्याय का आधार बनती है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में, एक गलत माप दवा को जीवनदायी अमृत से घातक विष में बदल सकता है।

बेजुबानी की सज़ा

डॉ टी महादेव राव

भैया । जनतंत्र या लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ क्या है? इसमें जन यानी जनता और लोक यानी लोग भी विराजमान हैं। छोटू। जनता के लिए, जनता का और जनता द्वारा चुना गया शासन तंत्र का नाम ही है जनतंत्र या लोकतंत्र। आप किताबी सिद्धांतों की बात मत बताइए। जो व्यावहारिक रूप में हो रहा है या जो सच है, वह बताइए। इसमें सैद्धांतिक और व्यवहारिक रूप में भेद कहां है छोटू! आप कवित्त और गीत लिखने से बाहर आइए। जो हो रहा है, उस पर गौर करके सचाई बताइए। नेताओं द्वारा नेताओं के लिए नेताओं का जो देश भक्षण किया जा रहा है, वह जन तंत्र नहीं धनतंत्र है। ठीक है। नाम का लोकतंत्र है और संसद और विधान सभा में सत्ता पक्ष का ध्यान हमेशा विपक्ष को पटकी देने पर होता है और विपक्ष का पूरा दिलो दिमाग सत्ता पक्ष को पछाड़ने में रहता है।

इन दोनों के बीच कभी जनता के कल्याण का, लोगों के हितों का कभी जिक्र आया? रही बात एक दूसरे पर कीचड उछालने की तो इसमें कीचड़ जैसे अभावों में सन जाती है आम जनता। अब आई पटरी पर रेल। अच्छा ये बताइए कि जब भ्रष्टाचार का आरोप लगाया जाता है तो इस पर कोई जांच समिति बिठाने की बजाय उस मामले में लिप्त लोगों या संस्थानों को बचाने का प्रयास पूरी पलटन के साथ क्यों किया जाता है?

इसमें राज क्या है? चोर की दाढ़ी में तिनका। दुनिया भर में करें अपने मन का। आरोपों के बचाव में बड़े बड़े शब्दों का प्रयोग कर डराया जाता है। देश की अखंडता, वित्तीय स्थिति, आर्थिक व्यवस्था पर गहरे आघात की बातें कहकर भयभीत किया जाता है। कभी कभी ऐसा होता है कि विपक्ष ने कोई बात कहीं और जिस पर बयान दर बयान, खंडन दर खंडन किया जाता है, वही बयान उनके अपने कोई करते हैं तो चुप्पी साध ली जाती है। क्यों न साधें भैया? चोर चोर सगे भाई को ठहरे। छोटू!

गलत बोल रहा है। चोर चोर मौसेरे भाई कहते हैं पुरानी कहावत है आपकी। यह लेटेस्ट कहावत है चोर चोर सगे भाई। एक और बात है भैया। सीटें काम होने पर भी ढीठपन गया नहीं। हमेशा भींगे हुए लकड़ी के फट्टे की तरह तनना अब भी नहीं छोड़े हैं। चोरी ऊपर सीनाजोरी और सूप बोले तो बोले छलनी भी बोले जिसमें बहत्तर छेद! मतलब ?

राहु-केतु की टेढ़ी नजर से हैं परेशान? तो काल अष्टमी पर करें ये उपाय

हिन्दू धर्म में हर तिथि हर वार का शास्त्रों में महत्व बताया गया है। हर महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को कालाष्टमी मनाई जाती है।

इस दिन भगवान शंकर के रौद्र रूप काल भैरव की पूजा की जाती है। मान्यता है कि काल भैरव की पूजा से जीवन की सारी परेशानियां दूर होती हैं। तंत्र साधक इस दिन विशेष पूजा करते हैं। अगर आप भी ज्योतिषीय उपाय करें, तो जीवन के संकट दूर हो सकते हैं।

कब मनाई जाएगी कालाष्टमी ?

हिंदू पंचांग के अनुसार, अष्टमी तिथि शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 20 मई को सुबह 05 बजकर 51 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 21 मई को सुबह 04 बजकर 55 मिनट पर होगा। ऐसे में मासिक कालाष्टमी का का व्रत 20 मई को रखा जाएगा।

कालाष्टमी व्रत का महत्व

काल भैरव शिव जी के ही रौद्र रूप हैं, जो भी भक्त कालाष्टमी के दिन काल भैरव बाबा की पूजा विधि अनुसार करता है, उसके सभी पाप, कष्ट, दुख दर्द दूर हो जाते हैं। इस दिन श्रद्धा भाव से व्रत और पूजा करने से भगवान शिव जी की कृपा आपके ऊपर बनी रहती है। कुंडली में मौजूद राहु दोष भी दूर हो सकता है।

कालाष्टमी पर जरूर करें यह उपाय

– शास्त्रों के अनुसार भगवान शनि महाराज को काला रंग समर्पित है। कालाष्टमी के दिन काले रंग का वस्त्र दान करने से शनि देव की कृपा प्राप्त होती है और लव लाइफ में आने वाली परेशानियां दूर होती हैं।

– कालाष्टमी के दिन उड़द की दाल का दान करने से शनि देव की कृपा प्राप्त होती है। उड़द की दाल को भी शनि ग्रह से संबंधित माना जाता है। इससे लव लाइफ में सुख और समृद्धि आती है।

– धर्म गंथो के अनुसार काले तिल को शनि ग्रह से जुड़ा माना जाता है, और शनि प्रेम और विवाह का कारक ग्रह है। काले तिल का दान करने से शनि देव की कृपा प्राप्त होती है, जिससे प्रेम संबंध की बाधाएं दूर होती हैं और ग्रह दोषों से मुक्ति मिलती है।

– कालाष्टमी के दिन जूते का दान करने से राहु ग्रह की पीड़ा दूर होती है, जो अक्सर लव लाइफ में बाधाएं पैदा करता है।

– कालाष्टमी के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए चावल का दान करना लाभकारी होता है। इससे प्रेम जीवन में समझदारी आती है।

शाम के समय घर के दरवाजे पर दीपक जलाने से जुड़ीं ये गलतियां

दिन ढलने से पहले दीपक जलाने की गलती

कई लोग हमेशा जल्दबाजी में रहते हैं। जल्दबाजी या अन्य किसी वजह से वे दीपक तभी जलाने लगते हैं, तब सूरज पूरी तरह ढला भी नहीं होता और हल्की-हल्की पीली रोशनी जमीन पर पड़ रही होती है। ऐसे में दीपक अंधेरे में प्रकाश करने के लिए जलाया जाता है लेकिन आप सूर्यदेव की रोशनी में ही दीपक जला देते हैं, तो इसका कोई लाभ नहीं है। दीपक हमेशा प्रदोष काल शुरू होने पर ही जलाना चाहिए।

मुख्य द्वार पर किसी भी दिशा में दीपक जलाने की गलती

कई लोग दीपक घर के मुख्य दरवाजे पर कहीं भी दीपक रख देते हैं। ऐसा करने से आपको देवी लक्ष्मी की कृपा नहीं मिल पाएगी क्योंकि दीपक जलाने समय देवी लक्ष्मी की स्तुति करके ही दीया जलाना चाहिए।

दीपक मुख्य द्वार के बाईं ओर रखना चाहिए। इसके अलावा मुख्य द्वार के पूर्व या उत्तर दिशा में ही दीपक रखना चाहिए।

आटे का दीया या फिर अन्य फैंसी दीया जलाने की गलती

कुछ लोग मार्केट में मिलने वाले फैंसी दीए या फिर आटे का दीया जलाते हैं लेकिन इसे सही नहीं माना जाता। आटे का दीपक बाहर जलाने से परहेज करना चाहिए क्योंकि आटा अन्न है। बाहर धूल-मिट्टी उड़ती है। वहीं, पशु, कीट-पतंगे भी आपका दीया खराब कर सकते हैं इसलिए मिट्टी का दीपक न जलाएं।

दक्षिण दिशा में दीपक जलाने की गलती

आप अगर शाम के समय देवी लक्ष्मी और घर की सुख-समृद्धि के लिए दीया जलाना चाहते हैं, तो आपको यह याद रखना चाहिए कि आप भूलकर भी दक्षिण दिशा में दीपक रखने की गलती न कर बैठे। दक्षिण दिशा पितरों और यमराज की मानी जाती है इसलिए दक्षिण दिशा में दीपक रखने की गलती न करें।

महाभारत : कृष्ण के सगे समधी थे दुर्योधन

अजीब हालत में हुई बेटा-बेटी की शादी, दोनों में क्यों कभी नहीं बनी

बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि कृष्ण और दुर्योधन सगे समधी थे। कृष्ण के बेटे की शादी दुर्योधन की इकलौती लड़की से हुई थी। हालांकि ये शादी बहुत अजीब तरीके से हुई। जिसको लेकर कृष्ण के बड़े भाई बलराम ने कौरवों को धमकी भी दे डाली थी। कौरव भी कृष्ण के बेटे पर खूब नाराज थे। क्योंकि बात ही ऐसी थी। ये कैसी शादी थी। और शादी के बाद समधी बनने के बाद भी दुर्योधन और कृष्ण अलग अलग ही रहे।

महाभारत में रिश्तों की ऐसी पहेलियां हैं कि जितनी इसे खोलते जाएंगे, उतना ही हैरान भी होंगे। जैसे कि कृष्ण और दुर्योधन का आपस में समधी होना लेकिन एक दूसरे के कभी साथ नहीं होना। ये कथा मुख्य तौर पर हरिवंश पुराण (महाभारत का उपपुराण) और महाभारत के अनुशासन पर्व तथा अश्वमेध पर्व में आती है।

कृष्ण के बेटे का नाम था साम्ब। दुर्योधन की बेटी का नाम था लक्ष्मणा। साम्ब स्वभाव से बहुत साहसी, उद्दंड और हठी माने जाते थे। वह कृष्ण और उनकी पत्नी जामवंती के पुत्र थे। उसको दुर्योधन की बेटी लक्ष्मणा से प्यार हो गया। हरिवंश पुराण (पर्व 2, अध्याय 99) में कहा गया है कि साम्ब द्वारका से हस्तिनापुर आए थे। वहीं कौरव सभा या किसी नगर उत्सव में लक्ष्मणा को पहली बार देखा था। वो उससे इतना प्रभावित हुए कि मन ही मन उस पर मोहित हो गए। उसके सौंदर्य और गुणों की प्रशंसा करते हुए, उन्होंने निश्चय कर लिया कि "यदि विवाह संभव न भी हो, तो मैं लक्ष्मणा को हरण कर लूंगा।"

दोनों एक दूसरे को चाहते थे। दुर्योधन की पत्नी भानुमति जरूर इस बारे में जानती थी। वह चाहती भी थी कि ये शादी हो जाए लेकिन ये बात कभी जाहिर नहीं की। भानुमति खुद कृष्ण भक्त थी।

दुर्योधन क्यों इस शादी के लिए राजी नहीं था कहा जाता है कि कौरवों को ये बात पता चल गई थी लेकिन कृष्ण के पांडवों के करीब होने की वजह से उन्हें ये कतई पसंद नहीं था कि उनके यहां की बेटी की शादी उनके बेटे से हो। दुर्योधन को कतई इस विवाह के लिए राज़ी नहीं थे, क्योंकि उन्हें यादवों से ईर्ष्या थी।

दुर्योधन की बेटी को साम्ब स्वयंवर से हरण कर ले गया

जब लक्ष्मणा के लिए स्वयंवर का आयोजन किया गया तो कृष्ण के बेटे साम्ब को इसमें नहीं आमंत्रित किया गया। स्वयंवर समारोह की सारी तैयारियां हो गईं। राजा और राजकुमार वहां पहुंच गए। जैसे ही लक्ष्मणा स्वयंवर में किसी और को वरमाला डालने जा रही थी, तभी साम्ब ने वहां पहुंचकर लक्ष्मणा का अपहरण कर लिया। अपने रथ पर बिठाकर वह वहां से भाग निकला। कौरव देखते रह गए।

साम्ब को बंदी लिया गया

कौरव बहुत क्रोधित हुए। उन्होंने भीष्म, द्रोण, कर्ण, और कृपाचार्य आदि के साथ साम्ब का पीछा किया। संघर्ष हुआ। साम्ब अकेले थे। इसलिए कौरवों ने उन्हें बंदी बना लिया।

तब क्रोधित बलराम हस्तिनापुर पहुंचे

जब यह बात द्वारका पहुंची, तो बलराम बहुत क्रोधित हुए। वह अकेले हस्तिनापुर पहुंचे। धृतराष्ट्र और कौरवों से बोले, "यदि आप लोगों ने साम्ब को नहीं छोड़ा तो मैं हस्तिनापुर को गदा प्रहार से गंगा में डुबो दूंगा।" बलराम के प्रचंड रूप को देखकर कौरव डर गए।

तब दोनों का विधिवत विवाह हुआ

धृतराष्ट्र ने माफ़ी मांगी और कहा, "हमसे भूल हुई। साम्ब और लक्ष्मणा का विधिवत विवाह करवा देंगे।" फिर साम्ब के साथ लक्ष्मणा का विवाह कराया गया। ये विवाह महाभारत युद्ध से पहले हुआ था। इस विवाह के पीछे राजनीतिक महत्व भी था। हालांकि ये कहा जाता है इस विवाह की जानकारी कृष्ण को भी नहीं थी। इसकी जानकारी उन्हें विवाह के बाद ही हुई। साम्ब और लक्ष्मणा का एक पुत्र हुआ था, जिसका नाम उष्ण या प्रद्युम्न भी मिलता है।

बलराम चाहते थे कि इस विवाह से यादव और कौरव वंश के बीच एक तरह का समझौता या सांठगांठ हो सके। हालांकि ऐसा हुआ नहीं। महाभारत युद्ध में इसका कोई विशेष असर नहीं पड़ा। हालांकि ये जरूर हुआ कि दुर्योधन युद्ध से पहले कृष्ण से मदद मांगने पहुंचे थे और कृष्ण ने उन्हें अपनी सेना दे दी थी।

कृष्ण की वजह से ही दुर्योधन मारा भी गया

कृष्ण ने दुर्योधन का समधी होने के बाद भी महाभारत के युद्ध में पांडवों का साथ दिया। जब महाभारत के युद्ध में दुर्योधन जान बचाकर भागा और एक तालाब में छिप गया, तो उसे कैसे निकाला जाए, ये युक्ति भी उन्होंने पांडवों को बताई और गदा युद्ध में दुर्योधन की जांघ पर प्रहार करने की युक्ति भी उन्होंने ही भीम को बताई। हालांकि ये भी कहना चाहिए बेशक कृष्ण समधि थे लेकिन कभी दुर्योधन ने भी उन्हें वो सम्मान नहीं दिया, जो देना चाहिए था। जब कृष्ण पांडवों के वनवास के बाद मध्यस्थ बनकर हस्तिनापुर के दरबार में पहुंचे थे, तब दुर्योधन ने तो उन्हें बंदी बनाने की योजना तक बना ली थी।

कृष्ण और दुर्योधन की कभी नहीं बनी। क्योंकि कृष्ण को हमेशा लगता था कि पांडव सही रास्ते पर चलते हैं। दुर्योधन बार बार उनसे छलकपट करता है। इसी से उसने उनसे उनका राजपाट छीन लिया। उन्होंने हमेशा दुर्योधन को सही रास्ते पर लाने की कोशिश की लेकिन वह टस से मस नहीं हुआ। अगर दुर्योधन अपने समधी कृष्ण की बात मान लेता तो कभी महाभारत का युद्ध ही नहीं होता।

दैत्य गुरु की राशि में पहुंचने वाले हैं बुध

मिथुन, कन्या समेत इन 6 राशियों को नौकरी में मिलेंगे सरप्राइज

बुध ग्रह 23 मई दिन शुक्रवार को वृषभ राशि में गोचर करने वाले हैं। वृषभ राशि शुक्र ग्रह की राशि है, जो दैत्य गुरु हैं। शुक्र की राशि में बुध दोपहर 1 बजे गोचर करने वाले हैं। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, मिथुन और कन्या राशि के स्वामी बुध ग्रहों के राजकुमार हैं और संचार, स्मरण शक्ति, सीखने की क्षमता, बुद्धि, नौकरी और कारोबार के कारक ग्रह भी हैं। बुध की जब चाल बदलती है तब उसका प्रभाव सभी राशियों पर पड़ता है, कुछ राशियों के लिए बुध का गोचर अच्छा हो सकता है तो कुछ राशियों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस आर्टिकल में हम बताएंगे कि किन किन राशियों को बुध के वृषभ राशि में गोचर से फायदा होने वाला है...

बुध गोचर का वृषभ राशि पर प्रभाव

बुध आपकी राशि के लग्न भाव में गोचर करने वाले हैं। बुध के गोचर से आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और हर कदम पर परिवार का पूरा समर्थन मिलेगा। इसके अलावा, इस गोचर से किसी भी पुराने पारिवारिक विवाद का समाधान भी होगा, जिससे परिवार के सदस्यों के बीच अधिक सामंजस्य और एकता बढ़ेगी। इस अवधि में वृषभ राशि वाले सोशल मीडिया पर अधिक सक्रिय रहेंगे और अधिक लोगों के साथ बातचीत का आनंद लेंगे। आर्थिक रूप से बुध का गोचर आपके लिए अनुकूल रहने वाले है, जिसमें धन कमाने और अपनी वित्तीय स्थिति को सुधारने के अच्छे अवसर मिलेंगे। नौकरी करने वाले इस अवधि में सभी टारगेट पूरा करेंगे और ऑफिस में चमकता हुआ सितारा बनेंगे।

बुध गोचर का मिथुन राशि पर प्रभाव

बुध का गोचर मिथुन राशि वालों के लिए अच्छा रहेगा। बुध का गोचर आपकी सामाजिक लाइफ के लिए अच्छा रहने वाला है और इस लाइफ में आपको कई सकारात्मक परिणाम भी मिलेंगे। आपके कई अधूरे कार्य बुध गोचर के प्रभाव से पूरे होंगे और सामाजिक कार्यों की वजह से आपको सम्मान भी मिलेगा।

आपको अपने समुदाय से मजबूत समर्थन मिलेगा, जिससे आपका मनोबल बढ़ेगा। वैवाहिक जीवन की बात करें तो, चल रही वैवाहिक समस्याओं से राहत मिलने की संभावना है। दंपति एक-दूसरे को बेहतर समझेंगे, जिससे उनका बंधन मजबूत होगा और प्रेम गहरा होगा। इसके अलावा, इस राशि वालों को पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिल सकता है और कहीं बाहर घूमने भी जा सकते हैं। नौकरी करने वालों को करियर में तरक्की के अच्छे मौके मिलेंगे और आपकी सैलरी में भी अच्छी वृद्धि होगी।

किचन की दिशा बदल सकती है आपकी सोच और आमदनी, वास्तु का गुप्त रहस्य

दक्षिण-पूर्व यानी साउथ ईस्ट दिशा को अग्नि का स्थान माना गया है। यही वह जगह है जहां रसोई बनाई जाती है। जब घर की रसोई इस दिशा में होती है तो जो भी व्यक्ति इस घर में रहता है, उसे उतना पैसा ज़रूर मिलता है जितनी उसकी सोच होती है। लेकिन यहीं एक अहम बात छिपी है सोच की सीमा।

क्या सोचते हैं लोग?

ज़्यादातर लोग यही सोचते हैं कि उनका घर ठीक से चले, बच्चों की पढ़ाई हो जाए, ईएमआई समय पर कट जाए और थोड़ी बहुत बचत हो जाए। यानी जो सोचते हैं, बस वही मिल जाता है। इससे ज़्यादा कुछ नहीं। अब सवाल उठता है क्या सोच बड़ी हो सकती है?

आत्मविश्वास की दिशा

इसका जवाब वास्तु देता है। दक्षिण-पूर्व के ठीक बगल में एक और दिशा होती है, जिसे कहा जाता है दक्षिण-दक्षिण-पूर्व (South of South-East)। यह दिशा आत्मविश्वास की मानी जाती है। यही वो जगह है जहां रसोई होने से केवल पैसे की बात नहीं होती, बल्कि सोच ऊंची होती है। यह दिशा इंसान को जोखिम उठाने की ताकत देती है, मेहनत करने की प्रेरणा देती है और आगे बढ़ने की भावना पैदा करती है।

ऐसे बनेगी बड़ी सोच

सोचिए, जब आपकी रसोई सही जगह पर हो और वह आपको न सिर्फ ऊर्जा दे बल्कि आपके इरादों को भी मज़बूत बनाए, तो क्या आपको सिर्फ जरूरत भर की चीज़ें मिलेंगी? नहीं। तब आप 10-20 करोड़ की बात करेंगे, बड़ी गाड़ी की बात करेंगे, निवेश की योजना बनाएंगे और दूसरों की मदद करने के काबिल भी बनेंगे।

ऐसे खुलेगा सफलता का रास्ता

इसका मतलब यह नहीं कि साउथ ईस्ट में रसोई ग़लत है, बल्कि यह है कि अगर सोच में बदलाव चाहिए, तो रसोई की जगह में भी थोड़ा बदलाव ज़रूरी हो सकता है। जब जगह सही होगी, तो विचार भी बड़े होंगे और जब विचार बड़े होंगे, तभी असली सफलता का रास्ता खुलेगा।

ऋषिकेश का रहस्यमयी कुंड, जहां यमुना मां करती हैं वास, स्नान करने से मिट जाते हैं पाप!

उत्तराखंड में स्थित ऋषिकेश, जिसे योग नगरी और पावन तीर्थ स्थल के रूप में जाना जाता है, भारत के सबसे आध्यात्मिक स्थलों में से एक है। यहां की गंगा आरती, मंदिर, तपोभूमियां और घाटों की दिव्यता पूरे विश्व से श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। त्रिवेणी घाट के पास स्थित ऋषि कुंड न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि ऐतिहासिक और रहस्यमयी दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह कुंड अपनी पौराणिकता, दिव्य उपस्थिति और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है।

ऋषिकेश का दिव्य कुंड

कहा जाता है कि उन्होंने कठोर तपस्या द्वारा मां यमुना को प्रसन्न किया। ऋषि की तपस्या से प्रसन्न होकर मां यमुना ने ऋषिकेश में स्थित इस कुंड को अपने जल से भर दिया और तब से यहां यमुना का पवित्र जल विद्यमान है। यह स्थान दिव्यता और तप की ऊर्जा से परिपूर्ण है। इस कुंड के पास ही भगवान राम और माता सीता का एक प्राचीन मंदिर स्थित है, जिसे रघुनाथ मंदिर कहा जाता है। इस मंदिर का प्रतिबिंब साफ-साफ कुंड के जल में देखा जा सकता है, जो इस स्थान की अलौकिकता को और अधिक बढ़ा देता है।

ऋषि कुंड का रोचक इतिहास

एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार, एक दिन भगवान शिव माता पार्वती के साथ कैलाश से स्वामी कार्तिकेय से मिलने जा रहे थे। यात्रा के दौरान माता पार्वती की दृष्टि ऋषि कुब्जा मृग पर पड़ी, जो प्रतिदिन यमुना में स्नान के लिए जाया करते थे। जब माता पार्वती को यह ज्ञात हुआ, तो उन्होंने ऋषि की भक्ति और श्रद्धा से प्रभावित होकर यमुना मां को आदेश दिया कि वे ऋषि के निवास स्थान पर स्थायी रूप से विराजमान हो जाएं। इसके बाद, जब ऋषि वहां पहुंचे तो यमुना मां उनके कमंडल में समा गईं और उनके साथ ही इस कुंड में स्थापित हो गईं। आज भी यह माना जाता है कि ऋषि कुंड में यमुना मां की उपस्थिति है और यहां स्नान करने से पापों का नाश होता है। देश-विदेश से श्रद्धालु इस पवित्र स्थल के दर्शन के लिए आते हैं और आत्मिक शांति प्राप्त करते हैं।

आज देश भी प्रसन्न है और सेना में तेज विराजा हुआ है

पहले मुकाबला योग्य लोगों से ही होता था। लेकिन इस दौर में अयोग्य लोगों से भी मुकाबला करना पड़ता है और तब चुनौती का स्वरूप बदल जाता है। पिछले दिनों जो गौरव हमारे देश को उपलब्ध हुआ, उसमें हनुमान जी को भी याद किया गया।

'सिंदूर' और हनुमान जी का बड़ा पुराना संबंध है। माता सीता को मांग में सिंदूर भरते देख हनुमान जी ने पूछा तो सीता जी ने उत्तर दिया- राम जी की आयु के लिए। बस, हनुमान जी ने तुरंत अपने शरीर पर सिंदूर पोत लिया। सिंदूर और हनुमान जी पर्याय हो गए। आज भी लोग हनुमान जी की प्रतिमाओं के सिंदूर को अपनी छाती, मस्तक पर लगाते हैं और उनको मनोबल प्राप्त होता है।

जब हनुमान जी लंका से लौटे तो वानरों ने उनको देखा और प्रसन्न हो गए। तब तुलसीदास जी ने एक पंक्ति लिखी- मुख प्रसन्न तन तेज बिराजा। हनुमान जी के चेहरे पर प्रसन्नता थी और तन में तेज था। इतना बड़ा काम करने के बाद भी थकावट के लक्षण नहीं थे। हमारे साथ भी ऐसा ही हुआ है। देश प्रसन्न है और सेना में तेज विराजा है।

मंदिर में कहीं आप भी तो नहीं करते ये गलतियां

मंदिर जाना न केवल एक धार्मिक या आध्यात्मिक कार्य है, बल्कि इसके कई मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक लाभ भी हैं। मंदिर का शांत और पवित्र वातावरण मन को स्थिर करता है और वहां की घंटियों की ध्वनि, मंत्रोच्चार और आरती की लय से मानसिक तनाव भी कम होता है। इसलिए मंदिर ना केवल पूजा स्थल हैं, बल्कि शांति और आध्यात्मिकता के केंद्र भी हैं। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, मंदिरों को देवी देवताओं का निवास स्थान माना गया है इसलिए शास्त्रों में मंदिर में ईश्वर के दर्शन करने के लिए कुछ विशेष नियम बताए गए हैं। आइए जानते हैं मंदिर में जाने के विशेष नियमों के बारे में...

जूते बाहर ही छोड़ें

मंदिरों में प्रवेश से पहले जूते उतारने की परंपरा है। यह न केवल स्वच्छता का प्रतीक है, बल्कि यह श्रद्धा और विनम्रता का भी संकेत है। अधिकांश मंदिरों के बाहर जूते रखने के लिए विशेष स्थान होते हैं, जहां आप उन्हें सुरक्षित रूप से रख सकते हैं। साथ ही हिंदू धर्म में गाय को पवित्र माना जाता है,

इसलिए कई मंदिरों में चमड़े से बने सामान जैसे बेल्ट, बटुए और बैग्स का उपयोग प्रतिबंधित होता है।

मोबाइल ले जाने से बचें

मंदिरों में आमतौर पर नो फोटोग्राफी की नीति होती है इसलिए आप कैमरा या फोन रखने से भी बचें। ऐसा करने से ईश्वर के दर्शन और ध्यान करने में कोई विघ्न ना आए। अगर आप फोन लेकर जा रहे हैं तो मोबाइल फोन को साइलेंट मोड में रखें और अनावश्यक कॉल्स या गेम्स से बचें, ताकि अन्य भक्तों की पूजा में विघ्न न आए।

स्वच्छ वस्त्र पहनें

मंदिरों में प्रवेश करते समय साफ कपड़े पहनना आवश्यक है। कुछ मंदिरों में विशिष्ट वेशभूषा का नियम भी हैं, अगर आप इन मंदिरों में जा रहे हैं तो इन नियमों का अवश्य पालन करें। महिलाओं के लिए कंधे और घुटने ढके हुए होने चाहिए, जबकि पुरुषों को भी शॉर्ट्स से बचना चाहिए। कुछ मंदिरों में सिर ढकने की भी आवश्यकता होती है, जैसे कि गुरुद्वारों में।

स्वच्छता का ध्यान रखें

कुछ भक्त मंदिर में प्रवेश से पहले स्नान करते हैं, जो स्वच्छता और मानसिक शुद्धता का प्रतीक है। हालांकि यह अनिवार्य नहीं है, लेकिन अगर आप मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं, तो हाथ धोना और स्वच्छ रहना अच्छा होता है। इससे मन में पवित्रता का भाव रहता है और ईश्वर के दर्शन व ध्यान करने में मन भी लगता है।

ईश्वर की परिक्रमा करें

मंदिरों के बाहर फूल, मिठाई और अगरबत्तियां बेचने वाले विक्रेता होते हैं। आप इन्हें भगवान को अर्पित करने के लिए खरीद सकते हैं। यह अनिवार्य नहीं है, लेकिन ईश्वर को कुछ ना कुछ अर्पित करने के लिए लोग लेते हैं। आप चाहें तो एक मात्र फूल भी ले सकते हैं क्योंकि भाव को देखता है ना कि आपने क्या अर्पित किया और क्या नहीं। मंदिर के गर्भगृह के चारों ओर दाहिनी दिशा में चलकर प्रदक्षिणा करना एक सामान्य प्रथा है। यह ध्यान और श्रद्धा का संकेत है।

पूजा विधि का पालन

मंदिर में क्या हो रहा है, यह देखें और समझें। विभिन्न लोग एक ही देवता की पूजा विभिन्न तरीकों से करते हैं। अगर आप कुछ अलग देख रहे हैं, तो उसका सम्मान करें क्योंकि ईश्वर केवल भाव देखता है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि कौन किस तरह पूजा कर रहा है। मंदिर की परिक्रमा हमेशा घड़ी की दिशा में करें, कभी भी वामावर्त नहीं। दान देने के लिए हुंडी (दानपेटी) या आरती थाली का उपयोग करें। यह मंदिर के निर्माण, सौंदर्यीकरण और तीर्थयात्रियों की सेवा में उपयोग होता है।

कान में पेरेंट्स को याद कर भावुक हुईं जैकलीन सुकेश मामले पर भी दिया बड़ा बयान

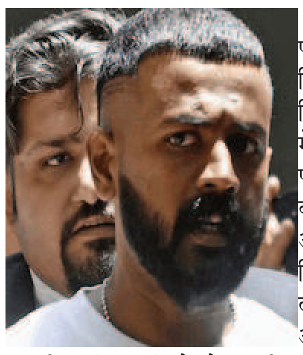

जैकलीन फर्नांडीज इन दिनों 78वें कान फिल्म फेस्टिवल में शामिल होने पहुंची हैं। रेड कार्पेट पर उन्होंने अपना जलवा बिखेरा है। इस दौरान जैकलीन ने अपने परिवार और अपनी दिवंगत मां को लेकर भी बात की। जैकलीन ने बताया कि मां के जाने के बाद वो पूरी तरह से टूट गई थीं। साथ ही जैकलीन ने ठग सुकेश को लेकर उनकी जिंदगी में होने वाली उथल-पुथल पर भी बात की।

मम्मी-पापा के साथ बिताए पलों को किया याद

जैकलीन ने अपने माता-पिता के साथ बिताए पलों और उनकी यादों को लेकर बात की। जैकलीन ने उस समय को साझा किया जब उनका पूरा परिवार इटली गया था, जहां वह अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म 'किल एम ऑल 2' की शूटिंग कर रही थीं। अभिनेत्री ने कहा, "मुझे यकीन ही नहीं हुआ। मैं जीन-क्लाउड वैन डैम के साथ शूटिंग कर रही थी। वह मेरे आइडियल। मुझे लगता है कि मेरा पूरा परिवार उनका बहुत बड़ा फैन था।

हमारे पास एक लेजर डिस्क थी। पापा इस बात पर अड़े थे कि अगर हमें जीन क्लाउड को देखना है, तो हमें उन्हें लेजर डिस्क पर देखना होगा। मेरे माता-पिता आए और उन्होंने कहा कि हम अपनी बेटी से प्यार करते हैं। हमे उस पर गर्व है। ये जीवन का हिस्सा है। ऐसे पलों में ही आपको लगता है कि संघर्ष, चुनौतियां सब कुछ इसीलिए था।"

मां के जाने के बाद टूट गई थीं जैकलीन

जैकलीन की मां का निधन इसी साल अप्रैल में हो गया था। एक्ट्रेस ने शेयर किया कि वह अपनी मां को खोने के बाद बुरी तरह से टूट गई थीं। लेकिन उन्हें अपने माता-पिता और परिवार से जो हिम्मत मिली, वह हमेशा उनके काम आई। मां को याद करते हुए जैकलीन ने कहा, "मैं खुशकिस्मत हूं कि उनके जाने से पहले मैं कुछ वक्त उनके साथ बिता पाई। मुझे हमेशा लगता है कि काश मैं और ज्यादा उनके साथ होती और कुछ कर पाती। शायद मैं अब भी नहीं मान पाई हूं कि वो नहीं हैं। वो मेरी सबसे बड़ी चीयरलीडर थीं।"

सुकेश के कारण पब्लिक स्क्रूटनी से गुजरीं जैकलीन

बातचीत के दौरान जैकलीन ने ठग सुकेश चंद्रशेखर के साथ अपने कथित रिलेशनशिप और जीवन में आई उथल-पुथल को लेकर भी बात की। हालांकि, इस बारे में उन्होंने खुलकर तो कुछ भी नहीं कहा। अभिनेत्री ने कहा कि इस सबके चलते उन्हें पब्लिक स्क्रूटनी का भी सामना करना पड़ा। ऐसे मुश्किल वक्त में अपने पेरेंट्स से मिले सपोर्ट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, "हम इंडस्ट्री में एक्टर के रूप में जिस दौर से गुजरते हैं, हमारे माता-पिता भी उससे गुजरते हैं। क्योंकि एक एक्टर होने के नाते आपसे जुड़ी सारी चीजें पब्लिक में हैं। माता-पिता के लिए हर चीज में आपका साथ देना बहुत मुश्किल होता है। मेरी मां को हमेशा मुझ पर गर्व था और वह हमेशा चाहती थीं कि मैं कोशिश करती रहूं और सपने देखती रहूं।"

तस्वीरें सामने आने के बाद जुड़ा था नाम

जैकलीन का नाम तब विवादों में आया जब उनकी कुछ रोमांटिक तस्वीरें ठग सुकेश चंद्रशेखर के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। सुकेश इस वक्त 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद है।

स्टेज पर रोने लगी शनाया कपूर, विक्रांत मैसी ने एक्ट्रेस को लेकर ऐसा क्या कहा?

हाल ही में शनाया कपूर ने एक अवॉर्ड फंक्शन में शिरकत की। इस अवॉर्ड फंक्शन में ऐसा कुछ हुआ कि वह रोने लगीं। विक्रांत मैसी भी स्टेज पर शनाया के साथ मौजूद थे। आखिर दोनों के बीच ऐसा क्या हुआ, जिससे ये सिचुएशन बन गई।

शनाया क्यों हुईं इमोशनल

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर जल्द ही फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। जुलाई के महीने में यह फिल्म रिलीज हो सकती है। इस फिल्म में शनाया के साथ विक्रांत मैसी भी होंगे। हाल ही में ये दोनों एक्टर्स जीसिने अवॉर्ड में शामिल हुए। इस अवॉर्ड फंक्शन में शनाया की डेब्यू फिल्म की एक टीजर दिखाया गया, जिसे देखकर वह इमोशन हो गईं और रोने लगीं।

विक्रांत ने शनाया के बारे में क्या कहा

इस अवॉर्ड फंक्शन के स्टेज पर शनाया के साथ विक्रांत मैसी भी खड़े थे। वह बोले, 'मुझे तुम पर गर्व है। तुम्हारे साथ काम करके काफी अच्छा लगा। आगे भी मैं तुम्हारे साथ और फिल्में करना चाहूंगा।' विक्रांत जैसे मंझे हुए एक्टर की ये बातें सुनकर शनाया कपूर और इमोशनल हो गईं, वह विक्रांत के गले लग गईं।

क्या है आंखों की गुस्ताखियां की कहानी

फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' रस्किन बॉन्ड की एक शॉर्ट स्टोरी 'द आइज हैव इट' पर बनी है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म में शनाया कपूर ने एक थिएटर कलाकार का रोल किया है, वहीं विक्रांत मैसी ने एक अंधे म्यूजिशियन का रोल निभाया है। शनाया की यह डेब्यू फिल्म है, इसके अलावा भी वह कुछ और फिल्मों का हिस्सा हैं। इन फिल्मों के नाम 'तू या मैं' और 'जेसी' है। विक्रांत के करियर फ्रंट की बात करें तो वह एक और फिल्म कर रहे हैं, जिसमें श्री श्री रविशंकर का रोल कर रहे हैं।

कभी पर्दे पर शेख हसीना बनकर छाई थीं अब हुईं गिरफ्तार अभिनेत्री नुसरत फारिया

बांग्लादेशी सिनेमा की सुपरस्टार मानी जाने वाली एक्ट्रेस नुसरत फारिया इन दिनों मुश्किलों में फंस गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेत्री को हाल ही में ढाका एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। एक्ट्रेस का नाम एक छात्र की हत्या की कोशिश के मामले में सामने आया है जिसके बाद उनके फैंस को बड़ा झटका लगा है।

कौन हैं नुसरत फारिया?

नुसरत फारिया ने अपना करियर एक रेडियो जॉकी और टेलीविजन प्रजेंटर के तौर पर शुरू किया था। जल्द ही उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और साल 2015 में बांग्लादेशी रोमांटिक फिल्म 'आशिकी' से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। उनकी पहली ही फिल्म हिट साबित हुई और इसके बाद उन्होंने 'हीरो 420', 'बॉस 2', 'प्रेमी ओ प्रेमी' और 'ऑपरेशन सुंदरबन' जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया।

शिक्षा में भी टॉप, लंदन से ली लॉ डिग्री

ग्लैमर की दुनिया में नाम कमाने के साथ-साथ फारिया ने पढ़ाई में भी खुद को साबित किया। उन्होंने लंदन यूनिवर्सिटी से लॉ की डिग्री ली है। खूबसूरती के साथ-साथ एक्ट्रेस की एक्टिंग की वजह से भी उन्हें पहचाना जाता है।

शेख हसीना का निभाया किरदार

फारिया के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि साल 2023 में आई बायोपिक 'मुजीबः द मेकिंग ऑफ ए नेशन' रही, जिसमें उन्होंने शेख हसीना का किरदार निभाया। श्याम बेनेगल के निर्देशन में बनी इस भारत-बांग्लादेश को-प्रोडक्शन फिल्म ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। दर्शकों और आलोचकों ने उनके अभिनय की जमकर तारीफ की।

गंभीर मामले में फंसी एक्ट्रेस

अभिनेत्री नुसरत फारिया अब एक कानूनी पेंच में उलझ चुकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें ढाका एयरपोर्ट से उस वक्त गिरफ्तार किया गया जब वह थाईलैंड के लिए उड़ान भरने जा रही थीं। उनके खिलाफ वतारा इलाके में एक छात्र की हत्या की कोशिश के मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी था। ये मामला 2024 के सरकार विरोधी प्रदर्शनों से जुड़ा है, जब देशभर में हिंसा भड़क उठी थी। इस केस में फारिया समेत 17 लोगों को आरोपी बनाया गया है।

अधर में लटके नुसरत के 6 प्रोजेक्ट्स?

गौरतलब है एक्ट्रेस नुसरत फारिया के 6 अपकमिंग प्रोजेक्ट्स हैं, जो पर्दे पर रिलीज होने वाले थे। वहीं अब उनकी गिरफ्तारी ने उनके करियर पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। फिलहाल, पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है और मामला न्यायिक प्रक्रिया में है।

रश्मिका संग रिलेशनशिप की अफवाहों पर क्या बोले विजय देवरकोंडा? गिनाई अभिनेत्री की ये खूबियां

साउथ अभिनेता विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना अपने कथित रिलेशनशिप की वजह से सुर्खियों में बने रहते हैं। दोनों सितारों ने 'गीता गोविंदम' और 'डियर कॉमरेड' जैसी फिल्मों में एक साथ काम भी किया है। हाल ही में विजय देवरकोंडा ने एक इंटरव्यू में अपने और रश्मिका के

रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात की।

रिलेशनशिप अफवाहों को लेकर क्या बोले विजय?

फिल्मफेयर से बातचीत में जब अभिनेता से पूछा गया कि इंडस्ट्री के अंदरूनी लोग अक्सर उन दोनों के लिंक की बात करते हैं, क्या ये अफवाहें सच हैं? इसके जवाब में विजय ने कहा, 'ये अंदरूनी लोगों से पूछें।' रश्मिका से अपनी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री के बारे में कहा, 'मैंने रश्मिका के साथ पर्याप्त फिल्में नहीं की हैं। मुझे और करनी चाहिए। वह एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं। वह एक खूबसूरत महिला हैं। इसलिए केमिस्ट्री कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।'

रश्मिका की बताई ये खूबियां

इसके अलावा विजय देवरकोंडा ने रश्मिका की खूबियों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'वह बहुत मेहनती हैं। वह अपनी इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प से किसी भी चीज को हरा सकती हैं। वह बहुत दयालु हैं और खुद से पहले दूसरों की सुविधा और खुशी को प्राथमिकता देती हैं। हालांकि, उन्हें थोड़ा संतुलन बनाने की जरूरत है।'

वहीं, जब अभिनेता से पूछा गया कि क्या वह शादी करने की योजना बना रहे हैं? इस पर विजय ने कहा, 'किसी दिन मैं जरूर शादी करूंगा।'

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना का वर्क फ्रंट

विजय देवरकोंडा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह 'वीडी 14' और 'एसवीसी 59' में नजर आएंगे। किंगडम इस महीने रिलीज होने वाली थी, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण इसे 4 जुलाई, 2025 तक के लिए टाल दिया गया है। वहीं, रश्मिका मंदाना के पास 'कुबेर', 'द गर्लफ्रेंड', 'थामा' और 'रेनबो' जैसी फिल्में हैं।

रिटायरमेंट की चर्चाओं के बीच अजित कुमार ने की अगली फिल्म की घोषणा, बताया कब शुरू करेंगे शूटिंग

तमिल सुपरस्टार अजित कुमार फिल्मों के साथ-साथ रेसिंग में भी काफी सक्रिय रहते हैं। कार रेसिंग के प्रति उनकी बढ़ती सक्रियता के कारण बीच में उनको लेकर ऐसी खबरें भी आईं कि वो फिल्मों से संन्यास लेने का सोच रहे हैं। हालांकि, इन चर्चाओं के बीच अब अजित कुमार ने अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर दी है। जिसके बाद उनके रिटायरमेंट की खबरें सिर्फ अफवाह साबित हुई हैं।

अगले साल नई फिल्म लाने की तैयारी में अजित कुमार

अभिनेता ने बताया कि किस तरह से वो अपने दो पैशन सिनेमा और मोटरस्पोर्ट के बीच संतुलन बनाने की तैयारी कर रहे हैं। अभिनेता ने कहा, "यूरोप में हमारा रेसिंग सीजन मार्च में शुरू होता है और अक्टूबर में समाप्त होता है। जनवरी में दुबई में होने वाली एक बार की रेस को छोड़कर। अगर मैं नवंबर से फरवरी के बीच एक फिल्म बना पाता हूं, तो मैं हर साल एक फिल्म रिलीज करूंगा। साथ ही अपने रेसिंग प्रोग्राम पर भी ध्यान केंद्रित करूंगा। मैं इस साल नवंबर में एक नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करूंगा, जो उम्मीद है कि अप्रैल या मई 2026 के आसपास रिलीज होगी।" हालांकि अभी तक अजित कुमार की अगली फिल्म के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

अपने साथ काम करने वाले निर्माता-निर्देशकों का जताया आभार

इस दौरान अजित कुमार ने अपने इतने लंबे करियर में अपनी सफलता के लिए अपने साथ काम करने वाले निर्माताओं-निर्देशकों को श्रेय दिया। एक्टर ने कहा, "मैं ऐसे फिल्म निर्माताओं-निर्देशकों के साथ काम करने पर खुद को भाग्यशाली मानता हूं जो मेरे लक्ष्यों को समझते हैं और उनका समर्थन करते हैं।"

बॉक्स ऑफिस पर सफल हुई 'गुड बैड अग्ली'

अजित कुमार आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'गुड बैड अग्ली' में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। आदिक रविचंद्रन द्वारा निर्देशित फिल्म में तृष्णा कृष्णन, अर्जुन दास, सुनील, प्रभु, प्रसन्ना, कार्तिकेय देव और प्रिया प्रकाश वारियर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

फैमिली से हटकर अनन्या की अचीवमेंट पर इस खास शख्स ने जाहिर की खुशी

हाल ही में वॉकर ब्लैंको नाम के एक शख्स ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अनन्या पांडे की हालिया एक अचीवमेंट को लेकर पोस्ट किया। बताते चलें कि अनन्या पांडे का नाम हाल ही में फोर्ब्स (इंटरनेशनल बिजनेस मैगजीन) की 30 अंडर 30 की एशिया लिस्ट में शामिल हुआ। एक्ट्रेस की इसी अचीवमेंट पर वॉकर ब्लैंको काफी खुश हैं। आखिर क्या नात है अनन्या पांडे का वॉकर ब्लैंको से, जानिए?

वॉकर ने इस पोस्ट को लगाने के अलावा इस पर रिएक्ट भी किया है, उन्होंने ताली बजाने वाली इमोजी इस पोस्ट के साथ साझा किया है।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड हैं वॉकर ब्लैंको

पिछले कुछ समय से एक्ट्रेस अनन्या पांडे का नाम वॉकर ब्लैंको के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को अक्सर डेट पर साथ भी देखा गया है। पिछले दिनों भी मुंबई के एक रेस्तरां में दोनों को साथ देखा गया। पैपराजी ने इनकी फोटो भी क्लिक की थी।

कब-कहां मिले अनन्या-वॉकर ब्लैंको

मॉडलिंग से करियर शुरू करने वाले वॉकर ब्लैंको एक एनिमल लवर भी हैं। इन दिनों वह जामनगर, गुजरात में अंबानी परिवार के वंतारा से जुड़े हुए हैं। वंतारा में वह जानवरों की केयर का जिम्मा संभालते हैं। अनन्या पांडे और वॉकर ब्लैंको को भी पहली बार अनंत अंबानी की शादी में साथ देखा गया था। इस शादी से दोनों की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं।

अनन्या पांडे का करियर फ्रंट

हाल ही में अनन्या पांडे अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी 2' में नजर आईं। इस फिल्म में एक्ट्रेस ने एक वकील का रोल किया था। फिल्म 'केसरी 2' जलियांवाला बाग के नरसंहार पर आधारित एक कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म थी। इस साल भी अनन्या पांडे एक फिल्म 'चांद मेरा दिल' कर रही हैं।

कमल हासन के साथ किसिंग सीन से चर्चा में तृषा ऐसा रहा एक्ट्रेस का अफेयर से सगाई टूटने तक का सफर

साउथ सुपरस्टार कमल हासन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ठग लाइफ' का हाल ही में ट्रेलर लॉन्च किया गया। इस फिल्म में एक सीन देख कर नेटिजंस भड़क गए हैं। इस सीन में अभिनेत्री तृषा कृष्णन और अभिनेता कमल हासन के बीच रोमांटिक सीन दिखाया गया है, जिसमें दोनों के बीच किसिंग सीन को फिल्माया गया है। इस कारण से सोशल मीडिया पर यूजर्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। आइए जानते हैं तृषा कृष्णन के बारे में कि वो कब-कब चर्चाओं में रहीं।

दलपति विजय के साथ अफेयर

साउथ अभिनेत्री तृषा कृष्णन और साउथ सुपरस्टार दलपति विजय के अफेयर्स की खूब चर्चाएं हुईं थीं। विजय और तृषा को पहली बार साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म 'घिल्ली' में देखा गया था, जो एक शानदार फिल्म साबित हुई थी। इसके बाद भी दोनों कई फिल्मों में साथ नजर आए। साल 2008 के बाद दोनों के बीच अफेयर्स की अफवाहें सामने आईं। इसी के बाद लगभग 15 सालों तक दोनों ने साथ में कोई फिल्में नहीं कीं। इसके बारे में मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि विजय के परिवार ने उन्हें तृषा

के साथ काम करने के लिए मना किया था। हालांकि, 15 सालों बाद 2024 में दोनों 'लियो' फिल्म में फिर एक साथ नजर आए। इसके अलावा अभिनेत्री ने उन्हें 2024 में अलग अंदाज में बर्थडे विश किया था, जिसने कई अफवाहों को फिर से तूल दे दी थी।

राणा दग्गुबाती के साथ चली थी लव स्टोरी

अभिनेता और फिल्म निर्माता राणा दग्गुबाती के साथ भी अभिनेत्री तृषा कृष्णन के अफेयर की खबरें सामने आईं थीं। यह अफवाह इतनी फैली कि उनके फैंस को लगा कि ये दोनों शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्तों की आधिकारिक घोषणा नहीं की थीं, लेकिन सार्वजनकि तौर पर उनकी गतिविधियां बहुत कुछ बयां कर देती थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करण जौहर के साथ एक इंटरव्यू में करण ने राणा दग्गुबाती से तृषा कृष्णन के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा, तो अभिनेता ने स्वीकार किया कि वे डेटिंग कर रहे थे। हालांकि, उनके बीच चीजें ठीक नहीं रहीं, इस वजह से वो अलग हो गए थे।

चेन्नई के एक व्यवसायी से की सगाई

कहा जाता है राणा दग्गुबाती से ब्रेकअप के बाद अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने साल 2015 में चेन्नई के एक व्यवसायी वरुण मनियन से सगाई कर ली थी। हालांकि, बाद में अभिनेत्री की सगाई टूट गई थी। कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कहा गया कि वरुण के पिता अपने बेटे की शादी तृषा से करने के फैसले के खिलाफ थे, क्योंकि वह चाहते थे कि उनके परिवार में समान पृष्ठभूमि से कोई बहू आए। हालांकि, एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनकी सगाई इसलिए टूटी, क्योंकि वरुण उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए कह रहे थे।

तृषा कृष्णन के बारे में

एक्ट्रेस तृषा कृष्णन अभिनेता कमल हासन अभिनीत फिल्म ठग लाइफ में नजर आएंगी, जिसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। 'ठग लाइफ' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह गैंग्स्टर एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्देशन मणिरत्नम कर रहे हैं। इस फिल्म की स्क्रिप्ट को कमल हासन और मणिरत्नम ने मिलकर लिखा है। फिल्म में कमल हासन और तृषा के अलावा सिलाम्बरासन, अशोक सेलवन, नस्सर, अली फजल, पंकज त्रिपाठी सान्या मल्होत्रा और ऐश्वर्या लक्ष्मी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

करीब 60% युवा 'टेक्स्ट नेक' की समस्या का शिकार, जानिए क्यों बढ़ती जा रही है ये दिक्कत

लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम काफी तेजी से बढ़ता जा रहा है, युवाओं में टेक्सट नेक की समस्या ऐसी ही है। रिपोट्र्स बताते हैं कि करीब 60% युवा इस समस्या से या तो परेशान हैं या फिर कभी न कभी इसका शिकार रह चुके हैं।

टेक्स्ट नेक सिंड्रोम, स्मार्टफोन के लंबे समय तक इस्तेमाल के कारण होने वाली दिक्कत है। खराब पॉश्चर में या फिर लंबे समय तक गर्दन को झुकाकर मोबाइल फोन चलाते रहने, रील्स देखते रहने की आदत गर्दन में दर्द और जकड़न बढ़ाने वाली हो सकती है। कुछ स्थितियों में ये समस्या काफी असहज कर देने वाली हो सकती है जिसके कारण आपके लिए दैनिक जीवन के कामकाज भी कठिन हो सकते हैं।

टेक्स्ट नेक की ये समस्या कितनी खतरनाक हो सकती है, इससे बचे रहने के लिए कौन से उपाय किए जाने चाहिए? आइए इन सबके बारे में विस्तार से समझते हैं।

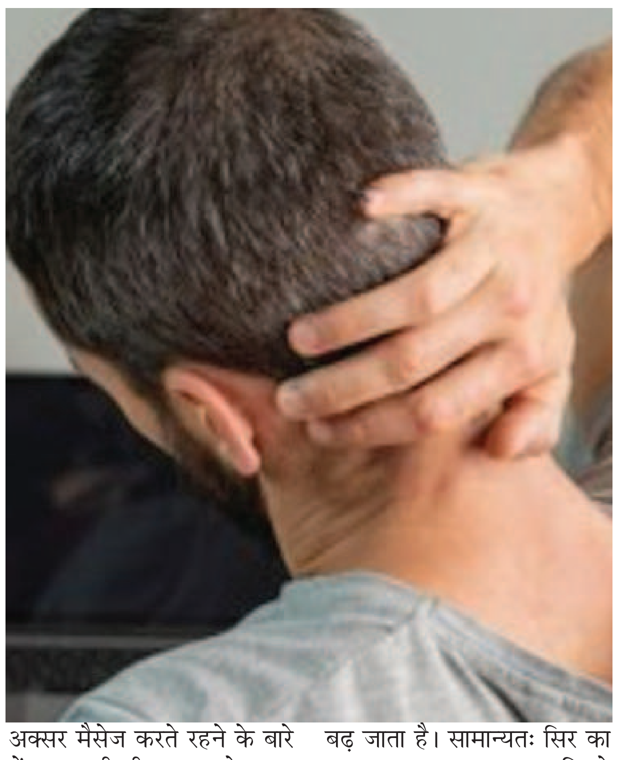

15-20 वर्ष की आयु वालों में बढ़ रहा है खतरा

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड रिसर्च (आईजेएचएसआर) ने एक रिपोर्ट में बताया कि 15-20 वर्ष की आयु वाले लोग गर्दन में इस तरह की तकलीफ के लिए सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं।

पश्चिमी अफ्रीका के बेनिन में 1835 छात्रों के बीच किए गए अध्ययन में पाया गया कि 74.55% ने मोबाइल के जरिए अक्सर मैसेज करते रहने के बारे में जानकारी दी। समय के साथ इसमें से 1000 से अधिक ने गर्दन में दर्द की शिकायत की। जिन लोगों ने 1 घंटे में चार-पांच बार स्मार्टफोन का उपयोग किया, उनमें ये खतरा अधिक देख गया।

टेक्स्ट नेक के कारणों को जानिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, टेक्स्ट नेक आधुनिक युग की एक आम स्वास्थ्य समस्या है। गर्दन और रीढ़ की हड्डी को झुकाकर लंबे समय तक स्क्रीन देखने रहने से इसका खतरा हो सकता है। इससे मांसपेशियों और हड्डियों पर दबाव बढ़ता है।

जब हम सिर झुकाते हैं, तो गर्दन के मोड वाले हिस्से पर भार बढ़ जाता है। सामान्यतः सिर का वजन लगभग 4.5-5.5 किलो होता है, लेकिन जब उसे 60 डिग्री झुकाया जाता है, तो इसका भार गर्दन के झुकाव पर 25 किलो तक हो सकता है। इस तरह से ये गर्दन में दर्द, मांसपेशियों की समस्याओं को बढ़ाने वाला हो सकता है।

कहीं आप भी तो नहीं हो गए हैं इसका शिकार?

चूंकि हम सभी लोग नियमित रूप से मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते रहते हैं और टेक्स्ट नेक की समस्या युवाओं में तेजी से बढ़ती जा रही है इसलिए सभी लोगों को इसके लक्षणों पर ध्यान देते रहना चाहिए।

गर्दन में दर्द और अकड़न, कंधों और ऊपरी पीठ में जकड़न जैसा महसूस होना, सिरदर्द में दर्द रहना, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और हाथों में झनझनाहट या सुन्नता (कभी-कभी) की समस्या रहती है तो समय रहते इसका निदान और उपचार जरूर करा लें।

किन लोगों में टेक्स्ट नेक का खतरा अधिक होता है?

मोबाइल और टैबलेट का अत्यधिक उपयोग करने वाले लोगों में ये समस्या ज्यादा देखी जाती है।

साल 2020 के एक अध्ययन के अनुसार, 18 से 35 वर्ष के युवा जो औसतन दिन में 3–5 घंटे मोबाइल पर बिताते हैं, उनमें टेक्स्ट नेक के लक्षण अधिक पाए जाते हैं।

ऑफिस कर्मचारी जो लगातार लैपटॉप या कंप्यूटर पर झुककर काम करते रहते हैं उनमें भी ये दिक्कत हो सकती है।

सिर का झुकाव जितना अधिक होता है, गर्दन पर उतना ही अधिक दबाव पड़ता है।

इस तरह की समस्या से बचे रहने के लिए मोबाइल या लैपटॉप स्क्रीन को आंखों के समांतर रखने की आदत डालें। ऑफिस में काम करते हैं तो हर 20 मिनट में ब्रेक लें और स्ट्रेचिंग करें। गर्दन और कंधे की एक्सरसाइज करें ताकि मांसपेशियों में जकड़न न होने पाए। अगर ये समस्या आपको लंबे समय से बनी है तो समय रहते किसी डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

चाहिए गहरा-काला रंग तो मेहंदी में ये चीजें मिलाकर बालों में करें अप्लाई

आज के समय में लोगों की बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल का असर सीधा उनकी सेहत के साथ-साथ उनकी त्वचा और बालों पर पड़ता है। कम उम्र में ही युवाओं के बाल सफेद होने लगे हैं, जिसकी वजह से वो टेंशन में आ गए हैं। सफेद बालों को काला करने के लिए लिए वैसे तो बाजार में तमाम तरह के कलर आते हैं, लेकिन ये रंग बालों को खराब भी कर सकते हैं।

इसलिए आज भी युवा बालों का रंग काला करने के लिए मेहंदी का इस्तेमाल करते हैं। सिर्फ मेहंदी के इस्तेमाल से बाल काले नहीं होते हैं, इसके लिए आपको कुछ नुस्खे आजमाने पड़ेंगे। यहां हम आपको इन्हीं नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं। ताकि आप बिना टेंशन लिए अपने बालों को कलर कर पाएं। इसके लिए आपको मेहंदी में कुछ चीजें अप्लाई करनी हैं।

कॉफी

कॉफी का इस्तेमाल से आपके बाल न सिर्फ काले होंगे, बल्कि इससे बालों की जड़ें भी मजबूत बनेंगी। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले तो एक कटोरी में मेहंदी पाउडर लें। अब इसमें दो से तीन चम्मच कॉफी पाउडर मिक्स करें। दोनों चीजों का पेस्ट तैयार करके अब इसे अपने बालों में अप्लाई करें। आधे घंटे के बाद बालों को धो लें। इससे बालों का रंग प्राकृतिक रूप से काले हो जाएंगे।

चाय

हर भारतीय रसोई में चाय की पत्ती तो आसानी से मिल ही जाती है। ऐसे में इसके इस्तेमाल से भी अपने बालों को काला कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले कटोरी में मेहंदी पाउडर लेकर उसमें चाय की पत्ती का पानी डालें। ध्यान रखें कि चाय का पानी तैयार करने के लिए उसे काफी देर तक खौलाएं, ताकि इसका रंग अच्छा दिखे। इससे भी आपके बाल काले हो जाएंगे।

कत्था

हम यहां उसी कत्थे की बात कर रहे हैं, जो पान में यूज होता है। इससे मेहंदी में शानदार कलर आता है। इसे मेहंदी में मिक्स करने के लिए कत्था को कूटकर इसका दरदरा पाउडर बना लें। अब इसे मेहंदी पाउडर में मिलाकर पेस्ट बनाएं और बालों में लगा लें। ये बालों को प्राकृतिक रूप से काला रखने में मदद करता है।

आंवला

यदि आपके पास आंवला पाउडर रखा है, तो इसका इस्तेमाल भी आप बालों को काला करने के लिए कर सकते हैं। ये बालों को पोषण देकर बालों का रंग गहरा काला करता है। इसके इस्तेमाल के लिए मेहंदी पाउडर में आंवला पाउडर मिक्स करें और फिर उसका पेस्ट तैयार कर लें। अब इसका इस्तेमाल अपने बालों में करें और एक घंटे के बाद बालों को धो लें।

नींबू

मेहंदी में नींबू का रस इस्तेमाल करने से पहले एक बार ये चेक कर लें कि कहीं आपको नींबू से एलर्जी तो नहीं है। यदि एलर्जी नहीं निकलती है तो मेहंदी पाउडर में नींबू का रस मिक्स करें और उसे बालों में अप्लाई करें।

गर्मी से बेजान हो गई है त्वचा तो अपनाएं ये नुस्खे, खिल उठेगी आपकी स्किन

कौन नहीं चाहता कि उसकी त्वचा खिली-खिली रहे। लेकिन गर्मी के मौसम में चेहरा अपने आप डल होने लगती है। दरअसल, गर्मी में तेज धूप और पसीने से त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में स्किन का सही तरीके से ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है।

डल स्किन को हटाने के लिए वैसे तो महंगी-महंगी क्रीमें बाजार में मिलती हैं, लेकिन कई बार ये असर नहीं दिखातीं। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताएंगे, जिनके इस्तेमाल से आपकी स्किन की खोयी हुई रंगत फिर से वापस आ जाएगी।

एलोवेरा जेल लगाएं

गर्मी से त्वचा बेजान हो रही है तो एक बार पैच टेस्ट करने के बाद दिन में कम से कम दो बार एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें। एलोवेरा त्वचा को ठंडक देता है, हाइड्रेट करता है और डलनेस दूर करता है। इसलिए आप बिना सोचे इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

आलू का रस

यदि गर्मी से चेहरे पर काले धब्बे और टैनिंग हो रही है तो उसके लिए आलू का रस आपकी मदद करेगा। इसके लिए आलू को कद्दूकस करके उसका रस निकाल लें और फिर उसे चेहरे पर अप्लाई करें।

नींबू और शहद का फेसपैक

चेहरे की डलनेस को दूर करने के लिए इस पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। नींबू ब्लीचिंग का काम करता है और शहद त्वचा को मॉइस्चराइज करता है। ऐसे में सबसे पहले तो एक कटोरी में शहद लें। इसके बाद इसमें नींबू का रस मिक्स करें।

गुलाब जल

दिन में बीच-बीच में गुलाब जल को चेहरे पर स्प्रे करते रहें। ये एक अच्छे टोनर के रूप में काम करता है। इसका इस्तेमाल आप सीटीएम रूटीन में भी फॉलो कर सकते हैं। गुलाब जल आपके चेहरे को हाइड्रेट भी रखेगा।

दूध और हल्दी

हल्दी एंटीसेप्टिक है और दूध स्किन को सॉफ्ट व ब्राइट बनाता है। इसलिए बेझिझक इस मिश्रण को इस्तेमाल करें। दूध चेहरे की टैनिंग को हटाने में भी आपकी मदद करेगा। इसलिए हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का इस्तेमाल करें, और अपनी स्किन को चमकाएं।

पपीता और शहद

पपीते में मौजूद एंजाइम्स मृत कोशिकाएं हटाकर रंगत को बेहतर बनाते हैं। इसका पैक तैयार करने के लिए पपीते को अच्छी तरह से मैश करें। इसके बाद उसमें थोड़ा सा शहद मिलाएं और फिर इसे अपनी स्किन पर 20 मिनट के लिए लगाएं। 20 मिनट के बाद चेहरे को धो दें।

बर्फ

कई बार स्किन पर सनबर्न हो जाता है, जिस कारण चेहरा अपने आप ही डल दिखने लगता है। इसलिए बर्फ से स्किन की सिकाई करें। इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और त्वचा में इंस्टेंट चमक आती है। इसका इस्तेमाल आप हफ्ते में कम से कम 4 बार कर सकते हैं।

किडनी में स्टोन का शक है? कैसे लगाएं इसका पता

किडनी में स्टोन (पथरी) की समस्या सभी उम्र के लोगों में बढ़ती हुई देखी जा रही है, यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को इससे बचाव के लिए उपाय करते रहने की सलाह देते हैं। डॉक्टर बताते हैं कि खान-पान और लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के कारण ये समस्या बच्चों को भी प्रभावित कर रही है।

मायो क्लिनिक की रिपोर्ट से पता चलता है कि डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) किडनी में स्टोन होने का सबसे बड़ा कारण है। इसके अलावा जिन लोगों के शरीर में फैट बढ़ने लगता है उनको भी ये दिक्कत हो सकती है।

क्या आपको भी लगता है कि कहीं आपकी किडनी में तो स्टोन नहीं हो गया है? इसकी पहचान कैसे की जाए, आइए जानते हैं।

किडनी में स्टोन का खतरा

अगर किडनी में स्टोन होने का शक है तो इसके लक्षणों पर ध्यान देना सबसे जरूरी हो जाता है। इस बारे में जानने से पहले ये समझ लेना जरूरी है कि आखिर किडनी स्टोन होता क्यों है?

किडनी स्टोन ठोस खनिज और लवणों के जमाव से बनती है। यूरिन में मौजूद रसायन और अन्य तत्व जैसे कैल्शियम, ऑक्सलेट, यूरिक एसिड आदि के अत्यधिक जमाव के कारण भी किडनी में स्टोन होने का खतरा बढ़ जाता है।

किडनी में स्टोन होने पर आपको कई तरह की दिक्कतें होनी शुरू हो जाती हैं, जिनपर ध्यान देकर आप पता कर सकते है कि कहीं आपको भी तो ये दिक्कत नहीं हो रही है।

किडनी स्टोन में क्या दिक्कतें होती है?

अगर आपकी किडनी में पथरी हो रही है तो सबसे पहले आपको पेट में तेज दर्द होता है। ये दर्द कमर के निचले हिस्से, पेट के एक ओर या पीठ में अचानक और तीव्र हो सकता है। इसके साथ कुछ अन्य लक्षणों पर भी ध्यान देना जरूरी है।

दर्द अक्सर लहरों जैसी होती है, कभी बहुत ज्यादा, कभी कुछ कम।

स्टोन के कारण पेशाब में तकलीफ जैसे पेशाब करते समय जलन या दर्द हो सकता है।

बार-बार पेशाब आना, लेकिन कम मात्रा में पेशाब होना भी किडनी स्टोन का संकेत हो सकता है।

इन तथ्यों को भी जानिए

अध्ययनों से पता चलता है कि 80% किडनी स्टोन कैल्शियम ऑक्सलेट के कारण होते हैं, जिसका मतलब है कि अगर आप अपने आहार में कैल्शियम ऑक्सलेट वाली चीजों की मात्रा कम कर लेते हैं तो इससे किडनी में स्टोन होने का खतरा भी कम किया सकता है।

इसी तरह नेशनल किडनी फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, यदि किसी को एक बार स्टोन हुआ है, तो 50% आशंका होती है कि उसे अगले 5–10 वर्षों में दोबारा ये खतरा हो सकता है।

इस तरह के जोखिमों को ध्यान में रखते हुए सभी लोगों को अलर्ट रहना चाहिए।

किडनी स्टोन से बचे रहने के लिए क्या करें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि किडनी में स्टोन बनने के खतरे को कम करने के लिए सबसे जरूरी है भरपूर मात्रा में पानी पीते रहना। दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी (दिन में 2.5 से 3 लीटर) पिएं। इसके अलावा अपनी डाइट पर ध्यान दें।

ज्यादा नमक, ऑक्सलेट युक्त चीजें (पालक, बीट्स, चाय आदि) कम से कम खाएं। कई अध्ययन बताते हैं कि खुद से दर्द निवारक लेते रहना भी किडनी में पथरी होने के खतरे को बढ़ा देता है।

उंगलियों और जोड़ों में बहुत दर्द होता है

प्रश्न : मेरी उम्र 33 वर्ष है। डॉक्टरों के अनुसार मुझे गाउट है। उंगलियों और जोड़ों में बहुत दर्द होता है कृपा कर इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- ए योगेंद्र, करीमनगर

उत्तर : आयुर्वेद में गाउट को ₹वातरक्त₹ कहते हैं। सामान्य भाषा में ₹गठिया रोग₹ कहते हैं। इसमें और संधिवात में सबसे बड़ा फर्क है सिरम यूरिक एसिड के स्तर का बढ़ना। वात रक्त में रक्त में यूरिक एसिड का स्तर स्त्रियों में 7 से ऊपर रहता है और पुरुषों में 6.5 से ऊपर रहता है। यूरिक एसिड के क्रिस्टल्स जोड़ों में जमा होने लगते हैं और काफी दर्द देते हैं। शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने की वजह - गुर्दे का शरीर में मौजूद यूरिक एसिड को पेशाब के जरिए शरीर के बाहर नहीं निकाल पाना है। कई तरह के पदार्थ जैसे सभी प्रकार की दालें, डिब्बे वाले जूस, मांसाहारी भोजन, सीफूड, मशरूम, मटर, बींस आदि यूरिक एसिड को बढ़ाते हैं। अतः इनसे दूर रहें। ऑलिव ऑयल (जैतून का तेल), इसबगोल, ओट्स, टमाटर, अंगूर, चेरी, मेवें, कद्दू, तुरई, घिया, खीरा, करेले, भिंडी, कुंदुरु, परवल, पुराने चावल, जवारी, गेहूं आदि का प्रयोग गाउट में हितकारी है।

ऊंझा अमृता गुग्गुलु, ऊंझा कैशोर गुग्गुलु, संशमनी वटी, ऊंझा अमृतारिष्ट, महारास्नादि काढ़ा आदि का प्रयोग वात रक्त में उपयोगी है। गिलोय तुलसी रस निराहार सुबह और भोजन पूर्व संध्या को 30 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने पानी के संग मिलाकर प्रयोग करते रहने से वात रक्त पूरा ठीक होता है। दर्द वाले स्थान पर पिंड तेल लगाने से या उसकी हल्की मालिश करने से काफी आराम मिलता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 24 वर्ष है। माहवारी के दौरान पेट व कमर से बहुत कष्ट पाती हूं। क्या आयुर्वेद में इसका उपचार है?

- सुश्री वसुंधरा राव,विकाराबाद

उत्तर : कई लड़कियों व स्त्रियों में गर्भाशय के अवयव में सूजन, पेट में आफरा , उदर व पैरों में भारीपन एवं हारमोंस के बदलाव के चलते मासिक धर्म के पहले और मासिक धर्म चलते समय पेट व पीठ में भयंकर दर्द होता है। इसे आसानी से दूर किया जा सकता है। गायनोसिन कैप्सूल मासिक धर्म से 7-8 दिन पहले दो-दो कैप्सूल की मात्रा में गर्म पानी से लेने पर तुरंत लाभ होता है। और अधिक व स्थाई लाभ के लिए इसे ऊंझा सुंदरी संगिनी सैरप या ऊंझा अशोकारिष्ट के साथ लेवे। इसके प्रयोग से अनार्तव, कष्टार्तव और रजोवरोध से संबंधित विकारों में तुरंत लाभ होता है।

खून की कमी, पीठ का दुखना, थकावट और कमजोरी दूर होकर स्त्री शरीर में नवजीवन का संचार होता है। सारी चिकित्सा योग्य आयुर्वेद चिकित्सक की निगरानी में ही करवाएं। प्रशांत का रितुदा भी इसमें अति उपयोगी है।

प्रश्न : मेरे कूल्हों में बहुत दर्द रहने लगा है। एक्स-रे की रिपोर्ट के अनुसार कूल्हों की संधियों में संधि अवकाश छोटा हो गया है। क्या मुझे अंकेलोजिंग स्पोंडिलाइटिस हो गया है या आमवात? कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- रामनिरंजन शर्मा,सिकंदराबाद

उत्तर : आपने जिन रोगों के नाम लिए हैं- इन दोनों में जीवन भर ही मैनेजमेंट जरूरत पड़ती है। तभी मुश्किल से संधियों में लचीलापन बना रहता है। साथ ही शरीर की आकृति में विकृति नहीं आती। आपके वर्णन से एक बात और स्पष्ट हो रही है कि रोग अभी प्रारंभिक अवस्था में ही है। नित्य हल्का शारीरिक व्यायाम करना जरूरी है । पीड़ा वाली संधियों पर महाविषगर्भ तेल या गुनगुना करके ऊंझा महानारायण तेल की नित्य मालिश करें। बैठने और सोने के पोश्चर को सही करें । ध्यान रहे कि किसी भी परिस्थिति में आप कब्जियत के शिकार न बने। उसके लिए आमदोषपाचन और निर्हरण हेतु ऊंझा निरोग चूर्ण या औरा लैक्ज़ोल पाउडर का प्रयोग करें । ऊंझा सिंहनाद गुग्गुलु, आमवातारी रस का प्रयोग संधि में लचीलापन व दर्द को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। औरा सल्लकी टिकिया, रुमाटाइज टिकिया व महावातविध्वंसन रस का प्रयोग भी लाभकारी होता है। भोजन के बाद ऊंझा महारास्नादि क्वाथ 15 मीलीलीटर को 30 मिलीलीटर गुनगुने पानी में मिलाकर लेने से काफी लाभ मिलता है । यह सारे चिकित्सा कर्म दक्ष आयुर्वेद चिकित्सक की निगरानी में ही और उनके परामर्श के अनुसार ही करने चाहिए।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

हर इंसान की दिनचर्या में जरूर होनी चाहिए ये चार सरल आदतें, बीमारियों से रहेंगे दूर

आज की भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में खुद को स्वस्थ रखना एक बहुत बड़ी चुनौती बन गया है। हमारी अनियमित दिनचर्या, काम का बढ़ता दबाव और खानपान की गलत आदतें सीधे तौर पर हमारी सेहत पर पड़ता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम सेहतमंद रह ही नहीं सकते। अच्छी बात यह है कि आप अपनी जीवनशैली में बहुत बड़े बदलाव किए बिना भी स्वस्थ रह सकते हैं।

कुछ छोटी आदतें आप अपनी लाइफस्टाइल में शामिल कर लें, तो आप न सिर्फ शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनेंगे और कई तरह की बीमारियों से खुद को दूर रख पाएंगे। आइए इस लेख में ऐसे ही चार मुख्य आदतों के बारे में जानते हैं।

सुबह की धूप में आधा घंटा बिताएं

सुबह की हल्की धूप विटामिन डी का प्राकृतिक स्रोत है, जो हड्डियों, इम्यूनिटी और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। रोजाना सुबह 15-30 मिनट धूप में बिताने से मन हल्का होता है और डिप्रेशन और तनाव जैसी समस्याओं से आप दूर रहते हैं। यह हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और स्लिप साइकिल को नियमित करता है।

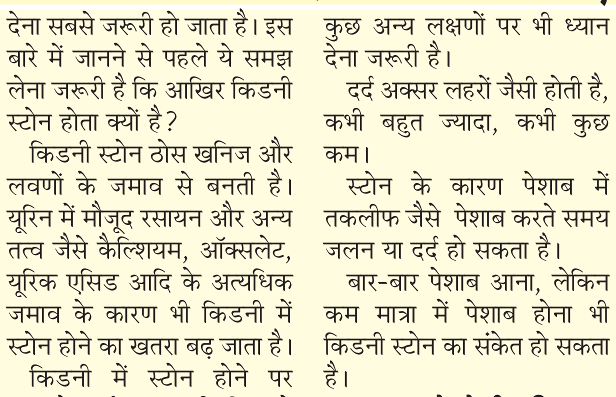

नंगे पैर खुले आसमान के नीचे टहलें

खुले आसमान के नीचे घास या मिट्टी पर नंगे पैर 10-15 मिनट टहलना शरीर और दिमाग के लिए फायदेमंद होता है। ये तनाव को कम करता है और रक्त संचार को बेहतर बनाता है। नंगे पैर चलने से पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। यह आदत मानसिक शांति प्रदान करने में भी मदद करती है।

रोजाना 10,000 कदम चलें

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, रोजाना 10,000 कदम चलना शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। यह मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। तेज चलने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है, कैलोरी बर्न होती है और मूड बेहतर रहता है। अगर आप व्यस्त रहते हैं, तो दिन में छोटे-छोटे ब्रेक लेकर पैदल चलें।

गैजेट्स से एक घंटा दूर रहें

स्मार्टफोन, लैपटॉप और टीवी जैसे गैजेट्स का ज्यादा इस्तेमाल आंखों की थकान, नींद की कमी और तनाव का प्रमुख कारणों में से एक है। रोजाना कम से कम एक घंटा स्क्रीन-फ्री समय निकालें। इस दौरान किताब पढ़ें, परिवार के साथ बात करें, ध्यान करें या प्रकृति का आनंद लें। इससे मानसिक स्वास्थ्य सुधरता है, नींद की गुणवत्ता बढ़ती है और तनाव कम होता है।

अडानी को मुकेश नहीं अनिल अंबानी देंगे टक्कर, कर ली 2000 करोड़ की डील

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सोलर पैनलों के निर्माण के लिए अपनी पहली यूनिट चालू कर दी है। मुकेश अंबानी की रिलायंस कंपनी गुजरात के जामनगर में 5,000 एकड़ की जगह पर गीगा फैक्ट्रियां बना रही है। वहीं, अब अनिल अंबानी ने देश में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। जिसके बाद से रिलायंस पावर लिमिटेड कंपनी के शेयर में तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी ने घोषणा की कि उसने भूटान सरकार के स्वामित्व वाली कंपनी ग्रीन डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड के साथ लॉन्ग टर्म पावर परचेस एग्रीमेंट के लिए कमर्शियल टर्म शीट पर साइन किए हैं। ग्रीन डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड पर भूटान सरकार की इनवेस्टमेंट इकाई ड्रक होल्डिंग्स एंड इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड का मालिकाना हक है। अब रिलायंस पावर, भूटान का सबसे बड़ा सोलर पावर प्रोजेक्ट बनाएगी।

2000 करोड़ रुपए की डील

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर लिमिटेड और भूटान सरकार की इनवेस्टमेंट इकाई ड्रक होल्डिंग एंड इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड मिलकर 50:50 प्रतिशत हिस्सेदारी वाले वेंचर के जरिए भूटान का सबसे बड़ा सोलर पावर प्रोजेक्ट डेवलप करेंगी।

इस सोलर पावर प्रोजेक्ट की इंस्टॉल्ड कैपेसिटी 500 मेगावाट की होगी। इस प्रोजेक्ट में बिल्ड-ओन- ऑपरेट मॉडल के तहत 2000 करोड़ रुपए का कैपिटल आउटले होगा। ये भूटान के सोलर फील्ड में अब तक का सबसे बड़ा निजी निवेश है। भूटान को ज्यादा क्लीन एनर्जी मिलेगी और उसे भारत सहित अपने पड़ोसियों के साथ बिजली साझा करने की अनुमति मिलेगी। अक्टूबर 2024 में, रिलायंस एंटरप्राइजेज – रिलायंस पावर लिमिटेड और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के बीच एक संयुक्त उद्यम – ने देश में स्वच्छ ऊर्जा विकास को बढ़ावा देने के लिए भूटान की ड्रुक होल्डिंग एंड इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की।

2 साल में शेयर ने दिया 299.83% का रिटर्न

कंपनी का शेयर पिछले एक हफ्ते में 7.32 प्रतिशत तक बढ़ा है। वहीं 1 महीने में शेयर में 8.92 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। पिछले 6 महीने में शेयर ने 28.46 प्रतिशत का रिटर्न दिया है और 2 साल में शेयर ने 299.83 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। रिलायंस पावर लिमिटेड के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 54.25 रुपए है। वहीं कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 23.26 रुपए है। कंपनी का मार्केट कैप 18,441.91 करोड़ रुपए है।

पिछले साल नहीं भरा इनकम टैक्स रिटर्न तो इस साल आयकर रिटर्न भरने का क्या होगा तरीका?

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। देश के हर उस नागरिक को वित्त वर्ष के लिए आयकर रिटर्न भरना जरूरी होता है, जो वैधानिक रूप से इसके दायरे में आता है। सीए मनोज लांबा के मुताबिक यदि किसी व्यक्ति की वार्षिक आय 3 लाख रुपए से अधिक है, या किसी को रिफंड क्लेम करना है, या विदेश में कोई संपत्ति है, या आयकर रिटर्न दाखिल करने की अन्य शर्तें लागू होती हैं, तो उसके लिए आयकर रिटर्न दाखिल करना अनिवार्य होता है। सीए मनोज लांबा के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति पिछले साल अपना आयकर रिटर्न दाखिल करना भूल गया तो यह एक गुनाह है। और इसलिए इस गुनाह या गलती को जितना जल्दी हो, उतना जल्दी सुधार लेना चाहिए। ऐसा न करने पर व्यक्ति को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। सीए मनोज लांबा कहते हैं, यदि आपने पिछले साल रिटर्न दाखिल नहीं किया, तो यह एक गंभीर चूक हो सकती है। आयकर विभाग के नियमों के अनुसार, रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख आमतौर पर 31 जुलाई होती है। इसके बाद अपडेटेड आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर तक होती है। इसके बाद रिटर्न दाखिल करने पर पेनल्टी और ब्याज लागू होता है।

इसके लिए अपडेटेड रिटर्न फाइल करना होता है। अगर आप अपडेटेड रिटर्न फाइल नहीं करेंगे, तो इस साल रिटर्न भरने में आपको परेशानी आ सकती है। इसलिए वित्त वर्ष 2024-25 का रिटर्न फाइल करने से पहले अपडेटेड रिटर्न फाइल करना जरूरी है। यदि आपने पिछले साल का रिटर्न दाखिल नहीं किया, तो अब आप अपडेटेड रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। आयकर अधिनियम की धारा 139(8ए) के तहत, आप पिछले वित्त वर्ष के लिए अपडेटेड रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको अतिरिक्त कर और ब्याज देना होगा. पेनल्टी की राशि इस बात पर निर्भर करेगी कि आपने रिटर्न कितनी देरी से भरा। एक साल, दो साल, या उससे अधिक. उदाहरण के लिए, यदि आपकी कर योग्य आय पर टैक्स देनदारी थी, तो देरी के आधार पर आपको 25 फीसद से लेकर 50 फीसद तक अतिरिक्त कर देना पड़ सकता है। इतना ही नहीं इसके साथ आपको आयकर कानून की धारा 234ए, 234बी, और 234सी के तहत ब्याज का भी भुगतान करना होगा।

मुकदमेबाजी का खतरा

सीए मनोज लांबा की सलाह है कि अगर किसी व्यक्ति से आयकर रिटर्न फाइल न करने की गलती हो गई है, तो उसे अपनी गलती सुधार लेनी चाहिए। ऐसा न करने पर आयकर विभाग जुर्माना लगा सकता है और मुकदमा भी चला सकता है।

पेनल्टी और ब्याज की गणना

अपडेटेड रिटर्न फाइल करने पर पेनल्टी और ब्याज की राशि रिटर्न के विलंब की अवधि और बकाया टैक्स की राशि पर निर्भर करेगी।

धारा 234एफ के तहत, यदि आप रिटर्न दाखिल करने में देरी करते हैं, तो 5,000 रुपए तक की पेनल्टी लग सकती है (यदि आय 5 लाख रुपए से कम है, तो जुर्माना 1,000 रुपए होगा)। इसके अलावा, बकाया टैक्स पर 1 फीसद प्रति माह की दर से ब्याज भी लागू होगा। अपडेटेड रिटर्न दाखिल करते समय आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी बकाया कर और ब्याज का भुगतान किया जाए, ताकि भविष्य में किसी भी कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके।

गलती सुधारने की सलाह

सीए मनोज लांबा ने उन सभी करदाताओं को, जिन्होंने रिटर्न दाखिल करने में चूक की है, सलाह दी है कि वे तुरंत अपडेटेड रिटर्न दाखिल करें। यह न केवल आपकी गलती को सुधारने का अवसर देता है, बल्कि आयकर विभाग द्वारा जुर्माना या कानूनी कार्रवाई से भी बचाता है। आयकर विभाग के पास आपकी आय और लेनदेन की जानकारी (जैसे फॉर्म 26एएस, एआईएस) होती है, और गलत या न दाखिल किए गए रिटर्न के आधार पर वे नोटिस जारी कर सकते हैं या जुर्माना लगा सकते हैं।

शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद

आईटी शेयरों और कमजोर वैश्विक रुझानों का असर

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। बीएसई सेंसेक्स में सोमवार को 271 अंक की गिरावट दर्ज की गई। यह लगातार दूसरा दिन रहा जब आईटी शेयरों में बिकवाली और मूडीज रेटिंग्स द्वारा अमेरिका की रेटिंग घटाए जाने के बाद वैश्विक बाजारों में कमजोरी का रुख देखने को मिला। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 271.17 अंक या 0.33 प्रतिशत गिरकर 82,059.42 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 366.02 अंक या 0.44 प्रतिशत गिरकर 81,964.57 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 74.35 अंक या 0.30 प्रतिशत गिरकर 24,945.45 पर आ गया।

सेंसेक्स की कंपनियों का कैसा रहा हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में इटरनल, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक और अडानी पोर्ट्स पिछड़ गए। पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक और इंडसइंड बैंक लाभ में रहे। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, कारोबारी सत्र के अधिकांश समय बाजार नकारात्मक दायरे में रहा, क्योंकि एशियाई और यूरोपीय सूचकांकों में कमजोरी के कारण निवेशकों ने आईटी, पूंजीगत सामान और तेल एवं गैस शेयरों में मुनाफावसूली का सहारा लिया।

यूरोपीय बाजारों में गिरावट

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग नीचे बंद हुए, जबकि शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक ऊपर बंद हुआ। यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.41 प्रतिशत गिरकर 65.14 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 8,831.05 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी। शुक्रवार को सेंसेक्स 200.15 अंक या 0.24 प्रतिशत गिरकर 82,330.59 पर बंद हुआ। निफ्टी 42.30 अंक या 0.17 प्रतिशत गिरकर 25,019.80 पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 05-47
सूर्यास्त - 18-38
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष मे	वृष---	05-28 बजे
चंद्र-	मकर मे	मिथुन..	07-28 बजे
मंगल	कर्क मे	कर्क--	09-40 बजे
बुध-	मेष मे	सिंह---	11-51 बजे
गुरु-	मिथुन मे	कन्या...	13-58 बजे
शुक्र-	मीन मे	तुला....	16-04 बजे
शनि-	मीन मे	वृश्चिक..	18-14 बजे
राहु-	कुंभ मे	धनु.....	20-27 बजे
केतु-	सिंह मे	मकर...	22-34 बजे
		कुंभ...	00-24 बजे
		मीन....	02-06 बजे
		मेष....	03-39 बजे

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी 05-57 तक उपरान्त सप्तमी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण , मंगलवार 20 May
नक्षत्र - धनिष्ठा 19-32 तक उपरान्त शतभिषा
योग - ऐन्द्र 02-50 तक उप वैधृति
करण- बव 05-57 तक उप बालव
विशेष:- दादूदयाल पुण्यः कालाष्टमी
व्रत -त्योहार - अष्टमी तिथि क्षय

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:27 से 17:04 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05:47 - 07:21	अशुभ	काल	18:38 - 20:04	अशुभ
उत्पात	07:21 - 08:58	अशुभ	लाभ	20:04 - 21:27	शुभ
चंचल	08:58 - 10:36	शुभ	उत्पात	21:27 - 22:50	अशुभ
लाभ	10:36 - 12:13	शुभ	शुभ.	22:50 - 00:13	शुभ
अमृत	12:13 - 13:50	शुभ	अमृत	00:13 - 01:35	शुभ
काल	13:50 - 15:27	अशुभ	चंचल.	01:35 - 02:58	शुभ
शुभ	15:27 - 17:04	शुभ	रोग.	02:58 - 04:21	अशुभ
रोग.	17:04 - 18:38	अशुभ	काल	04:21 - 05:47	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आपको आज आपके कार्य क्षेत्र में एक मूल्यवान सुझाव किसी निकट व्यक्ति जो आपके हृदय के पास हो से मिल सकता है । अगर आप उसकी बात को ध्यानपूर्वक सुनेंगे तो आगे जाकर आपके भविष्य में अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है। आपको उड़ती हुई धुंध को हटाना है और गंभीरता से भले और बुरे के बारे में सोचना है की किस दिशा में आपका नौकरी या कार्य क्षेत्र जा रहा है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज आपको अपने कार्यक्षेत्र से संभंधित कार्य में अपने मित्रो और सहकर्मियों से सहायता मिल सकती है । आप उनको अपना आभार देना न भूले और बदले में आप भी समय पड़ने पर उनकी सहायता करे । धन एवं नकदी प्रवाह में सुधार आयेगा । इस दिन आपको अपने अनावश्यक खर्चो पर भी लगाम लगानी होगी क्योकि आप अछा कमाएंगे पर साथ साथ आपके खर्चे घटाने आपके लिए मुश्किल होंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आपकी भलाई इसी मैं है की , यदि आवश्यक हो तो आप सतर्क या यहां तक कि विद्रोही हो जाये । जो लोग अपने आपको ज्यादा जानकर या जानकारियों से पूर्ण मानते है वे आज के दिन ऐसी गलतिया कर सकते है , जिससे पार पाना मुश्किल साबित हो सकता है । उनके आदेश का पालन करना आपको मुसीबत में ला सकता है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है । यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा । हालाँकि , आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा , फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए हैं और आज आपके हैरान होने की संभावना है , क्यों की आपके प्रबंधन कौशल की वजह से आप पाएंगे की अपने कितना कुछ पाया है । आपके सारे बकाया कार्य पूर्ण हो जाएंगे और मुश्किल परियोजनाओं के रास्ते में जो रुकावट थी , वो पूरी तरह से खत्म हो जाएंगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आप मे अपनी जिम्मेदारियों से बचने के लिए एक स्वाभाविक प्रवृत्ति रहेगी , लेकिन ये स्थिति आपके वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपकी मुसीबत को बढ़ा सकती हैं। तथ्य यह है कि किसी भी वास्तविक इच्छा से प्रेरित न होकर आपके आलसी होने की आदत से आप अधिक कार्य से परहेज कर रहे है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — रोजगार और आय के नए अवसर आज आपको मिल सकते है । आपको आगे बढ़ने के काफी अवसर मिलेंगे जिसको लेकर आप समझ नहीं पाएंगे की कौन सा विकल्प आपके लिए अच्छा है , जिसे लेकर आप आगे बढ़ सकते है । आज परिवार और कार्य क्षेत्र में संतुलन बिठाना मुश्किल हो सकता है और आप अपने कार्य क्षेत्र को परिवार की तुलना में ज्यादा महत्व देंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — कुछ हफ्तों से एक प्रवृत्ति को बल मिल रहा था और उसका परिणाम आज दिखाई देगा। परिणाम दोहन करने के लिए अपने आप को तैयार रखे । योग्य व्यक्तियों से मेल जोल बढ़ा कर रखे । सकारात्मक बातचीत से एक अभिनव व्यापार विचार को गति मिलेगी । जो आपके पास है उससे आपको संतुष्ट रहना चाहिए ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — ये समय महान प्रभाव के लोगों के साथ वार्तालाप करने के लिए अति उत्तम है। आप इन लोगो से जितना संवाद बढ़ा पाये बढ़ाये , क्यों की एक बेहतर जगह तक पहुँचने के लिए या अपने वर्तमान स्थिति का उन्नयन करने के लिए ये बहुत जरुरी है । आप अभी काफी दुविधा में है की ये अवसर आपकी धन वृद्धि कर सकते है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज आपके समान हित के लोगों या एक समान व्यवसाय करने वालो के साथ वार्तालाप होगी । आपको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए एवं दूसरों को बढ़ावा एवं प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि बदले में वे भी आपको समर्थन दे । आपको उन लोगों से ज्यादा उम्मीद नहीं करनी चाहिए क्यों की चीजे धीरे धीरे खुलती है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — कुछ दिनों से आपके कार्य क्षेत्र में चीज़े आपके अनुसार नहीं चल रही थी परन्तु अब कुछ सुधार आने की उम्मीद है । आपको ये याद रखना होगा की कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार रखने से आप शांति से काम में सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं । अगर आप थोड़ी सी नरमी दिखाए तो कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ आप शांत माहौल का मजा ले सकते है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भारत-पाक तनाव के बीच चीन ने चल दी बड़ी चाल, पाकिस्तान में पूरा करेगा ये काम

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के तनाव के माहौल में चीन ने बड़ी चाल चल दी है. चाइना ने पाकिस्तान में चल रहे अपने डैम प्रोजेक्ट में तेजी ला दी है. चीन ने मोहमंद डैम प्रोजेक्ट को बनाने का काम तेज कर दिया है, जिसके पूरा होने के बाद पाकिस्तान के पेशावर में 800 मेगावाट के हाइड्रोपावर और 300 मिलियन गैलन वॉटर डेली मिलने की उम्मीद है. मोहमंद प्रोजेक्ट पर चीन साल 2019 से काम कर रहा है. लेकिन इस बीच जब आंतकियों का मारने के लिए भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया और उसके पहले पाकिस्तान से सिंधु जल संधि को रद्द कर दिया था. अब उसके बाद चीन, पाकिस्तान की मदद करने के लिए अपने प्रोजेक्ट को बनाने का काम तेज कर दिया है. इसे चाइना एनर्जी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन के जरिए बनाया जा रहा है. डैम पर कंक्रीट डालने का काम शुरू हो चुका है. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ये एक "महत्वपूर्ण निर्माण मील का पत्थर" है, जो पाकिस्तान के लिए बीजिंग के "नेशनल फ्लैगशिप प्रोजेक्ट" में "तेजी से विकास" का दौर दिखाता है. चीन का मोहमंद प्रोजेक्ट को तेज करने का ऐलान अपने पुराने दोस्त पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने का तरीका माना जा रहा है. मोहमंद डैम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में, मोहमंद जिले की स्वात नदी पर बन रहा है. ये एक खास तरह का कंक्रीट-फेस्ड रॉकफिल डैम है. जो बाढ़ रोकने, खेती के लिए पानी, पीने का पानी और बिजली पैदा करने का काम करेगा. ये दुनिया का पांचवां सबसे ऊंचा ऐसा डैम होगा, जिसकी ऊंचाई 700 फीट होगी. जब ये डैम शुरू हो जाएगा, तो ये 800 मेगावाट बिजली बनाएगा और पेशावर को हर दिन 300 मिलियन गैलन पानी देगा. साथ ही, ये हजारों एकड़ खेती की जमीन को पानी देगा और नीचे के इलाकों को मौसमी बाढ़ से भी बचाएगा.

वोडाफोन, एयरटेल, टाटा टेलीसर्विसेज को अदालत से झटका

एजीआर बकाया की माफी से जुड़ी याचिका खारिज

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों वोडाफोन, एयरटेल और टाटा टेलीसर्विसेज की ओर से दाखिल समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया माफ करने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने याचिकाओं को गलत धारणा वाला बताया। वोडाफोन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी से पीठ ने कहा, हमारे समक्ष आई इन याचिकाओं से हम सचमुच स्तब्ध हैं। एक बहुराष्ट्रीय कंपनी से ऐसी अपेक्षा नहीं की जाती। हम इसे खारिज करेंगे। शीर्ष अदालत ने दूरसंचार कम्पनियों की मदद करने की सरकार की इच्छा के आड़े आने से इनकार कर दिया। वोडाफोन ने अपने एजीआर बकाये के ब्याज, जुर्माने और दंड घटकों पर ब्याज के रूप में लगभग 30,000 करोड़ रुपये की छूट मांगी है।

रोहतगी ने पहले कहा था कि दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए याचिकाकर्ता फर्म का अस्तित्व बचे रहना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हाल ही में बकाया ब्याज के इक्विटी रूपांतरण के बाद अब केंद्र के पास कंपनी में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी की याचिका में कहा गया है, वर्तमान रिट याचिका में फैसले की समीक्षा की मांग नहीं की गई है, बल्कि फैसले के तहत ब्याज, जुर्माना और जुर्माने के ब्याज के भुगतान की कठोरता से छूट मांगी गई है। इसलिए, याचिकाकर्ता ने केंद्र को निष्पक्ष और सार्वजनिक हित में कार्य करने और एजीआर बकाया पर ब्याज, जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज के भुगतान पर जोर न देने के लिए उचित निर्देश देने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सोमवार को वोडाफोन आइडिया के शेयरों में करीब 9 फीसदी की गिरावट आई है। सुप्रीम कोर्ट ने टेलीकॉम कंपनियों की समोयजित सकल राजस्व बकाया को माफ करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दी।

इस साल जनवरी से अब तक सोना 17,623 रुपए महंगा

सोना-चांदी की चमक बढ़ी; एक दिन में सोना 1484 और चांदी 1149 रुपए महंगी

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 19 मई को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,484 बढ़कर 93,785 पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 92,301 प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी का भाव 1,149 बढ़कर 95,755 हो गया है। इससे पहले चांदी का भाव 94,606 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,660 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,510 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 87,550 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 95,510 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,510 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,560 रुपए है।

हैदराबाद : सोने की दर 24 कैरेट के लिए रुपए 95510 / 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए रुपए 87550/10 ग्राम।

आंध्र की सहायक कंपनी की वजह से आरवीएनएल के शेयर में आया जबर्दस्त उछाल

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। सोमवार को सरकारी कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के शेयरों में 7% की बढ़त देखी गई। दोपहर 12:30 बजे तक यह शेयर बीएसई पर 438.5 रुपये के इंट्राडे हाई पर पहुंच गए। यह उछाल कंपनी की ओर से आंध्र प्रदेश में एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, सब्बावरम शीला नगर रोड डेवलपमेंट लिमिटेड के निगमन की घोषणा के बाद आया। आरवीएनएल के शेयर शुक्रवार को 409.60 रुपये पर बंद हुए थे। आज सोमवार को यह तेजी के साथ 416.05 रुपये पर खुले। बाद में इसमें और तेजी आ गई। देखते ही देखते यह शेयर 7 फीसदी की तेजी के साथ 438.50 रुपये पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसमें कुछ गिरावट भी देखी गई। दोपहर एक बजे यह शेयर 5.47% की तेजी के साथ 432 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों को बताया कि नियामक फाइलिंग के अनुसार, सब्बावरम शीला नगर रोड डेवलपमेंट लिमिटेड को 15 मई 2025 को शामिल किया गया था। आरवीएनएल की इस सहायक कंपनी में 100% हिस्सेदारी है। यह कंपनी कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काम करेगी, जो आरवीएनएल के मौजूदा व्यवसाय के अनुरूप है। पिछले हफ्ते ही आरवीएनएल कंपनी को सेंट्रल रेलवे से 159.79 करोड़ रुपये का एक नया कॉन्ट्रैक्ट भी मिला था। कंपनी ने बताया कि यह कॉन्ट्रैक्ट सामान्य शर्तों के तहत दिया गया है और इसे 24 महीनों में पूरा किया जाना है। यह एक घरेलू ऑर्डर है और आरवीएनएल के सामान्य कामकाज का हिस्सा है।आरवीएनएल के शेयर में पिछले कुछ समय से लगातार तेजी आ रही है।

टाटा की वसीयत पर सहमत हुए मोहिनी मोहन दत्ता

नहीं देना होगा टैक्स, कितना मिलेगा हिस्सा

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। रतन टाटा के करीबी और ताज होटल्स ग्रुप के पूर्व डायरेक्टर मोहिनी मोहन दत्ता ने दिवंगत उद्योगपति की वसीयत की शर्तों को मान लिया है। इस वसीयत में उन्हें टाटा की बची हुई संपत्ति का एक तिहाई हिस्सा मिला है जिसकी कीमत लगभग 588 करोड़ रुपये है। दत्ता की सहमति से वसीयत के एग्जीक्यूटर्स को बॉम्बे हाई कोर्ट से प्रोबेट (वसीयत को कानूनी मान्यता) प्राप्त करने की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

टाटा ने अपनी 3,900 करोड़ रुपये संपत्ति करीब दो दर्जन लोगों में बांटी है। इनमें से केवल 77 वर्षीय दत्ता ने ही टाटा की विरासत की वैल्यू पर सवाल उठाए थे। टाटा की संपत्ति में उन्हें करीब 200 करोड़ रुपये मिलेंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक टाटा की बची हुई संपत्ति यानी रेसिडुएल एस्टेट का बाकी दो-तिहाई हिस्सा (शेयरों और अचल संपत्तियों को छोड़कर) उनकी सौतेली बहनों 72 वर्षीय शिरीन जेजेभोय और 70 वर्षीय डीना जेजेभोय को जाएगा। वे दोनों वसीयत की एग्जीक्यूटर्स भी हैं। हालांकि दत्ता शुरू में एग्जीक्यूटर्स से असहमत थे, लेकिन वसीयत में नो-कॉन्टेस्ट क्लॉज के कारण वह इसे चुनौती नहीं दे सके। वसीयत में यह नियम है कि जो भी लाभार्थी वसीयत पर विवाद करेगा, वह अपने सभी अधिकार खो देगा। जब दत्ता से संपर्क किया गया तो उन्होंने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।एग्जीक्यूटर्स ने 27 मार्च को वसीयत को प्रमाणित करने के लिए याचिका दायर की थी। हाल ही में कोर्ट ने उन्हें एक सार्वजनिक नोटिस जारी करने और गैर-सहमति वाले कानूनी उत्तराधिकारियों से आपत्तियां आमंत्रित करने का निर्देश दिया। एग्जीक्यूटर्स ने प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए 9 अप्रैल को ओरिजनेटिंग समन भी दायर किए। दत्ता, टाटा परिवार के बाहर के एकमात्र ऐसे सदस्य हैं जिन्हें संपत्ति का इतना बड़ा हिस्सा दिया गया है। एक सूत्र ने बताया कि दत्ता कुछ कीमती वस्तुएं देखना चाहते थे लेकिन उन्हें कोलाबा में टाटा के हालेकाई निवास तक पहुंचने नहीं दिया गया। सूत्र ने यह भी बताया कि टाटा की संपत्ति एग्जीक्यूटर्स की देखरेख में है। अगर कोर्ट टाटा की वसीयत को प्रमाणित कर देता है तो दत्ता को कोई संपत्ति कर नहीं देना होगा क्योंकि भारत में विरासत में मिली संपत्ति पर कोई कर नहीं लगता है। दत्ता और टाटा के बीच छह दशकों से भी अधिक समय तक संबंध रहा। दत्ता के अनुसार वे पहली बार जमशेदपुर के डीलर्स हॉस्टल में मिले थे। जब दत्ता 13 साल के थे और टाटा 25 साल के थे। बाद में दत्ता मुंबई चले गए और कोलाबा में टाटा के बख्तावर निवास में रहने लगे। दत्ता ने माना कि टाटा ने ही उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया था।दत्ता ने अपने करियर की शुरुआत ताज के ट्रैवल डेस्क से की थी। इसके बाद उन्होंने 1986 में टाटा इंडस्ट्रीज से फंडिंग लेकर स्टैलियन ट्रैवल सर्विसेज की स्थापना की। 2006 में स्टैलियन को ताज की एक सहायक कंपनी में मिला दिया गया और दत्ता मर्जर के बाद बनी यूनिट इंडिट्रैवल के निदेशक बन गए। वह ताज में सबसे ज्यादा कमाई वाले अधिकारियों में से एक थे।

शराब घोटाला, अनवर ढेबर को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

जांच में सहयोग करने की शर्त पर मिली बेल, लेकिन नहीं हो पाएगी जेल से रिहाई

रायपुर, 19 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में लंबे समय से जेल में बंद कारोबारी अनवर ढेबर को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। जस्टिस अभय ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुयान की बेंच में सुनवाई हुई। कोर्ट ने सुनवाई में देरी के आधार और जांच में सहयोग करने की शर्त पर बेल दी है।

हालांकि, इसके बाद भी अनवर ढेबर जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे। कोर्ट ने ईडी के केस में जमानत दी है। ढेबर पर ईओडब्ल्यू में भी मामला दर्ज है।

अनवर ढेबर के वकील अमीन खान ने बताया कि ईडी की ओर से चल रहे आबकारी मामले में अनवर ढेबर की जमानत याचिका मंजूर हो गई है। इस मामले में जेल में बंद कुछ लोगों को पहले से ही जमानत मिल चुकी है। हमें न्याय मिला है।

लंबे समय तक किसी को जेल में बंद करके ट्रायल नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट में ईओडब्ल्यू मामले में भी केस चल रहा है। हमें उम्मीद है कि ईओडब्ल्यू की ओर से चल रहे केस पर भी हमें जमानत मिलेगी।

क्या है शराब घोटाला?

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

ईडी की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर की जांच एसीबी कर रही है। एसीबी से मिली जानकारी के अनुसार साल 2019 से 2022 तक सरकारी शराब दुकानों से अवैध शराब डुप्लीकेट होलोग्राम लगाकर बेची गई। इससे शासन को करोड़ों के राजस्व का नुकसान हुआ है।

ईडी का आरोप है कि पूर्व मंत्री कवासी लखमा सिंडिकेट के अहम हिस्सा थे। लखमा के निर्देश पर ही सिंडिकेट काम करता था। इनसे शराब सिंडिकेट को मदद मिलती थी। वहीं शराब नीति बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे छत्तीसगढ़ में एफएल-10 लाइसेंस की शुरुआत हुई। वहीं ईडी का दावा है कि लखमा को आबकारी विभाग में हो रही गड़बड़ियों की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने उसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया।

ईडी के वकील सौरभ पांडेय ने बताया कि, 3 साल शराब घोटाला चला। लखमा को हर महीने 2 करोड़ रुपए मिलते थे। इस दौरान 36 महीने में लखमा को 72 करोड़ रुपए मिले। ये राशि उनके बेटे हरीश कवासी के घर के निर्माण और कांग्रेस भवन सुकमा के निर्माण में लगे।

ईडी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले से सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ है। शराब सिंडिकेट के लोगों की जेबों में 2,100 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध कमाई भरी गई।

लखमा के खिलाफ एक्शन को लेकर निदेशालय की ओर से कहा गया कि जांच में पहले पता चला था कि अनवर ढेबर, अनिल टुटेजा और अन्य लोगों का शराब सिंडिकेट छत्तीसगढ़ राज्य में काम कर रहा था। इस घोटाले की रकम 2100 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

2019 से 2022 के बीच चले शराब घोटाले में ईडी के मुताबिक ऐसे होती थी अवैध कमाई।

हाथियों के झुंड का उत्पात

दर्जनों घरों की चारदीवारी तोड़ा, अनाज को पहुंचाया नुकसान, झुंड में तीन बच्चे भी

गिरिडीह, 19 मई (एजेंसियां)। गिरिडीह के सरिया प्रखंड क्षेत्र के सर्वोदय गांव में बीती देर रात हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। दर्जनों लोगों के कच्चे घरों में तोड़फोड़ किया और बाउंड्री को नुकसान पहुंचाया। घर में रखे अनाज को भी चट कर गए व कुछ को बर्बाद भी कर दिया।

गांव के स्कूल गेट और खिड़की तोड़ कर मध्याह्न भोजन का चावल-दाल सहित अन्य समानों को भी नुकसान पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि झुंड में 15 वयस्क हाथियों के साथ 3 बच्चे भी हैं। लोगों ने हाथियों को भगाने का बहुत प्रयास किया पर वो असफल रहे। हाथियों ने दो दर्जन से अधिक घरों की दीवार और पेड़ों को नुकसान पहुंचाया हैं।

वहीं, खेत में लगी सब्जियों को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। इसमें लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। प्रभावित लोगों ने सरकार से उचित मुआवजे की मांग की है। हाथियों ने ईंट भट्ठे में काम कर रहे मजदूरों की झुग्गी झोपड़ी को भी काफी नुकसान पहुंचाया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हाथी भाग नही रहे हैं।

सीएम साय ने पीएचई सब इंजीनियर को कहा 'गेट आउट'

बोले– काम करो या सस्पेंड के लिए तैयार रहो खराब हैंडपंप की शिकायत पर लगाई फटकार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 19 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुशासन तिहार के तीसरे चरण में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के चुकतीपानी नेवसा गांव का दौरा किया। उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और सरकारी योजनाओं का फीडबैक लिया।

ग्रामीणों ने गांव में पेयजल व्यवस्था की समस्या बताई। सीएम साय ने जल जीवन मिशन में लापरवाही पर पीएचई विभाग के सबइंजीनियर नारायण सिंह कंवर को चौपाल के बीच फटकार लगाई।

उन्होंने कहा, या तो ईमानदारी से काम करो या निलंबन के लिए तैयार रहो। यह सरकार का काम है, कोई मजाक नहीं। इसके बाद 'गेट आउट' कहकर वहां से हटा दिया। दरअसल, राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे सुशासन तिहार के तीसरे चरण के तहत मुख्यमंत्री साय का हेलीकॉप्टर सोमवार को चुकतीपानी के नेवसा गांव में उतरा। मुख्यमंत्री ने यहां ग्रामीणों के बीच चौपाल लगाई और सरकारी योजनाओं का फीडबैक सीधे आम जनता से लिया। ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याएं बताई, जिनमें सबसे अहम मुद्दा गांव में पीने के पानी की किल्लत का रहा। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में कुल 27 हैंडपंप है, जिनमें से कई लंबे समय से खराब है। साथ ही नल-जल योजना अधूरी पड़ी है, जिससे घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। यह सुनकर मुख्यमंत्री नाराज हो गए और मंच से ही पीएचई विभाग के जिम्मेदार अधिकारी को बुलाया।

मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन में लापरवाही और पेयजल संकट पर सब इंजीनियर नारायण सिंह कंवर को बुलाया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री की यह अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ जल पहुंचाना है। इस योजना को हल्के में न लें।

इसके बाद उन्होंने सब इंजीनियर से सख्त लहजे में कहा, 'या तो काम करो, नहीं तो सस्पेंड होने के लिए तैयार रहो। गेट आउट।'

पहलगाम आतंकी हमले में दिवंगत मिरानिया के परिजन से मिले सचिन पायलट

बोले– आतंकवाद पर चर्चा हो कश्मीर पर नहीं

रायपुर, 19 मई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में दिवंगत छत्तीसगढ़ के रायपुर के दिनेश मिरानिया के परिजन से प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने मुलाकात की। इस दौरान पायलट ने कहा कि पूरी दुनिया में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में एकजुटता का संदेश जाएगा। उन्होंने संसद का विशेष सत्र बुलाने की विपक्षी पार्टी की मांग को दोहराया।

पायलट ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री ने जब भी चर्चा की आतंकवाद की बात नहीं की। आज आतंकवाद पर चर्चा नहीं हो रही है आज कश्मीर और व्यापार पर चर्चा हो रही है। अब समय आ गया कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए। सीजफायर की घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति कर रहे हैं। हमारा मुद्दा आतंकवाद है लेकिन जानबूझकर कश्मीर के मुद्दे को चर्चा में लाया गया जिसका मुझे खेद है। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और 'संघर्ष विराम' की घोषणा के बारे में तथ्यों पर सरकार से 'स्पष्टीकरण' की भी मांग की। मीडिया से चर्चा में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि भविष्य में इस तरह की घटना को अंजाम देने वाली ताकतें हमेशा के लिए समाप्त हो हम सब यही चाहते हैं। भारतीय सेना ने जो शौर्य का परिचय दिया है, पराक्रम दिखाया है उसका कोई सानी नहीं है, उन सबको हम सलूट करते हैं। हमें ऐसा कोई आश्वासन मिला है क्या कि भविष्य में पाकिस्तान ऐसा दुस्साहस फिर नहीं करेगा , ये एक बड़ा सवाल है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले तक भारत की तुलना चीन से होने लगी थी मगर अब भारत-पाकिस्तान होने लगा है जो उचित नहीं है। हमें पाकिस्तान पर भरोसा नहीं है क्या अमेरिका ने आश्वासन दिया है कि पाकिस्तान दोबारा ऐसी हरकत नहीं करेगा ,इस पर चर्चा होनी चाहिए। भारत ने पाकिस्तान के कितने विमान गिराए? राहुल गांधी का ये सवाल सेना के शौर्य पर सवाल है। भारतीय सेना और हमारे डीएमओ ने जो जानकारी दी उस पर हमें भरोसा है। आतंकवाद के खिलाफ टेरर फंडिंग को रोकने के लिए आतंकवाद के इंफ्रास्ट्रक्चर को रद्द करने के लिए जो करना चाहिए करना चाहिए।

पैनल में शामिल नहीं था शशि थरूर का नाम

टीएस बाबा ने कहा– संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए

रायपुर, 19 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इतने संवेदनशील समय में जब भारत पाकिस्तान के खिलाफ अपनी स्थिति वैश्विक मंचों पर स्पष्ट करना चाहता है, सरकार को पूरे देश को एकजुट करने का प्रयास करना चाहिए, न कि राजनीतिक मतभेद को गहरा करना चाहिए। टीएस सिंह देव ने कहा कि पाकिस्तान में आतंकवाद को उजागर करने के लिए जो विदेशी दौरे पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल भेजा जा रहा है, उसमें कांग्रेस की तरफ से चार नामों का पैनल भेजा गया था, लेकिन सरकार ने उस सूची में शामिल न होने के बावजूद शशि थरूर का नाम घोषित कर दिया।

टीएस सिंह देव ने कहा, "जब सरकार ने विपक्ष से नाम मांगे, तो उन्हीं नामों को मान्यता देनी चाहिए थी। अगर आप पहले ही अपने नाम तय कर चुके थे, तो फिर नाम मांगने की जरूरत नहीं थी।" उन्होंने 25 मई को केवल एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, "जब प्रधानमंत्री पूरे देश के होते हैं, तो इतनी संवेदनशील बैठक में केवल एनडीए के मुख्यमंत्रियों को बुलाना उचित नहीं है। यह पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण रवैया है।" सिंह देव ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने माना कि भारत ने नूर खान एयर बेस और अन्य ठिकानों पर हमले किए, जिसकी जानकारी उन्हें पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने तड़के 2:30 बजे दी थी। उन्होंने भारत की ओर से किए गए जवाबी हमले को मजबूत और उचित बताया और कहा कि उस समय पूरा देश एकजुट था, न कोई जाति थी, न कोई धर्म, न कोई दल, सबके मन में सिर्फ देशहित की भावना थी। इसके साथ ही, सिंह देव ने मध्य प्रदेश के एक मंत्री के सैन्य अधिकारी सोफिया कुरैशी पर दिए विवादित बयान की आलोचना करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बावजूद सरकार ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। वहीं, छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले के संबंध में पांच जिलों में हुई एसीबी-ईओडब्ल्यू की छापेमारी पर उन्होंने कहा कि एजेंसियों को निष्पक्ष जांच करनी चाहिए।

टैंकर ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

जमशेदपुर, 19 मई (एजेंसियां)। आदित्यपुर में टाटा-कांड्रा मुख्य मार्ग पर एक टैंकर और मोटरसाइकिल की टक्कर में बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान भाटिया बस्ती निवासी राज गोपाल मंडल के रूप में हुई है। घटना डीवीसी मोड़ पर हुई। कांड्रा की ओर जा रहा एलपीटी टैंकर सुधा डेयरी मोड़ के पास ट्रैफिक सिग्नल को पार करने की जल्दी में था। इसी दौरान शनि मंदिर की तरफ जा रहे बाइक सवार राज गोपाल मंडल टैंकर के पिछले पहिए की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

हादसे के बाद टैंकर चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है। दुर्घटना में शामिल दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है।

भालू के हमले से महिला की मौत

सूरजपुर, 19 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में वन्यजीव और मानव संघर्ष का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत चिकनी, पोस्ट लांजीत क्षेत्र में भालू के हमले में एक महिला की मौत हो गई। घटना सोमवार सुबह 7 से 8 बजे के बीच की है।

फूलमती सिंह धुर्वे (32) तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गई थी। इसी दौरान एक भालू ने उन पर हमला कर दिया। उसने वहीं दम तोड़ दिया। जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में वन विभाग के खिलाफ आक्रोश है। ग्रामीण वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं। स्थानीय लोगों की मांग है कि वन विभाग और प्रशासन को इस समस्या के समाधान के लिए ठोस नीति बनानी चाहिए। वहीं, फूलमती के परिजनों को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग किए है। फूलमती की असमय मौत से उनके परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके पति कैलाश सिंह धुर्वे और अन्य परिजन सदमे में हैं। फूलमती परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती थीं। उनकी मौत के बाद परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट भी खड़ा हो गया है।

ग्राम पंचायत चिकनी और आसपास के इलाकों में ग्रामीणों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि वन विभाग की तमाम दावों और मुस्तैदी के बावजूद जंगल क्षेत्रों में वन्यजीवों के हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे।

मां तो आखिर मां ही होती है

बच्चे के लिए बाघ से भिड़ गई मादा भालू, 15 सेकंड के 'युद्ध' का रिजल्ट

नारायणपुर, 19 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के जंगल में एक मादा भालू ने अपने बच्चे को बचाने के लिए एक बाघ से भिड़ंत की। यह घटना कैमरे में कैद हो गई और सोशल मीडिया पर वायरल है। वन मंत्री केदार कश्यप ने भी इस वीडियो को शेयर किया है। वन विभाग के अनुसार, भालू और उसका बच्चा दोनों सुरक्षित हैं। यह घटना नारायणपुर जिले के पांगुड़ के जंगल में हुई। एक ग्रामीण ने इस घटना को अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया।

वीडियो में, एक बाघ भालू के बच्चे की ओर बढ़ता हुआ दिखाई देता है। मादा भालू अपने बच्चे को बचाने के लिए बाघ से लड़ती है और अंत में बाघ को भागने के लिए मजबूर कर देती है। यह घटना कैमरे में कैद हो गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। यह घटना छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के पांगुड़ जंगल में हुई। एक ग्रामीण ने अपने मोबाइल फोन से इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो में दिखता है कि एक बाघ धीरे-धीरे भालू के बच्चे की तरफ बढ़ रहा है। वह उस पर हमला करने ही वाला था कि अचानक मादा भालू झाड़ियों से निकलकर बाघ के सामने आ गई।

फिर भालू और बाघ के बीच लड़ाई शुरू हो गई। मादा भालू अपने बच्चे को बचाने के लिए बाघ से डटकर मुकाबला करती रही। आखिरकार, बाघ को हार माननी पड़ी और वह वहां से भाग गया। इसके बाद मादा भालू अपने बच्चे को मुंह में दबाकर वहां से चली गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है। छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप ने भी इस वीडियो को X (ट्विटर) पर शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि मां आखिर मां होती है। उन्होंने यह भी लिखा कि अबूझमाड़ के पांगुड़ में बन रही नई सड़क के बीच में मादा भालू अपने बच्चे को टाइगर से बचाने भिड़ गई। मां की ममता के आगे टाइगर को वहां से भागना पड़ा।

विधायक श्वेता सिंह मामला- बोकारो डीसी की जांच पूरी

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपी रिपोर्ट, राजभवन में भी शिकायत

रांची, 19 मई (एजेंसियां)। बोकारो विधायक श्वेता सिंह के खिलाफ मिली दो पैन कार्ड, कई वोटर कार्ड और चुनाव के समय गलत जानकारी उपलब्ध कराने संबंधी शिकायत की बोकारो डीसी ने प्रारंभिक जांच पूरी कर ली है। उन्होंने इससे संबंधित रिपोर्ट मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को भेज दी है। डीसी को भाजपा की ओर से जो शिकायत मिली थी, उसमें श्वेता सिंह द्वारा विधानसभा चुनाव में नामांकन के समय दायर शपथ पत्र में गलत सूचना देने का आरोप लगाया गया था। शिकायत में श्वेता सिंह के पास एक सहित पैन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड होने का आरोप लगाया गया था।

मामले की प्रारंभिक जांच में पाया गया कि श्वेता सिंह के पास दो पैन नंबर है। एक पैन रामगढ़ और दूसरा गुड़गांव से जारी किया गया है। गुड़गांव से जारी किए गए पैन से रिटर्न दाखिल नहीं किया गया है। रामगढ़ से जारी किए गए पैन से रिटर्न दायर किया जाता है। उपायुक्त को की गई शिकायत में कहा गया था कि श्वेता सिंह पर सरकारी बकाया होने का बावजूद बकाया नहीं होने की गलत जानकारी दी गई है।

मामले के प्रारंभिक जांच में पाया गया कि श्वेता सिंह को बोकारो स्टील सिटी में एक आवास आवंटित किया गया है। इसके किराया और बिजली बिल 45 हजार रुपए बकाया है।

लेकिन श्वेता सिंह ने नामांकन के समय दायर शपथ पत्र में सरकार या सरकारी संस्थान पर बकाया नहीं होने का उल्लेख किया है। उपायुक्त ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के निर्देश के आलोक में अपनी जांच रिपोर्ट मुख्य निर्वाचन आयोग को भेजी है।

गरीबों के राशन का गबन, 2 गिरफ्तार

ऑनलाइन रिकॉर्ड में 2 माह की एंट्री, मिला सिर्फ एक महीने का सामान

सरगुजा, 19 मई (एजेंसियां)। सरगुजा जिले के मैनपाट में राशन दुकान संचालकों ने 17 राशनकार्ड धारियों को वितरित नहीं किया, लेकिन ऑनलाइन रिकार्ड में राशन देना बताया। मामले की जांच के बाद राशन दुकान संचालकों के खिलाफ धोखाधड़ी और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम पंचायत कलजीबा के राशन दुकान संचालकों ने अप्रैल और मई 2024 दो माह का राशन एक साथ देना बताकर ऑनलाइन एंट्री कर दी। ग्रामीणों ने शिकायत की थी कि हितग्राहियों को एक माह का ही राशन दिया गया। शिकायत के बाद खाद्य निरीक्षक नवीन सिंह ने इसकी जांच की। जांच में 17 हितग्राहियों ने बताया कि उन्हें एक माह का राशन नहीं मिला है, जबकि ऑनलाइन रिकॉर्ड में दो माह का राशन देना दर्ज किया गया है।

खाद्य निरीक्षक नवीन सिंह की शिकायत पर कमलेश्वरपुर थाने में शासकीय उचित मूल्य दुकान कलजीवा के विक्रेता बलराम केरकेट्टा और राशन दुकान संचालन समिति की उपाध्यक्ष जलसो पन्ना के खिलाफ धारा 420, 409, 34 आईपीसी और आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3,7 का अपराध दर्ज किया। पुलिस ने जांच के बाद बलराम केरकेट्टा (46 वर्ष) और जलसो पन्ना (32 वर्ष) से पूछताछ की।

कारोबारी के घर एसीबी-ईओडब्ल्यू का छापा

डीएमएफ घोटाले को लेकर कार्रवाई एक साल पहले ईडी ने मारी थी रेड

सरगुजा, 19 मई (एजेंसियां)। अंबिकापुर में एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम ने डीएमएफ घोटाला मामले में अंबिकापुर के कारोबारी और सप्लायर अशोक अग्रवाल के घर पर सोमवार सुबह छापा मारा। फर्म के संचालक का नाम डीएमएफ घोटाले में आया था और एफआईआर दर्ज है।

जांच के दौरान एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम मामले से जुड़े दस्तावेज की पड़ताल कर रही है। एक साल पहले भी कारोबारी के घर ईडी और सेंट्रल जीएसटी की टीम ने छापेमारी की थी।

अशोक अग्रवाल मूलतः राजपुर के निवासी हैं और लंबे समय से अंबिकापुर में रह रहे हैं। एसीबी की टीम डीएसपी प्रमोद कुमार खेस के नेतृत्व में अशोक अग्रवाल के घर जांच कर रही है। अशोक अग्रवाल का नाम कांग्रेस शासनकाल में हुए डीएमएफ घोटाले में आया था। एक वर्ष पूर्व ईडी की टीम ने जांच कर दस्तावेज जब्त किए थे। मामले में ईओडब्ल्यू ने एफआईआर दर्ज की है। बताया गया है कि अशोक अग्रवाल का नाम ईओडब्ल्यू की एफआईआर में है। एसीबी-ईओडब्ल्यू की पिछले 3 दिनों में यह दूसरी कार्रवाई है। शनिवार को एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम ने धजाराम अशोक अग्रवाल के संचालक अशोक कुमार अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल के घर छापा मारा था।

रिहायशी इलाके में बुजुर्ग दंपती का शव मिलने से सनसनी

बदबू आने पर हुआ खुलासा

रायगढ़, 19 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला मुख्यालय में एक रिहायशी इलाके में बुजुर्ग दंपत्ति की तीन दिन पुरानी लाश मिलने से पूरे क्षेत्र मे सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनो शवों को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेज दिया है। मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक चक्रधर नगर क्षेत्र के कसेर पारा में रहने वाले रिटायर्ड शिक्षक गोपाल नगायच 75 साल और उसकी पत्नी की सरस्वती नगायच की तीन दिन पुरानी लाश आज उनके ही मकान में मिली। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि दो दिनों ये आसपास बदबू आ रही थी।

दो अपराधी गिरफ्तार

देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद, एक पहले भी जा चुका है जेल

जमशेदपुर, 19 मई (एजेंसियां)। जमशेदपुर पुलिस ने कदमा थाना क्षेत्र के एलआईसी ग्राउंड से दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग हथियार के साथ घूम रहे हैं। इस पर पुलिस ने विशेष टीम बनाकर कार्रवाई की। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान अंकुर सिंह और उदयभान सिंह के रूप में हुई है। दोनों के पास से दो देसी पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। अंकुर सिंह पहले हत्या के एक मामले में जेल जा चुका है। जेल से छूटने के बाद वह उदयभान सिंह के साथ मिलकर शहर में दहशत फैलाने का काम कर रहा था। एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि पिछले चार महीनों में पुलिस ने अपराध पर अंकुश लगाने के लिए कई कार्रवाई की हैं। इस दौरान आर्म्स एक्ट के 28 मामले दर्ज किए गए। पुलिस ने 44 हथियार बरामद किए और 68 अपराधियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अब हथियारों की सप्लाई के स्रोत की तलाश कर रही है। दोनों अपराधियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर

हड्डियों तक फैली बीमारी, 2 दिन पहले पता चला 2023 में स्किन कैंसर का इलाज भी करा चुके

वाशिंगटन, 19 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर हो गया है। यह अब हड्डियों तक फैल चुका है। बाइडेन के ऑफिस ने रविवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। 82 साल के बाइडेन ने पिछले हफ्ते पेशाब में दिक्कत होने पर डॉक्टर को दिखाया था। जांच के बाद बीते शुक्रवार को उन्हें इस बीमारी का पता चला।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बाइडेन की बीमारी को लेकर कहा- मेलानिया और मैं उनकी बीमारी के बारे में जानकर दुखी हैं। हम जिल बाइडेन और उनके परिवार के लिए दुआ करते हैं और जो बाइडेन के जल्दी और पूरी तरह ठीक होने की कामना करते हैं। इससे पहले 2023 में जो बाइडेन को स्किन कैंसर हुआ था। व्हाइट हाउस के डॉक्टरों ने बताया कि उनकी छाती पर बेसल सेल कार्सिनोमा पाया गया था, जो एक सामान्य प्रकार का त्वचा कैंसर था। इस घाव को फरवरी में सर्जरी के दौरान हटा दिया गया था। अमेरिकन कैंसर सोसाइटी के मुताबिक अमेरिका में, प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों को होने वाला सबसे आम कैंसर है और कैंसर से होने वाली मौतों की दूसरी प्रमुख वजह है। 82 साल के बाइडेन ने 2020

में डोनाल्ड ट्रम्प को हराया था और पिछले साल फिर से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन उनकी उम्र और मानसिक स्थिति पर सवाल उठने की वजह से उन्होंने राष्ट्रपति पद की रेस से हटने का फैसला किया था। उन्होंने तत्कालीन उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस को समर्थन दिया था। बाइडेन से 3 साल छोटे ट्रम्प ने पिछले साल नवंबर में कमला हैरिस को हराकर दूसरी बार राष्ट्रपति चुनाव जीता था।

जो बाइडेन अमेरिका में राष्ट्रपति बनने वाले सबसे ज्यादा उम्र के शख्स बने थे। जब उन्होंने राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी तब उनकी उम्र 78 साल 220 दिन थी। ट्रम्प जब दूसरी बार राष्ट्रपति बने थे, तब उनकी उम्र 78 साल 61 दिन है। अमेरिकी संविधान के मुताबिक ट्रम्प तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकते थे। ऐसे में कुछ सालों तक बाइडेन का रिकॉर्ड कायम रहेगा। राष्ट्रपति पद से हटने के साथ ही बाइडेन के 5 दशक के राजनीतिक करियर का अंत हो गया था। उन्होंने 1972 में डेलावेयर राज्य से 30 साल की उम्र में सीनेटर चुनाव जीतकर अपने करियर की शुरुआत की थी। उस वक्त बाइडेन देश के सबसे युवा सीनेटर थे।

उन्होंने 1988 और 2008 में राष्ट्रपति उम्मीदवारी की रेस में भी हिस्सा लिया था। 2008 में बराक ओबामा की जीत के बाद वो अगले 2 कार्यकाल तक उपराष्ट्रपति भी रहे थे। 2020 में डेमोक्रेटिक पार्टी ने डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ उन्हें अपना राष्ट्रपति उम्मीदवार घोषित किया था।

2020 में ट्रम्प को हराकर बाइडेन अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति बने थे। 2024 में उन्होंने पार्टी के दबाव की वजह से दूसरी बार राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी छोड़ दी थी। इसके बाद कमला हैरिस राष्ट्रपति उम्मीदवार बनीं, जिन्हें ट्रम्प के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। चुनाव के नतीजे पर बोलते हुए बाइडेन ने कहा था कि अगर वो उम्मीदवार होते तो ट्रम्प को हरा सकते थे।

एक आंकड़े के मुताबिक, दुनिया भर में हर साल करीब 14 लाख लोग प्रोस्टेट कैंसर के शिकार होते हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के मुताबिक लंग्स और माउथ कैंसर के बाद पुरुषों पर सबसे ज्यादा प्रोस्टेट कैंसर का खतरा रहता है। 50 की उम्र के बाद इसका खतरा बढ़ जाता है। कई मामलों में इससे कम उम्र के मरीज भी सामने आए हैं। कई केस ऐसे भी हैं जब तक इसका पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। प्रोस्टेट कैंसर भीतर ही भीतर बढ़ते हुए ब्लैडर, लिवर, फेफड़ों और पेट जैसे अंगों में भी फैल जाता है। खून के साथ कैंसर की कोशिकाएं हड्डियों तक पहुंच जाती हैं, जिससे हड्डियों में बेतहाशा दर्द रहने लगता है, वह टूटने लगती हैं।

प्रोस्टेट कैंसर की वजह से संबंध बनाने से लेकर हमेशा के लिए पिता बनने की क्षमता तक खत्म हो सकती है। बीमारी ही नहीं, इसके इलाज के भी साइड इफेक्ट्स से जूझना पड़ सकता है। प्रोस्टेट कैंसर में यूज होने वाली हॉर्मोन थेरेपी से टेस्टोस्टेरॉन हॉर्मोन बनने बंद हो सकते हैं और इरेक्टाइल डिसफंक्शन का सामना करना पड़ सकता है।

गाजा में फूड सप्लाई को तैयार हुए नेतन्याहू

2 महीने से रुकी हुई थी, उनके ही मंत्री बोले- यह हमास को ऑक्सीजन देने जैसा

तेल अवीव, 19 मई (एजेंसियां)। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में सीमित मात्रा में खाद्य सामग्री भेजने की इजाजत दे दी है। इजराइल ने 2 मार्च से गाजा में खाने-पीने की चीजों के आने पर रोक लगा दी थी।

टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल की वॉर कैबिनेट ने सैन्य अधिकारियों की सलाह पर रविवार को यह फैसला किया। हालांकि कैबिनेट में इसे लेकर वोटिंग नहीं कराई गई क्योंकि कई मंत्री इस फैसले के खिलाफ थे।

आंतरिक सुरक्षा मंत्री इतमार बेन ग्विर और दूसरे दक्षिणपंथी नेताओं ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह हमास को 'ऑक्सीजन' देने जैसा है। पहले हमास को खत्म किया जाना जरूरी है।

इजराइल ने गाजा में 2 मार्च को लागू की नाकाबंदी

पिछले ढाई महीने में गाजा में यूएन और बाकी एजेंसियों के खाद्य भंडार पूरी तरह से खत्म हो गए हैं। खाने-पीने के सामानों की कमी के चलते गाजा में भुखमरी का खतरा बढ़ गया है।

इस वजह से अमेरिका समेत

कई देशों का इजराइल पर दबाव बढ़ रहा था, जिसके बाद पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को गाजा पट्टी में जरूरी मदद फिर से शुरू करने का आदेश दिया।

नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में मदद पहुंचाना जरूरी है ताकि गाजा में भूख की स्थिति न पैदा हो, क्योंकि इससे हमास के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान को नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि इजराइल यह सुनिश्चित करेगा कि मदद सिर्फ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे और हमास को न मिले।

रिपोर्ट के मुताबिक गाजा में फिलहाल एक हफ्ते के लिए मदद पहुंचाई जाएगी। इस दौरान इजराइल गाजा में खाना बांटने के लिए नए वितरण केंद्र बनाएगा। ये सेंटर इजराइली सेना की निगरानी में रहेंगे। इसका संचालन अमेरिकी कंपनियां करेंगी।

नई व्यवस्था के तहत गाजा के लोगों को गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) के जरिए मदद दी जाएगी। हालांकि कई सहायता एजेंसियों ने इस योजना की आलोचना की है। उनका कहना है कि इससे मानवाधिकार का उल्लंघन होता है।

इस बीच इजराइल के हमलों में एक सप्ताह में करीब 464 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि कई परिवार के सभी सदस्य इन हमलों में मारे गए। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ रविवार को इजराइली हमले में 151 लोगों की मौत हुई है।

इजराइली सेना ने बताया कि उन्होंने गाजा में बड़े पैमाने पर जमीनी अभियान शुरू किया है। इसके तह उन्होंने पिछले सप्ताह 670 से ज्यादा हमास ठिकानों पर हमला किया। गाजा में इजराइली हमले को रोकने के लिए इजराइल और हमास के बीच कतर में बातचीत चल रही थी, लेकिन इसमें कोई सफलता नहीं मिली। इजराइल का कहना है कि बंधकों को रिहा करने के बाद ही वह गाजा में अपना अभियान धीमा करेगा। गाजा में करीब 20 लाख लोग अपने घरों से बेघर हो चुके हैं और हालात दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर हालात नहीं बदले तो वहां जल्दी ही भयानक भुखमरी हो सकती है।

भारत के खिलाफ 'तीसरा फ्रंट' खोलने की तैयारी?

पाकिस्तान के यार एर्दोगन का 'स्पेस पोर्ट' प्लान तुर्की कौन सा समझौता करने जा रहा?

अंकारा/इस्लामाबाद, 19 मई (एजेंसियां)। भारत के साथ संघर्ष के दौरान तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। तुर्की ने भारत और पाकिस्तान के बीच अपना खेमा चुन लिया है। लेकिन तुर्की को लेकर ताजा रिपोर्ट्स में कहा गया है कि राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन की नजरें चीन की तरह ही हिंद महासागर में टिकी हुई हैं और इसके लिए वो अंतरिक्ष में बैलिस्टिक मिसाइल की टेस्ट के लिए एक स्पेसपोर्ट बनाने के लिए जगह खोज रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि तुर्की कथित तौर पर 'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' के सोमालिया से स्पेसपोर्ट बनाने के लिए बात कर रहा है। इसके जरिए तुर्की की कोशिश ना सिर्फ 'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' में अपना प्रभाव बढ़ाना है, बल्कि स्पेस टेक्नोलॉजी को विस्तार देते हुए सोमालिया में बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च पैड बनाना है। तुर्की इसके जरिए सोमालिया में स्थिति रणनीतिक भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाना चाहता है। हालांकि तुर्की का ये प्रोजेक्ट सीधे तौर पर भारत को प्रभावित नहीं करता है, लेकिन पाकिस्तान की मदद के लिए जिस तरह से तुर्की खड़ा रहा है, वो भविष्य में नये खतरे का दरवाजा खोलता है। रिसोनेंटन्यूज.काम की रिपोर्ट में कहा गया है कि भविष्य में पाकिस्तान तुर्की के साथ स्पेस बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में शामिल हो सकता है और यहां से भारत के लिए सीधी परेशानी शुरू होगी।

अफगानिस्तान में 4.2 तीव्रता का भूकंप

काबुल, 19 मई (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में सोमवार सुबह 4.2 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस के मुताबिक स्थानीय समय 8 बजकर 54 मिनट पर भूकंप आया। इसकी गहराई 140 किमी नीचे थी। नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक बीते चार दिनों में देश में आया यह चौथा भूकंप था।

अफगानिस्तान में 18 मई को में 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। इससे पहले 16 और 17 मई को भी अफगानिस्तान में भूकंप आया था। यूएनओसीएचए (संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय के लिए कार्यालय) ने कहा कि अफगानिस्तान में लगातार आने वाले भूकंप से कमजोर समुदायों को नुकसान पहुंचता है।

पाकिस्तान के कराची में सनसाइन रिहैब सेंटर पर शनिवार रात हिंसक भीड़ ने धावा बोल दिया। भीड़ ने सेंटर की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया, कर्मचारियों के साथ मारपीट की। इसके अलावा सेंटर के बाहर खड़ी पुलिस वैन को भी निशाना बनाया।

उपद्रवियों ने रिहैब सेंटर से 127 नशेड़ियों को भी भगा दिया। इन सभी का यहां नशे की लत छोड़ने का इलाज चल रहा था। इस सेंटर को सिंध के पुलिस अधिकारी अब्दुल खालिक अंसारी चलाते हैं। हमले के वक्त सेंटर पर 10-15 सुरक्षाकर्मी मौजूद थे, जो मरीजों की देखभाल कर रहे थे।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में एक बाजार में रविवार को हुए बम विस्फोट में 4 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 20 लोग घायल हैं। विस्फोट किला अबदुल्ला जिले में जब्बार मार्केट के पास हुआ। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार के मुताबिक विस्फोट के बाद कई दुकानें ढह गईं।

भगोड़े आरोपी नीरव मोदी को एक बार फिर झटका

लंदन हाई कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

लंदन, 19 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन की हाई कोर्ट ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में एक अरब डॉलर के घोटाले के मुख्य आरोपी नीरव मोदी को जमानत देने से इनकार कर दिया। 2019 में हिरासत में लिए जाने के बाद यह 10वीं बार है, जबकि उनकी जमानत याचिका खारिज हुई है।

वहीं, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक एक्स पर एक पोस्ट में बताया, ब्रिटेन की हाई कोर्ट ने एक बार फिर नीरव मोदी को जमानत देने से इनकार कर दिया।

नीरव मोदी पीएनबी के 1 अरब डॉलर के घोटाले के मामले में मास्टरमाइंड है। यह फैसला 15 मई 2025 को उसकी चौथी जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान लिया गया। ईडी ने आगे लिखा, सुनवाई में नीरव मोदी के बचाव पक्ष और भारत सरकार की ओर से पेश अभियोजन पक्ष की दलीलों पर विस्तार से चर्चा हुई।

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ तैयार किया डोजियर

ना सही अंग्रेजी, ना कोई सबूत, फिर करा बैठा इंटरनेशनल बेइज्जती

इस्लामाबाद, 19 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और सेना ने मिलकर भारत के खिलाफ 'डोजियर' बनाया है। इस डोजियर में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया और दूसरी घटनाओ को जिक्र करते हुए दिल्ली को 'विलेन' बनाने की कोशिश की गई है। पाकिस्तान ने इस डोजियर में खुद को पीड़ित और भारत को आक्रामक रवैया रखने वाला देश बताया है। हालांकि उसका ये डोजयर सामने आते ही औंधे मुंह गिर गया है। इसे तैयार करने में की गई गलतियां ही इसकी विश्वसनीयता को खत्म कर देती हैं। इससे पाकिस्तान को दुनिया में एक बार फिर शर्मिंदगी भी उठानी पड़ेगी।

डोजियर से मतलब किसी घटना से संबंधित दस्तावेज होते है। डोजियर को आमतौर पर अदालत में सबूत के तौर पर पेश

किया जाता है या किसी जांच के दस्तावेज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। द संडे गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामाबाद के 18 पेज के इस दस्तावेज को जारी करने का मकसद दुनिया में पाकिस्तान के लिए सहानुभूति और समर्थन पैदा करना है।

रिपोर्ट दावा करती है कि असीम मुनीर और शहबाज शरीफ के अफसर अच्छा डोजियर बनाने में कामयाब नहीं हो सके। इसमें कमजोर सबूत, गलत स्पेलिंग और प्रोपेगेंडा भरा है। डोजियर में आरोप लगाया गया है कि भारत ने पहलगाम हमले की साजिश खुद रची। इस साजिश का मकसद पाकिस्तान पर सैन्य हमले का बहाना ढूंढना था। डोजियर में भारत पर धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने, नागरिकों पर हमले और झूठी कहानी बनाने का आरोप लगाया गया है।

डोजियर में भारत पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं लेकिन कोई सबूत नहीं दिया गया है। इस डोजियर में ना तो कोई फोटो है, ना कोई सैटेलाइट इमेज और ना ही किसी तीसरे पक्ष की कोई गवाही है।

मोसाद का सबसे खतरनाक जासूस एली कोहेन

दुश्मन राष्ट्रपति से कर ली थी दोस्ती, फांसी के 60 साल बाद इजरायल को बड़ी कामयाबी

तेल अवीव, 19 मई (एजेंसियां)। इजरायल ने सीरिया से अपने सबसे खतरनाक और मशहूर जासूस एली कोहेन से जुड़ी हजारों चीजें बरामद की हैं। रविवार को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सीरिया के आर्काइव से एली कोहेन से जुड़ी 2,500 वस्तुओं में से कुछ को कोहेन की पत्नी के साथ साझा किया। इजरायल ने सीक्रेट ऑपरेशन के जरिए सीरिया से एली कोहेन की ये चीजें लाने में कामयाबी पाई है। एली ने 60 के दशक में सीरिया से अहम जानकारी जुटाकर इजरायली फौज की बड़ी मदद की थी। सीरिया में एली को गिरफ्तार करने के बाद मौत की सजा दी गई थी। रविवार को कोहेन को सीरिया की राजधानी दमिश्क के चौराहे पर फांसी दिए जाने के 60 साल पूरे हो

गए हैं। नेतन्याहू ने इस मौके पर कोहेन को इजरायल का हीरो कहते हुए याद किया है।

इजरायल ने कोहेन से जुड़ी जो चीजें सीरिया से वापस लाने में कामयाबी पाई है। उनमें अहम दस्तावेज, रिकॉर्डिंग, उनके लिखे खत, सीरिया में मिशन की तस्वीरें और गिरफ्तारी के बाद उनके घर से जब्त की गई चीजें शामिल हैं। इजरायल लाए गए सूटकेसों में हाथ से लिखे नोटों से भरे फोल्डर, कोहेन के दमिश्क के अपार्टमेंट की चाबियां, नकली पासपोर्ट और पहचान पत्र और उनकी विधवा नादिया की एली की रिहाई के लिए विश्व नेताओं से की गई गुहार के दस्तावेज हैं। इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद की दुनिया में पहचान बनाने में कोहेन की सबसे बड़ी भूमिका मानी जाती है। सीरिया में कोहेन का मिशन मोसाद की विश्व स्तर पर पहली बड़ी उपलब्धि थी। इजरायल को सीरिया के खिलाफ 1967 के युद्ध में मिली जीत का श्रेय कोहेन की जासूसी को दिया जाता है। इस युद्ध ने अरब जगत में इजरायल का दबदबा कायम किया। साल 2019 में 'द स्पाई' के नाम से एली कोहेन के जीवन से प्रेरित सीरीज भी बन चुकी है। एली कोहेन साल 1924 में मिस्र के एलेग्जेंड्रिया में एक सीरियाई-यहूदी परिवार में हुए थे। उनके पिता साल 1914 में सीरिया के एलेप्पो से यहां आकर बसे थे। साल 1949 में कोहेन का परिवार इजरायल में जाकर बस गया लेकिन कोहेन कुछ समय तक मिस्र में रुककर अपनी पढ़ाई पूरी करते रहे।

पाकिस्तानी एयरफोर्स जैसी तबाही से बचने की तैयारी में चीन

हिमालय में भारत के खिलाफ 6 एयरबेस को बना रहा किला

बीजिंग, 19 मई (एजेंसियां)। भारत ने पाकिस्तान के कई एयरबेस पर जो तबाही मचाई है, उसने चीन के पैरों तले जमीन खिसकाकर रख दी है। रिपोर्ट है कि चीन ने काफी सक्रियता के साथ अपनी वायुशक्ति को मजबूत करना शुरू कर दिया है, जिसका हिमालयी क्षेत्र में भारत के साथ विवाद चल रहा है। कम से कम पांच ठिकानों से ली गई सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि चीन 2024 से ही नए एप्रन स्पेस, इंजन टेस्ट पैड और सपोर्ट स्ट्रक्चर के साथ एयरबेस को अपग्रेड करना शुरू कर चुका है। कुछ तस्वीरों में टरमैक पर ड्रोन भी दिखाई दे रहे हैं, जो चीनी वायुशक्ति का मुख्य आधार है। ये सैटेलाइट तस्वीरें चीन के टिंगरी, ल्हुन्जे, बुरांग, युतियान और यारकंट में बनाए गये नए एयरबेसों के हैं। चीन ने इन एयरबेसों में नए रनवे, हैंगर, ड्रोन बेस, रडार सिस्टम और हथियार डिपो जैसी सुविधाएं जोड़ी हैं।

सबसे पहले ये निर्माण 2016 में यारकंट और 2019 में युटियन में शुरू हुआ था। टिंगरी, लहुंजे और बुरांग में 2021 में प्रारंभिक निर्माण गतिविधि देखी गई। उसके बाद से लगातार सभी को अपग्रेड किया गया है। इन एयरबेसों की ताजा सैटेलाइट तस्वीरों से ये भी खुलासा होता है कि चीन अब तिब्बत क्षेत्र में सिर्फ निगरानी नहीं कर रहा, बल्कि युद्ध करने के लिए एक नेटवर्क तैयार कर रहा है। हालांकि भारतीय वायुसेना ने कहा है कि हमारे पास अपने तंत्र हैं और हम खुद को जागरूक रखते हैं।

भारतीय वायुसेना को अभी तक हिमालयी क्षेत्र होने की वजह से भौगोलिक लाभ हासिल था। लेकिन इन 6 एयरबेस का निर्माण कर चीन ने भारतीय वायुसेना को मिलने वाली प्राकृतिक लाभ को खत्म करने की कोशिश की है। इन इलाकों में तैनात फाइटर जेट्स में ज्यादा ताकतवर इंजन लगाए गये हैं। वहीं इन एयरबेस पर चीन ने ड्रोन्स और लूटर म्यूनिशन्स, एयरबोर्न अर्ली वार्निंग सिस्टम (एडब्ल्यूएसीएस), एयर-टु-एयर रिफ्यूलिंग और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर को मजबूत कर लिया है। एयर मार्शल अनिल खोसला (रिटायर्ड), जो पहले वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ थे, उनके मुताबिक अब चीनी एयरफोर्स की तैनाती का समय घटा है, और उनकी प्रतिक्रिया क्षमताएं तेज हुई हैं। यह स्पष्ट रूप से इंडियन एयरफोर्स के पारंपरिक वर्चस्व को चुनौती देता है। उन्होंने कहा कि टिंगरी, ल्हुन्ज़े और बुरांग जैसे एयरबेस वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब, 25-150 किमी के भीतर स्थित हैं। यह नजदीकी पीएलए वायु सेना (पीएलएएएफ) की संपत्तियों को अग्रिम ठिकानों पर तत्काल तैनाती और सीमा पर तनाव बढ़ने की स्थिति में कम समय में प्रतिक्रिया देने के काबिल बनाती है।

चीन सिर्फ एक एयरबेस पर निर्भर नहीं रहना चाहता है और उसकी कोशिश है कि अगर किसी एक एयरबेस पर हमला हो और वो ऑपरेशन से बाहर हो जाए, तो दूसरा एयरबेस तैयार रहे। लिहाजा इन सभी एयरबेस को भी एक दूसरे से कनेक्ट किया गया है, आपस में उन्हें रडार, ईंधन लॉजिस्टिक्स और मेंटेनेंस सपोर्ट से जोड़ा गया है। फॉरवर्ड और बैकएंड बेस के बीच मूवमेंट को तेज करने का काम किया गया है।

ट्रंप ने रूस-यूक्रेन के बीच युद्धविराम की कोशिशें की तेज

पुतिन और जेलेंस्की से फोन पर की बात

वॉशिंगटन, 19 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया का दौरा पूरा करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन के बीच युद्धविराम की कोशिशें तेज कर दी हैं। इसी के तहत ट्रंप ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर बात की। इस बातचीत के बाद ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सोमवार को दोनों देशों के नेताओं से हुई बातचीत युद्धविराम का रास्ता साफ करेगी। ट्रंप ने नाटो देशों के नेताओं के साथ भी सोमवार को बात की। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव जीत से पहले ही दावा किया था कि वे सत्ता में आए तो रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवा देंगे। हालांकि

जनवरी में सत्ता संभालने के बाद अब ट्रंप को कई माह बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम नहीं हो पाया है, जिससे ट्रंप की समझौता कराने वाले नेता की छवि को नुकसान पहुंच रहा है। कई लोगों का मानना है कि ट्रंप प्रशासन यूक्रेन पर शांतिवार्ता के लिए दबाव बना रहा है। यूक्रेन में अमेरिकी राजदूत रह चुकीं ब्रिजेट ब्रिंक ने भी आरोप लगाया है कि अमेरिकी सरकार यूक्रेन पर दबाव बना रही है। उन्होंने कहा कि जो आक्रामणकारी है, उसका ही समर्थन किया जा रहा है और पीड़ित को दबाया जा रहा है। अमेरिका की वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट ने राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की बातचीत पर कहा कि अगर रूस ने शांतिवार्ता पर बात नहीं मानी तो इसके चलते रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। बीते हफ्ते तुर्किये में रूसी और यूक्रेनी राष्ट्रपति की बातचीत होनी थी, लेकिन आखिरी समय में पुतिन ने तुर्किये जाने से इनकार कर दिया।

स्पार्टा में भगवान हनुमान की मूर्ति स्थापित

भारतीय दूतावास ने कहा- विश्वास और मित्रता का प्रतीक

जॉर्जटाउन, 19 मई (एजेंसियां)। गुयाना के स्पार्टा में एस्सेक्विबो तट पर रविवार को सीता राम राधे श्याम मंदिर में भगवान हनुमान की 16 फीट की मूर्ति स्थापित की गई। भारतीय दूतावास ने मूर्ति को 'विश्वास, मित्रता और दृढ़ संकल्प' का प्रतीक बताया है। दूतावास ने कहा कि भगवान हनुमान की मूर्ति को सूकलाल परिवार ने भारत से आयात किया है और अपने माता-पिता की याद में स्थापित किया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मूर्ति के अनावरण से पहले शुक्रवार को तीन दिवसीय यज्ञ शुरू किया गया, जिसके बाद भक्तों की भारी भीड़ के सामने मूर्ति का अनावरण

किया गया। धार्मिक कार्यक्रम में समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, भगवान हनुमान की मूर्ति की स्थापना मंदिर और क्षेत्र के हिंदू समुदाय के लिए एक मील का पत्थर है। गुयाना में भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट कर भगवान हनुमान की मूर्ति की तस्वीर साझा की। दूतावास ने कहा, 'स्पार्टा के सीता राम राधे श्याम मंदिर में भगवान हनुमान की 16 फीट ऊंची मूर्ति स्थापित की गई है। यह आस्था, मित्रता और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। भगवान बजरंगबली भारत और गुयाना के बीच लोगों के बीच घनिष्ठ संबंध बनाने के हमारे प्रयासों में हमारा भला करें।'

पिछले साल नवंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुयाना में प्रवासी भारतीयों के प्रभाव पर प्रकाश डाला था। उन्होंने कहा था कि वहां 'एक मिनी इंडिया' मौजूद है, जहां भारतीय मूल के लोग राजनीति, व्यापार, शिक्षा और संस्कृति में अग्रणी बन गए हैं।

पोलैंड के चुनाव में उदारवादी खेमे को बढ़त के संकेत

दूसरे चरण में होगा कड़ा मुकाबला

वॉरसा, 19 मई (एजेंसियां)। पोलैंड में रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव के पहले चरण में किसी भी उम्मीदवार को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। एग्जिट पोल के अनुसार, वारसॉ के उदारवादी मेयर राफाल ट्रज़ास्कोव्स्की और रूढ़िवादी इतिहासकार कारो नव्रॉकी सबसे आगे हैं। अब दोनों के बीच एक जून को दूसरे दौर का सीधा मुकाबला होगा। आईपीएसओएस संस्थान द्वारा किए गए एग्जिट पोल में ट्रज़ास्कोव्स्की को 30.8% और नव्रॉकी को 29.1% वोट मिलने का अनुमान है।

इतिहास को लेकर 'बवाल': बेनीवाल को राठौड़ का करारा जवाब, बोले- पढ़ेंगे नहीं तो ज्ञान कैसे बढ़ेगा?

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में इन दिनों इतिहास और वीरता को लेकर हो रही बयानबाज़ी पर सियासी घमासान मचा हुआ है। नागौर सांसद और आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल के इतिहास को लेकर दिए हालिया विवादित बयान पर अब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। राठौड़ ने बेनीवाल को 'कुंठित मानसिकता; वाला बताते हुए उन्हें राजस्थान का गौरवशाली इतिहास पढ़ने की सलाह दी है।

क्या कहा था हनुमान बेनीवाल ने?

दरअसल, जयपुर में SI भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर धरने पर बैठे बेनीवाल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि राजस्थान में एक-दो लोगों ने ही लड़ाइयां लड़ीं, बाकी तो मुगलों के आगे दंडवत हो जाते थे, मुगलों के आने पर 70 किलोमीटर पहले ही अपनी बेटियां लेकर पुहंच जाते थे। कुछ तो अपनी बेटियों को भी आगे कर देते थे। उन्होंने केवल महाराणा प्रताप और राजा सूरजमल को ही असली योद्धा बताया था। इस बयान के बाद सामाजिक और राजनीतिक लोगों ने बेनीवाल पर निशाना साधा है।

बेनीवाल को मदन राठौड़ की दो टूक

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बेनीवाल के बयान की निंदा करते हुए कहा कि यदि इतिहास पढ़ेंगे तो राणा सांगा, राणा कुम्भा, पृथ्वीराज चौहान, अमरसिंह राठौड़, दुर्गादास राठौड़ जैसे वीर योद्धा मिलेंगे। लेकिन पढ़ेंगे कब? उन्हें तो मेरी-तेरी करने से ही फुर्सत नहीं मिलती। राठौड़ ने बेनीवाल के बयान को राजस्थान की वीर परंपरा का अपमान बताते हुए कहा कि यह न सिर्फ इतिहास का अपमान है, बल्कि देश की चेतना पर भी चोट है।

वहीं एक अन्य बयान में मदन राठौड़ ने कांग्रेस सांसद जयराम रमेश पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर जैसे सैन्य अभियान की सफलता देश की बड़ी उपलब्धि है। इसे दुनिया में बताने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजा जा रहा है। कांग्रेस को इसका विरोध नहीं करना चाहिए।

मारवाड़ राजपूत सभा के अध्यक्ष हनुमान सिंह खांगटा ने भी बेनीवाल के बयान पर तीखा विरोध जताते हुए कहा कि ऐसे ओछी सोच वाले व्यक्ति का दिमागी दिवालियापन साफ नज़र आता है। यदि राजस्थान के वीर नहीं होते, तो आज बहुत कुछ अलग होता। उन्होंने बेनीवाल पर परदे के पीछे समझौते और सौदेबाजी करने का भी आरोप लगाया।

इधरस बेनीवाल के बयान के बाद सोशल मीडिया पर भी उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है। यूजर्स ने उन्हें इतिहास पढ़ने की सलाह देते हुए कहा कि राजस्थान की धरती वीरों की जननी है, उसका अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

22 को बीकानेर आएंगे पीएम मोदी

स्वागत की तैयारियां जोरों पर

सैनिकों से मुलाकात की संभावना

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई को बीकानेर जाएंगे, जहां वे देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में दर्शन करेंगे। मोदी का यह दौरा कई मायनों में बेहद अहम माना जा रहा है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य टकराव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार राजस्थान के सीमावर्ती जिले बीकानेर आ रहे हैं। वे यहां से सीमा पर तैनात सैन्य बलों से मिलने भी जा सकते हैं। हालांकि अब तक इस कार्यक्रम की पुष्टि नहीं हुई है। इधर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस दौरे की तैयारियों को देखने शनिवार शाम बीकानेर पहुंचे थे। देश के कानून मंत्री और बीकानेर सांसद अर्जुनराम मेघवाल का कहना है कि बीकानेर के लिए प्रधानमंत्री का यह दौरा काफी अहम है। उन्होंने कहा कि यह धरती मोदी के स्वागत के लिए एक बार फिर से तैयार है। इससे पहले मोदी 2023 में नवंबर में बीकानेर दौरे पर आए थे। मोदी के दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा बंद नहीं होंगे अंग्रेजी स्कूल, इनका विकास प्राथमिकता

श्री गंगानगर, 19 मई (एजेंसियां)। शिक्षा (विद्यालयी-संस्कृत) एवं पंचायती राज विभाग मंत्री मदन दिलावर श्रीगंगानगर में एक दिवसीय दौरे पर आए हुए थे। इस अवसर पर शिक्षा विभाग और पंचायती राज विभाग से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर कहा सरकार ने 28 हजार तृतीय श्रेणी शिक्षकों का प्रमोशन किया है। हालांकि, स्थानांतरण नीति को लेकर स्पष्ट मत व्यक्त नहीं किया। उन्होंने कहा कि इस दिशा में प्रयास जारी हैं और शीघ्र ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे ताकि शिक्षकों का स्थानांतरण समय पर हो सके।

डीइओ स्तर के अधिकारियों की डीपीसी की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जल्द ही खाली पदों पर नई नियुक्ति की जाएगी। सरकार इस दिशा में तेजी से कदम उठा रही है ताकि अधीनस्थ कर्मचारियों की पोस्टिंग में कोई बाधा न आए।

प्रवेश प्रक्रिया चल रही है और जहां कमियां पाई गई हैं, वहां सुधार किया जा रहा है। इन स्कूलों की निरंतर समीक्षा की जा रही है, ताकि उनकी गुणवत्ता और प्रभावशीलता में सुधार हो। इन स्कूलों को बंद करने का कोई प्रस्ताव नहीं है,बल्कि उनका विकास और सुधार ही प्राथमिकता है। यदि कहीं शिक्षक और विद्यार्थियों का अनुपात ठीक नहीं है तो उसकी समीक्षा की जाएगी। आवश्यकतानुसार सुधार किए जाएंगे ताकि इन विद्यालयों की स्थिति मजबूत हो सके और बच्चों को बेहतर शिक्षा का लाभ मिल सके। लोकतंत्र का पहला स्तंभ पंचायत में वार्ड पंच है और इसे मजबूत बनाने के लिए कदम उठाए गए हैं। ग्राम पंचायत की मीटिंग में कार्रवाई रजिस्टर में वार्ड पंच के हस्ताक्षर आवश्यक करेंगे और आखिर में निष्कर्ष लिखे जाएंगे। साथ ही, भ्रष्टाचार रोकने के लिए सरपंच, ग्राम सचिव, कनिष्ठ अभियंता, सहायक अभियंता और बीडीओ की जिम्मेदारी तय की गई है।

सरकार ने सैनिकों और वीरांगनाओं को दी बड़ी सौगात, मिलेगी विशेष छूट

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। राजस्थान पर्यटन विकास निगम ने सैनिकों, गौरव सेनानियों और वीरांगनाओं के लिए एक बड़ी सौगात का ऐलान किया है। अब ये सभी वर्ग आरटीडीसी के होटलों और गेस्ट हाउसों में विशेष छूट का लाभ ले सकेंगे। यह निर्णय देश के लिए बलिदान देने वाले वीरों को सम्मान देने के उद्देश्य से लिया गया है। भजनलाल सरकार के इस फैसले से सैनिकों में खुशी की लहर है। दरअसल, सैनिकों और गौरव सेनानियों को आरटीडीसी होटलों व गेस्ट हाउसों में ठहरने पर 25% की छूट मिलेगी। वीरांगनाओं को 50% की विशेष छूट दी जाएगी। बता दें, यह सुविधा तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

वहीं, छूट पाने के लिए संबंधित पहचान पत्र या दस्तावेज दिखाना आवश्यक होगा। इस फैसले की जानकारी देते हुए उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने कहा कि यह निर्णय देशभक्त सैनिकों, गौरव सेनानियों और वीरांगनाओं के प्रति सम्मान प्रकट करने की दिशा में एक छोटा सा लेकिन महत्वपूर्ण प्रयास है।

यह कदम न केवल उनके बलिदान को याद करता है, बल्कि यह बताता है कि डबल इंजन की सरकार सदैव सैन्य परिवारों के साथ खड़ी है।

प्रदेश की संस्कृति से जुड़ने का अवसर

बताते चलें कि यह योजना न केवल आर्थिक सहूलियत देती है, बल्कि राजस्थान की समृद्ध विरासत, स्थापत्य और संस्कृति से जुड़ने का भी अवसर प्रदान करती है। आरटीडीसी के होटलों में ठहरकर सैनिक परिवार राज्य के पर्यटन स्थलों का सजीव अनुभव ले सकेंगे। राजस्थान सरकार का यह निर्णय समाज में यह संदेश भी देता है कि देश की रक्षा में जुटे वीरों और उनके परिजनों के प्रति हम हमेशा ऋणी हैं। यह पहल देशभक्ति, सम्मान और सेवा भावना को मजबूत करती है।

167 करोड़ की लागत से बन रहा प्रदेश का पहला वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो

जोधपुर, 19 मई (एजेंसियां)। देश में वर्तमान समय की आधुनिक ट्रेनों में शुमार सेमी हाई स्पीड वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेनों का मेंटेनेन्स डिपो जोधपुर में आकार ले रहा है। यह प्रदेश का पहला कोच मेंटेनेंस डिपो व वर्कशॉप होगा। करीब 167 करोड़ रुपए की लागत से यह डिपो भगत की कोठी रेलवे स्टेशन के सैकण्ड एंट्री गेट व वॉशिंग लाइन के बीच वाली जगह पर बनाया जा रहा है। वन्दे भारत ट्रेनों के बनाए जाने वाले चार कोच मेंटेनेंस डिपो में जोधपुर भी शामिल है।

राजस्थान में यहां 122 करोड़ की लागत से बनेगा नया इंटेक पम्प हाउस, इन जिलों को मिलेगा भरपूर पानी

कोच मेंटेनेंस डिपो में एक समय में 3 ट्रेनों की एक साथ जांच की जा सकेगी। डिपो एरिया में वर्कशॉप क्षेत्र भी होगा, जहां सभी बोगी, व्हील, एयर ब्रेक सिस्टम का रखरखाव किया जा सकेगा। इस डिपो में क्रमशः 24 कोच, 16 कोच, 16 कोच की 3 रखरखाव पिट लाइन होंगी। इस डिपो में ट्रेनों के बाहरी हिस्से की धुलाई के लिए स्वचालित कोच वॉशिंग प्लांट होगा। कोचों को उठाए बिना बोगियों को हटाने और फिट करने के लिए अत्याधुनिक ड्रॉप पिट टेबल भी लगाई जाएगी।

डिपो वर्कशॉप की खासियत

डिपो और वर्कशॉप में ड्रॉप पिट टेबल का उपयोग करके बोगियों को स्थानांतरित करने की सुविधा। बिना किसी बाधा के वन्दे भारत ट्रेन के पहियों को घुमाने आदि के आधुनिक उपकरण होंगे। डिपो में सेंट्रलाइज्ड वर्कशॉप के साथ आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना। यहां देश में चलने वाली वन्दे भारत स्लीपर ट्रेनों के स्टाफ और इंजीनियर प्रशिक्षण ले सकेंगे। वन्दे भारत ट्रेन पूरे इलेक्ट्रिफाइड ट्रैक पर चलेगी। इसके मेंटेनेंस के लिए डिपो में वायरिंग का काम होगा। इसकी अलग से व्हील रैक होगी। मेंटेनेंस के इक्विपमेंट की टेस्टिंग लेब बनेगी। डिपो एरिया में वर्कशॉप में सभी बोगी, व्हील, एयर ब्रेक सिस्टम का रखरखाव किया जा सकेगा।

आकार ले रहा कोच मेंटेनेन्स डिपो

डीआरएम, मुख्यालय व बोर्ड के निर्देशन में वन्दे भारत ट्रेनों के रख-रखाव के लिए भगत की कोठी रेलवे स्टेशन की जमीन पर मेंटेनेंस कोच डिपो आकार ले रहा है। यह काम समय पर पूरा कराने का प्रयास रहेगा।

भजनलाल सरकार के सारे फैसले दिल्ली या आरएसएस हैडक्वार्टर से हो रहे हैं- अशोक गहलोत

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने सीजफायर के मुद्दे पर केंद्र सरकार को एक बार फिर से निशाने पर लिया। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश की भजनलाल सरकार को भी निशाने पर लिया। गहलोत ने कहा- पूरी भजनलाल सरकार दबाव में चल रही है। सारे फैसले दिल्ली या जयपुर आरएसएस हेड क्वार्टर से हो रहे हैं। मैंने तो एक बार सुना कि जब कोई लिस्ट आई तो मुख्यमंत्री ने पूछा कि जो नाम अपन ने दिए वो आए हैं कि नहीं? अगर यह स्थिति है तो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। मुख्यमंत्री बहुत भले आदमी हैं उन्हें पद की गरिमा बनाए रखनी चाहिए। ये क्या मजाक है, पता नहीं कौन लिस्टें बनाते हैं, कौन क्या करते हैं।

वहीं सीजफायर के मुद्दे पर गहलोत ने कहा कि ट्रंप की एंट्री और उनके बयानों से देश में गुस्सा है। अगर यही हाल रहा तो देश को इसका खामियाजा भुगताना पड़ सकता है। गहलोत ने सवाल उठाया कि पीएम नरेंद्र मोदी चुप क्यों हैं? ट्रंप बार-बार बयान बदल रहे हैं इसलिए सरकार को इस संबंध में स्पष्ट करना चाहिए। गहलोत ने कहा कि बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही तिरंगा यात्रा निकाल रही हैं। गहलोत ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हुआ तो राहुल गांधी ने देश के लोगों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई। लोगों ने भी समर्थन किया। सभी को लगा कि जो होगा अच्छे के लिए होगा। फिर सेना ने जो किया उसे भी लोगों ने समर्थन दिया। सेना ने दुनिया को संदेश दिया कि हमारी लड़ाई आतंकवाद को लेकर है, किसी नागरिक को नुकसान नहीं पहुंचा। गहलोत ने कहा कि लेकिन डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से तस्वीर में आए, वह बहुत ही खतरनाक था, क्योंकि ऐसा कभी नहीं हुआ। हमने अपने देश के मामले में कभी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया। गहलोत ने कहा कि सरकार को ट्रंप के ट्वीट पर आपत्ति जतानी चाहिए थी।

सीएम के दौरे से पहले गरमाई सियासत

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने लगाए गंभीर आरोप

अलवर, 19 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अलवर दौरे से पहले ही सियासी पारा चढ़ गया है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार पर जमकर निशाना साधा और कई गंभीर आरोप लगाए। टीकाराम जूली ने मुख्यमंत्री के डेयरी दौरे पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि जिन डेयरी चेयरमैन ने दूध में मिलावट की शिकायत उजागर की, उन्हें पद से हटा दिया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में चार जांचें हुईं लेकिन एक में भी दोषी नहीं पाया गया। ऐसे में मुख्यमंत्री को डेयरी जांच की रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए। जूली ने मुख्यमंत्री से यह भी मांग की कि वे अलवर को संभाग बनाने की घोषणा करें। उन्होंने कहा कि अलवर में पानी की समस्या विकराल रूप ले चुकी है और इस पर बयानबाजी की बजाय ठोस समाधान होना चाहिए।

जूली ने आरोप लगाया कि सरकार कांग्रेस पृष्ठभूमि से आने वाले जनप्रतिनिधियों को नाजायज तरीके से हटाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इतिहास में पहली बार अलवर में मिलावटी दूध पर कार्रवाई हुई, लेकिन इसके बाद मंत्रियों ने डेयरी सदस्यों से जबरन इस्तीफे दिलवाए।

नेता प्रतिपक्ष ने सवाल किया कि अलवर के सांसद ने अब तक कौन से विकास कार्य करवाए हैं? केंद्र सरकार से अलवर के लिए क्या लेकर आए हैं, इसकी भी स्थिति स्पष्ट की जाए।

जूली ने कहा कि एसपी और कलेक्टर के घर के पीछे गौ-तस्करी हो रही है और राजस्थान में अपराध पर कोई लगाम नहीं लग रही। उन्होंने वन मंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि वे अलवर में सोते कर्मचारियों को जगा रहे हैं, लेकिन सवाल उठता है कि जब अलवर में यह हाल है तो बाकी जिलों की क्या स्थिति होगी?

अंत में उन्होंने कहा कि अब प्रशासन को नेताओं का डर नहीं लगता क्योंकि भूमाफिया और शराब माफिया राज्य व केंद्र सरकार के मंत्रियों के साथ तस्वीरें खिंचवाकर होर्डिंग और पोस्टर में दिख रहे हैं। ऐसे हालातों में प्रदेश की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है।

युवक को घर से बाहर बुलाकर गोली मारी

मौके पर हुई मौत, सीसीटीवी में दिखे संदिग्ध

हनुमानगढ़, 19 मई (एजेंसियां)। जिले के गोलूवाला थाना क्षेत्र के लखासर गांव में दिनदहाड़े 35 वर्षीय युवक महावीर बिश्नोई की गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमलावरों ने मृतक को फोन कर घर से बाहर बुलाया और उसके बाद फायरिंग कर दी। तीन राउंड फायरिंग में एक गोली सिर में, दूसरी छाती में लगी, जबकि एक गोली दीवार पर जा लगी, जिससे महावीर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना मृतक के घर से करीब 50-60 कदम दूर हुई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राकेश सांखला, कैंचिया चौकी प्रभारी वेदप्रकाश सोनी, डीएसटी इंचार्ज लाल बहादुर चंद्र व एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। सीओ मीनाक्षी लेघा ने बताया कि हत्या की जांच में तेजी लाई गई है और मामला दर्ज कर तीन संदिग्धों की पहचान की जा रही है। घटना से पहले गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों में एक संदिग्ध बाइक पर घूमता नजर आया है। कुछ फुटेज में तीन लोगों के एक साथ बाइक पर होने के संकेत मिले हैं।

प्रतियोगी परीक्षा पेपर लीक गिरोह का भंडाफोड़

एसओजी ने फरार महिला आरोपी को गिरफ्तार किया

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 15–16 अक्टूबर 2022 को आयोजित प्राध्यापक अर्थशास्त्र (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा की गड़बड़ी को उजागर करने के लिए एसओजी ने लंबी छानबीन के बाद शनिवार को फरार आरोपी स्कूल लेक्चरर कविता लखेरा (35) को अरेस्ट कर कोर्ट में पेश किया। सोमवार तक तीन दिन के रिमांड पर भेजी गई कविता लखेरा मालपुरा गेट, सांगानेर निवासी श्याम सुन्दर लखेरा की पत्नी हैं।

एसओजी के एडीजी वी.के. सिंह ने बताया कि कविता ने अपने भाई दीपक लक्षकार और पेपर माफियाओं के जरिए 25 लाख रुपए में परीक्षा से पहले अर्थशास्त्र का प्रश्नपत्र प्राप्त कर उसे कई उम्मीदवारों को पढ़वाया। परीक्षा से एक दिन पहले विशेष स्थान पर रखे गए 8–10 अभ्यर्थियों को रात में परीक्षा का पेपर समझाया गया, फिर उन्हें परीक्षा केन्द्र रवाना किया गया। इस गिरोह ने परीक्षा से पहले और बाद में क्रमशः 12 व 13 लाख रुपए की किश्तें प्राप्त करने के लिए एक प्लॉट तक बेच दिया था। एसओजी की प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया कि कविता लखेरा ने लीक पेपर से तैयारी कर 20वें स्थान पर मेरिट हासिल की थी, जबकि इससे पहले उसने कई बार परीक्षाएं दीं लेकिन सफल नहीं हो पाई थी। आशंका के आधार पर पहले ही कविता के भाई दीपक लक्षकार, टोंक निवासी ओमप्रकाश गुर्जर, जालौर निवासी गणपत विश्नोई, जयपुर निवासी राम रतन, टोंक के रामचंद्र मीणा व जयपुर के पुरुषोत्तम लखेरा के साथ आरोपी बनाया गया था।

पॉक्सो केस में 50 हजार की रिश्वत लेने वाले दलाल को जेल

घटनाक्रम के बाद से डीएसपी और रीडर 'गायब'

दौसा, 19 मई (एजेंसियां)। पॉक्सो मामले में मदद करने के एवज में परिवादी से 50 हजार की रिश्वत लेते पकड़े गए आरोपी बालाहेड़ी निवासी विष्णु कुमार मीणा को एसीबी ने न्यायाधीश के समक्ष पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। वहीं, घटनाक्रम के बाद से महुवा पुलिस उपाधीक्षक रमेश चंद तिवारी एवं रीडर रामदेव भी 'गायब' हैं। एसीबी उन्हें फरार मानकर तलाश कर रही है। एसीबी के पुलिस उप अधीक्षक नवल किशोर मीणा ने बताया कि महुवा डीएसपी एवं रीडर के नाम पर रिश्वत लेते गिरफ्तार किए आरोपी विष्णु को जयपुर एसीबी न्यायालय के न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया। जहां से आरोपी को 23 मई तक जेसी भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि मामले में पुलिस उप अधीक्षक रमेश चंद तिवारी एवं रीडर रामदेव की भूमिका संदिग्ध मानी गई है और दोनों का अभी तक पता नहीं चला है। ऐसे में नोटिस देने की प्रक्रिया भी पूरी नहीं हो पाई है। डीएसपी एवं रीडर ने अवकाश भी नहीं लिया है।

झूठी गवाही देने से इनकार करने पर युवक को बेरहमी से पीटा

पीड़ित ने पीया जहर; सीओ के खिलाफ केस दर्ज

सवाई माधोपुर, 19 मई (एजेंसियां)। सूरवाल निवासी महिला शोभा मीना ने शहर पुलिस उपाधीक्षक उदय सिंह सहित तीन नामजद लोगों के खिलाफ जरिए इस्तगासा सूरवाल थाने में उसके पति के साथ मारपीट करने का मामला दर्ज कराया है। नामजद आरोपी शहर पुलिस उपाधीक्षक उदयसिंह मीणा, मुंशी मीणा व मनीष निवासी आकाशवाणी हैं। सीओ सिटी ने महिला के पति को धमकाकर मानटाउन थाने के कांस्टेबल नरेश मीणा, विजय गुर्जर व बुद्धिप्रकाश के खिलाफ पांच लाख रुपए रिश्वत लेने का झूठा आरोप लगाने की बात कही। इस पर मानसिंह ने झूठी गवाही देने से मना कर दिया। इसके बाद सीओ सिटी ने महिला के पति के साथ करीब दो घंटे तक मारपीट की। वहीं महिला के पति का फोन भी स्विच ऑफ कर दिया। फिर कोतवाली थाने से सीओ सिटी ऑफिस बुलाकर तीन लाख रुपए की मांग की। नहीं लाने पर 10 से 15 झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। सीओ सिटी की ओर से लगातार धमकी देने से मानसिंह ने जहर भी पी लिया था। इसके बाद मानसिंह को सूरवाल डिस्पेंसरी में भर्ती कराया, वहां से सवाईमाधोपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। स्पताल में भी सीओ सिटी ने पैसे देने व कांस्टेबलों के खिलाफ बयान देने के लिए धमकाया। महिला ने आरोप लगाया कि लगातार धमकियां देने से उन्होंने बच्ची सहित आत्महत्या करने का प्रयास भी किया।

गला काटकर कर डाली बदमाशों ने महिला की हत्या

प्रतापगढ़, 19 मई (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ जिले के छोटीसादड़ी शहर में आज सुबह एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है। महिला की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई है। हत्या की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है, जो घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने में लगी है।

युवक की हत्या : प्रशासन ने ताबड़तोड़ कार्रवाई कर हिस्ट्रीशीटर का मकान ध्वस्त किया

कोटा, 19 मई (एजेंसियां)। जिले में मामूली बात को लेकर हुए विवाद में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद इलाके में तनाव फैल गया। घटना के विरोध में ग्रामीणों ने सांगोद-कनवास रोड और दरा-सांगोद रोड को पूरी तरह से जाम कर दिया। देर रात तक आक्रोशित भीड़ डटी रही, वहीं पुलिस और प्रशासन के उच्च अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए थे।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने आरोपी के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू की। आरोपी अतीक अहमद का मकान प्रशासन द्वारा ध्वस्त किया गया, जिससे ग्रामीणों में आंशिक रूप से संतोष देखा गया और मामला कुछ हद तक शांत हो सका। जिला कलेक्टर डॉ. रविंद्र गोस्वामी, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर समेत अन्य अधिकारी देर रात तक मौके पर मौजूद रहे।

प्रचंड गर्मी का कहर, गंगानगर और फलौदी में पारा 46 पार, दिन-रात चल रही है हीट वेव्स

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में गर्मी का प्रकोप अपने चरम पर है। दिन के साथ रात के समय भी हीट वेव्स झुलसा रही हैं। प्रदेश में अधिकतम तापमान का स्तर 46 डिग्री को भी पार कर गया है। हालांकि अप्रैल के अंत में प्रदेश का पारा 47 डिग्री को छू गया था। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी राजस्थान में अगले 4 से 5 दिनों तक दिन के साथ रात में भी हीट वेव्स चलेंगी। राजधानी जयपुर में भी पारा तेजी से चढ़ रहा है। यहां अधिकतम तापमान 44 डिग्री को पार कर गया है। प्रशासन की तरफ से शहर की सड़कों पर छिड़काव करवाया जा रहा है। रात्रि के समय भी कई जिलों में पारा 30 डिग्री से अधिक पहुंच गया है। सर्वाधिक न्यूनतम तापमान फलौदी में 316 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री रेवंत ने अपने पैतृक गांव में श्री अंजनेया स्वामी मंदिर में दर्शन किए

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को नागरकर्नूल जिले के अपने दौरे के तहत मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक गांव कोंडारेड्डीपल्ली में श्री अंजनेया स्वामी मंदिर में दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की। पुजारियों ने पारंपरिक पूर्णकुंभ समारोह के साथ मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर रेवंत रेड्डी ने भगवान को रेशमी वस्त्र अर्पित किए और विशेष प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने समय पर और भरपूर बारिश के साथ-साथ राज्य और उसके किसानों की समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, उत्तम कुमार रेड्डी, जुपल्ली कृष्णा राव, तुम्मला नागेश्वर राव, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, दामोदर राजा नरसिम्हा, पोन्नम प्रभाकर, सीतक्का, श्रीधर बाबू और कोंडा सुरेखा, सांसद मल्लू रवि, एमएलसी, विधायक और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

तेलंगाना मानवाधिकार आयोग ने हैदराबाद आग दुर्घटना पर मांगी रिपोर्ट

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) ने सोमवार को संबंधित अधिकारियों को यहां एक इमारत में लगी भीषण आग के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई। यहां 18 मई को ऐतिहासिक चारमीनार के पास गुलजार हाउस स्थित एक इमारत में संदिग्ध शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग में एक जौहरी के परिवार के आठ बच्चों सहित 17 लोगों की मौत हो गई थी।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, पैनल ने मीडिया रिपोर्टों के आधार पर, भवन सुरक्षा, विद्युत रखरखाव और अग्नि तैयारी में संभावित लापरवाही का संकेत देते हुए, स्वयं ही इस दुखद आग दुर्घटना का संज्ञान लिया और मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त, महानिदेशक अग्नि आपदा प्रतिक्रिया आपातकाल और नागरिक सुरक्षा और तेलंगाना दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी (टीजीएसपीडीसीएल) के मुख्य अभियंता को 30 जून तक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। आयोग ने कहा कि वह जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा नागरिकों के जीवन एवं सुरक्षा के अधिकार की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एससीआर के बेगमपेट, करीमनगर और वारंगल रेलवे स्टेशनों का अमृत स्टेशनों के रूप में पुनर्विकास

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने बेगमपेट, करीमनगर और वारंगल रेलवे स्टेशनों के लिए एक निर्देशित मीडिया टूर का आयोजन किया, जिन्हें अमृत भारत स्टेशन योजना के हिस्से के रूप में अमृत स्टेशनों के रूप में पुनर्विकसित किया गया है। बेगमपेट स्टेशन पर मीडिया कर्मियों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बेगमपेट स्टेशन पर विकसित की गई सुविधाओं और सुख-सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर एससीआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए श्रीधर, सिकंदराबाद डिवीजन के डिवीजनल कमर्शियल मैनेजर विशाल और अन्य उपस्थित थे। मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए श्रीधर ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बेगमपेट स्टेशन पर आई नई सुविधाओं के बारे में मीडिया कर्मियों को जानकारी दी। सीपीआरओ, एससीआर ने मीडिया कर्मियों के साथ नवनिर्मित स्टेशन भवन, सर्कुलेटिंग एरिया, प्रवेश द्वार, 12 मीटर फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट, एस्केलेटर, वेटिंग हॉल आदि का व्यक्तिगत रूप से दौरा किया। उन्होंने मीडिया को यह भी बताया कि लगभग 12 करोड़ रुपये के साथ द्वितीय प्रवेश द्वार विकसित करने की योजना चल रही है। बाद में मीडिया को संबोधित करते हुए सीपीआरओ ने कहा कि हैदराबाद के जुड़वां शहर क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्टेशनों में से एक बेगमपेट स्टेशन उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों यात्रियों की जरूरतों को पूरा कर रहा है फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री द्वारा पुनर्विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई है तथा तत्काल कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं। तब से पुनर्विकास कार्यों में निरंतर प्रगति हुई है तथा सभी कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण होकर उद्घाटन के लिए तैयार हैं। सिकंदराबाद डिवीजन के डिवीजनल कमर्शियल मैनेजर विशाल ने भी स्टेशन के विवरण, संचालित की जा रही ट्रेनों, उपलब्ध कर्मचारियों और यात्रियों की सुविधा के लिए दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में मीडिया कर्मियों को विस्तार से बताया। इसी तरह, करीमनगर और वारंगल स्टेशनों पर भी मीडिया दौरे आयोजित किए गए। करीमनगर में, सिकंदराबाद डिवीजन के सहायक वाणिज्यिक प्रबंधक पी. शिव प्रसाद ने अन्य रेलवे अधिकारियों के साथ स्टेशन पर विकसित सुविधाओं के बारे में मीडिया कर्मियों को जानकारी दी। वारंगल स्टेशन पर, सिकंदराबाद डिवीजन के सहायक वाणिज्यिक प्रबंधक आईएसआर मूर्ति ने अन्य रेलवे अधिकारियों के साथ स्टेशन पर विकसित सुविधाओं के बारे में मीडिया कर्मियों को जानकारी दी। बेगमपेट स्टेशन के बारे में विवरण तेलंगाना राज्य में, अमृत भारत स्टेशन योजना के हिस्से के रूप में, लगभग 2750 करोड़ रुपये की लागत से 40 रेलवे स्टेशनों को विकसित करने की पहचान की गई थी। बेगमपेट रेलवे स्टेशन हैदराबाद ट्विन सिटी क्षेत्र के प्रमुख स्थान पर स्थित इन स्टेशनों में से एक है। बेगमपेट रेलवे स्टेशन को 26.55 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास के लिए लिया गया है। स्टेशन पर यात्रियों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है और वर्तमान में यह लगभग 100 ट्रेनों को संभाल रहा है, जिसमें लगभग 15,000 रेल उपयोगकर्ता आते-जाते हैं। एबीएसएस के हिस्से के रूप में, आधुनिक सुविधाओं के विकास की परिकल्पना करते हुए एक दीर्घकालिक मास्टर प्लान तैयार किया गया था। बेगमपेट में प्रतीक्षा कक्ष और बुकिंग कार्यालय के साथ नया स्टेशन भवन, दिव्यांगजन सुविधाएं, आधुनिक शौचालय, परिसंचारी क्षेत्र में सुधार, परिसंचारी क्षेत्र में रॉक गार्डन और छोटा पानी का फव्वारा, मुखौटा प्रकाश व्यवस्था, भूनिर्माण, अतिरिक्त प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म का जीर्णोद्धार, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, रैंप के साथ 12 मीटर का फुट ओवर ब्रिज, 2 लिफ्ट और 4 एस्केलेटर, यात्री अनुकूल साइनेज आदि की व्यवस्था है। इसी तरह करीमनगर रेलवे स्टेशन, तेलंगाना राज्य के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों में से एक है, जिसका 25.85 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया गया है और इसकी आधारशिला अगस्त 2023 में प्रधानमंत्री द्वारा रखी गई है। यह स्टेशन करीमनगर और उसके आसपास के क्षेत्रों में रेल यात्रियों की सेवा करता है। स्टेशन पर यात्रियों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है और वर्तमान में यह 10 ट्रेनों को संभाल रहा है, जिसमें लगभग 1,000 रेल उपयोगकर्ता आते-जाते हैं। एबीएसएस के हिस्से के रूप में, आधुनिक सुविधाओं के विकास की परिकल्पना करते हुए एक दीर्घकालिक मास्टर प्लान तैयार किया गया था। करीमनगर में विकसित की गई सुविधाएं नई स्टेशन बिल्डिंग, प्रतीक्षालय और बुकिंग कार्यालय दिव्यांगजन सुविधाएं आधुनिक शौचालय अग्रभाग प्रकाश व्यवस्था भूनिर्माण तीन प्लेटफार्मों पर नया प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर प्लेटफ़ॉर्म रीसर्फेसिंग स्टेशन बिल्डिंग पर 115 किलोवाट का सौर ऊर्जा संयंत्र रैंप के साथ 12 मीटर का फुट ओवर ब्रिज 2 लिफ्ट और 2 एस्केलेटर यात्री अनुकूल साइनेज वारंगल अमृत स्टेशन के बारे में विवरण तेलंगाना राज्य के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों में से एक वारंगल रेलवे स्टेशन को 25.41 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास के लिए लिया गया था और इसकी आधारशिला फरवरी 2024 में प्रधान मंत्री द्वारा रखी गई थी।

वर्चुअली बेगमपेट रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

बेगमपेट रेलवे स्टेशन को 26.55 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया गया है पुनर्विकसित

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई को पुनर्विकसित बेगमपेट रेलवे स्टेशन का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही तेलंगाना के करीमनगर और वारंगल रेलवे स्टेशन भी जनता के लिए खोल दिए जाएंगे। बेगमपेट रेलवे स्टेशन को 26.55 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तेलंगाना की समृद्ध विरासत को दर्शाते हुए एक आधुनिक ट्रांजिट हब के रूप में पुनर्विकसित किया गया है।

दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के अधिकारियों के अनुसार, इस नए रूप में यात्रियों के अनुकूल कई सुविधाएं शामिल हैं, जैसे एस्केलेटर, लिफ्ट, विशाल प्रतीक्षालय, आधुनिक शौचालय और दिव्यांग यात्रियों के लिए समर्पित सुविधाएं। इसके अलावा, तेलंगाना के राज्य पक्षी, भारतीय रोलर (पाला पिट्टा) को प्रतीकात्मक केंद्र बिंदु के रूप में स्थापित किया गया है।

एससीआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए श्रीधर ने कहा कि स्टेशन पर अब प्रकाश व्यवस्था, हरियाली, जल सुविधाएं और चिह्नित संकेत हैं, जिन्हें समग्र आवागमन के अनुभव को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा, रेलवे अधिकारियों ने बताया कि बेगमपेट रेलवे स्टेशन का संचालन पूरी तरह से महिला कर्मचारियों द्वारा किया जाएगा, जिसमें स्टेशन मास्टर से लेकर टिकट क्लर्क और आरपीएफ कांस्टेबल, बुकिंग स्टाफ तक शामिल हैं- यह प्रथा छह साल से अधिक समय से लागू है। एक समर्पित निगरानी प्रणाली महिला यात्रियों के लिए बढ़ी

मुझे नहीं पता कि विधायक संजय किस पार्टी से हैं : जीवन रेड्डी

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में बढ़ते आंतरिक विवादों को संभालने में चुनौतियों का सामना कर रही है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ और नवनियुक्त एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन जैसे प्रमुख नेताओं के प्रयासों के बावजूद, स्थानीय पार्टी गुटों के बीच मतभेद अनसुलझे हैं। निर्वाचन क्षेत्र के नेताओं के बीच संघर्ष तेजी से स्पष्ट हो रहा है, जिससे पार्टी की एकता कमजोर हो रही है और चिंता बढ़ रही है कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

जीवन रेड्डी जगतियाल विधायक संजय को अपने पार्टी नेता के रूप में स्वीकार करने से इनकार करते रहे हैं।

संजय कुमार, जो पहले जगतियाल से बीआरएस पार्टी का प्रतिनिधित्व करते थे, तेलंगाना में पार्टी के सत्ता में आने के बाद कांग्रेस में शामिल हो गए। सोमवार को गांधी भवन में मीडिया से बातचीत के दौरान पूर्व एमएलसी जीवन रेड्डी ने कहा, मुझे नहीं पता कि संजय किस पार्टी के विधायक हैं। संजय की जगतियाल में क्या भूमिका है? अगर आप स्पीकर से पूछेंगे तो आपको पता चल जाएगा। उन्होंने कहा, मैं खुद को जगतियाल के विकास के बारे में व्यापक जानकारी रखने वाला एक वरिष्ठ नेता मानता हूं। मैंने राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी को जगतियाल आने का निमंत्रण भी दिया है और मंत्री ने मुझे विकास के लिए धन मुहैया कराने का आश्वासन दिया है। जीवन रेड्डी की टिप्पणियों ने दो नेताओं के बीच चल रहे संघर्ष को और तेज कर दिया है, जिससे कांग्रेस पार्टी की जगत्याल इकाई में लगातार चल रहे आंतरिक विवाद उजागर हो रहे हैं।

मनरेगा मजदूरी और मकान के मुद्दे पर सीएम को घेरा

नागरकर्नूल, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी सोमवार को अमराबाद मंडल के माचाराम गांव में इंदिरा सौरा गिरी जला विकासम योजना के शुभारंभ के अवसर पर आदिवासी महिला किसानों के एक समूह से घिरे हुए थे। वे तब हैरान रह गए जब लाभार्थियों, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं, ने विनम्रता से कुछ ज्वलंत मुद्दों की ओर इशारा किया।

मुख्यमंत्री से बातचीत करते हुए, एक महिला किसान, यू अलीवेलु ने मनरेगा मजदूरी भुगतान में देरी की ओर इशारा किया, जिस पर रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने एक परिचित सुर में जवाब दिया, और देरी के लिए केंद्र को दोषी ठहराया।

हाइड्रा ने पुप्पलागुडा में अवैध निर्माणों को किया ध्वस्त

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को रंगारेड्डी जिले के मणिकोंडा नगर पालिका में हाइड्रा द्वारा पुप्पलागुडा के डॉलर हिल्स में अवैध संरचनाओं को ध्वस्त किया गया। डॉलर हिल्स भूखंड मालिकों द्वारा सड़कों और पार्क पर अतिक्रमण और अवैध निर्माण के खिलाफ शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गई।

इससे पहले, हाइड्रा आयुक्त एवी रंगनाथ ने इन शिकायतों के जवाब में 14 मई को व्यक्तिगत रूप से मौके का निरीक्षण किया था।

आस-पास की आवासीय कॉलोनियों के निवासियों ने आरोप लगाया है कि उनके घरों और पड़ोसी लेआउट को जोड़ने वाली सड़कों पर अतिक्रमण किया गया था और अवैध निर्माण किए गए थे। विस्तृत जांच और दोनों पक्षों के हितधारकों की सुनवाई के बाद आयुक्त ने पुष्टि की कि निर्माण के लिए कोई अनुमति नहीं थी। नतीजतन, इसे ध्वस्त करने के आदेश जारी किए गए। स्थानीय अधिकारियों ने आयुक्त के आदेश का पालन किया और ध्वस्तीकरण कार्य शुरू कर दिया।

किसानों को 500 रुपये धान बोनस का इंतजार

करीमनगर, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। धान क्रय केंद्रों पर भारी कठिनाइयों का सामना करने के बाद आखिरकार अपनी फसल बेचने में कामयाब रहे धान किसानों के सामने अब अगली दुविधा यह है कि राज्य सरकार उन्हें अच्छी किस्म के धान के लिए वादे के अनुसार 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस कब देगी। हाल ही में हुई बेमौसम बारिश के बाद किसान अपनी फसल को बचाने की कोशिश में मुश्किल में पड़ गए हैं। फसल काटने के बाद भी कई खरीद केंद्रों पर बारिश के पानी में धान भीगने के कई मामले सामने आए हैं। हालांकि, खरीद के बाद भी उनकी परेशानी खत्म नहीं हुई है। अब उन्हें 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस के लिए अंतहीन इंतजार करना पड़ रहा है। यहां के कई किसानों ने बताया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के साथ-साथ यह राशि अभी तक उनके बैंक खातों में जमा नहीं हुई है।

कांग्रेस सरकार ने सभी धान की किस्मों पर 500 रुपये बोनस देने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद उसने अपना रुख बदल दिया और बोनस को केवल बढ़िया किस्मों तक सीमित कर दिया। लेकिन अब वह भी एक खोखला वादा ही लगता है।

खेल सामग्री वितरित

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आज जामबाग डिवीजन के पार्षद राकेश जायसवाल ने हिंदी नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जामबाग डिवीजन के निवासियों को खेल सामग्री वितरित की। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना और एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि हम सामुदायिक विकास में खिलाड़ियों के प्रति निरंतर प्रयास करते रहेंगे। इस मौके पर भाजपा नेता श्रीनिवास यादव, मयूर कालेकर, राजकुमार जामबाग डिवीजन अध्यक्ष, रघु कांबले, महेंद्र, संदीप जैन, नरसिंग, महेश, वेंकट रेड्डी एक स्थानीय निवासी छात्र उपस्थित थे।

कंद फसल सब्जी की खेती से प्राप्त होंगे पोषण सुरक्षा और निर्यात के अवसर : वीसी

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना बागवानी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दंड राजी रेड्डी ने कहा कि सदियों से चली आ रही कंद फसल सब्जियों की खेती से न केवल देश में पोषण सुरक्षा हासिल होगी, बल्कि रोजगार और निर्यात के अवसर भी मिलेंगे। सोमवार को राजेंद्रनगर स्थित बागवानी महाविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय समन्वित कंद फसलों पर अनुसंधान परियोजना की 25वीं वार्षिक समूह बैठक में बोलते हुए डॉ. राजी रेड्डी ने कहा कि कंद फसलें जलवायु परिवर्तन से निपटने और पूरे देश को पोषण सुरक्षा प्रदान करने तथा किसानों को उच्च आय प्रदान करने के मामले में भविष्य के लिए आशाजनक हैं। उन्होंने कहा कि कम अवधि वाली नई किस्में बनाकर, उन्हें किसान उत्पादक संगठनों से जोड़कर तथा देश के हर कस्बे के 50 किलोमीटर के दायरे में कंद फसलों की खेती को बढ़ावा देकर उपभोक्ताओं के लिए उनकी उपलब्धता बढ़ाई जाएगी। सोमवार से शुरू हुए दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन केरल के केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान और तेलंगाना के सब्जी अनुसंधान केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। आईसीएआर के उप महानिदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह ने वैज्ञानिकों से किसानों को बड़ी मात्रा में पोषक तत्वों से युक्त जैव-प्रबलित किस्में उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि यदि रसायनों, उर्वरकों और अन्य सामग्रियों का उपयोग कम कर दिया जाए, तो स्थानीय स्तर पर उपलब्ध जैविक उर्वरकों और वनस्पतियों का उपयोग करके उनकी खेती लाभदायक होगी।

सिद्दीपेट में एक ही परिवार के 5 लोग लापता

सिद्दीपेट, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट में पिछले शनिवार से एक ही परिवार के पांच लोग रहस्यमय तरीके से लापता हो गए हैं। परिवार के सदस्य अपने फोन सिद्दीपेट शहर के खादरपुर स्थित अपने घर पर ही छोड़ गए थे। हर जगह तलाश करने के बाद, लापता व्यक्तियों के परिजनों ने सोमवार को सिद्दीपेट शहर में शिकायत दर्ज कराई। लापता व्यक्तियों में वीरबथिनी बालकिशन (55), उनकी पत्नी वरलक्ष्मी (50), बेटा श्रवण कुमार (30), बेटियां काव्या (23) और सिरीशा (20) शामिल हैं। वे अपने घर पर एक पत्र छोड़ गए जिसमें लिखा था कि उन्होंने कई लोगों से पैसे उधार लिए थे। जैसे-जैसे ऋण चुकाने का दबाव बढ़ता गया, परिवार बिना किसी को बताए गायब हो गया। सिद्दीपेट एसीपी मधु और इंस्पेक्टर वासुदेव राव मामले की जांच कर रहे थे।

राज्यपाल ने राजभवन में सिक्किम स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने हैदराबाद के राजभवन के दरबार हॉल में सिक्किम स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने 16 मई, 1975 को सिक्किम के राज्य बनने के ऐतिहासिक अवसर को श्रद्धांजलि दी और राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक और पारिस्थितिक विरासत की सराहना की। उन्होंने सिक्किम को पूर्वोत्तर का एक चमकता हुआ रत्न बताया, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, अग्रणी जैविक खेती और विविध समुदायों के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए प्रसिद्ध है। राज्यपाल ने सिक्किम की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गहराई पर प्रकाश डाला, इसके मठों, त्योहारों और जैव विविधता को राष्ट्रीय गौरव के स्रोत के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने तेलंगाना और सिक्किम के बीच एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के बंधन को मजबूत करने के महत्व पर भी जोर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत से पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए वीर जवानों और 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव, आईएएस एम. दाना किशोर, राजभवन के अधिकारी और कर्मचारी तथा हैदराबाद में रहने वाले सिक्किमी समुदाय के उत्साही सदस्य शामिल हुए।

डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में लोक सभा सचिवालय के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण शुरू

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 33 पुस्तकालय पेशेवरों, संसदीय समितियों के अध्यक्षों और संसद के माननीय सदस्यों के निजी सचिवों और आशुलिपिकों के लिए 5 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान की उपाध्यक्ष और महानिदेशक तथा तेलंगाना सरकार की पूर्व मुख्य सचिव शांति कुमारी, ने सोमवार को डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में किया। उन्होंने लोक सभा सचिवालय के अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और सचिवालय के सुचारू संचालन में उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिकारियों को आवश्यक कौशल, ज्ञान और क्षमताओं से लैस करेगा ताकि वे अपने कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से और कुशलता से निभाने के लिए सशक्त बन सकें। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बढ़ी हुई क्षमताएं अधिकारियों को संसद सदस्यों, संसदीय समितियों के अध्यक्षों और लोकसभा सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को बेहतर सहायता प्रदान करने और अंततः सचिवालय में एक उत्पादक कार्य वातावरण को बढ़ावा देने में सक्षम बनाएंगी।

उन्होंने कहा, अधिकारियों के प्रशिक्षण और विकास में निवेश करके, लोकसभा सचिवालय संसद सदस्यों को उच्च गुणवत्ता वाली सहायता प्रदान करना जारी रखेगा और संस्था की गरिमा को बनाए रखेगा। लोकसभा सचिवालय के संसदीय अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (पीआरआईडीई) के निदेशक पीके मलिक ने तेलंगाना के डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान के अधिकारियों को उनकी प्रशिक्षण आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल को सावधानीपूर्वक अनुकूलित करने के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम निजी सचिवों और आशुलिपिक सेवा और पुस्तकालय पेशेवरों के लिए कई लाभकारी परिणाम लाएगा। डॉ. कंदुकुरी उषा रानी, पाठ्यक्रम निदेशक और आपदा प्रबंधन और सतत विकास केंद्र की प्रमुख ने अधिकारियों का स्वागत किया और क्षमता निर्माण कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं प्रस्तुत कीं। उन्होंने कहा, कक्षा सत्रों और क्षेत्रीय दौरों के अनूठे संयोजन से अधिकारियों को उनकी भूमिका से संबंधित मुद्दों को सही और समग्र संदर्भ में समझने में मदद मिलेगी।

ममता बनर्जी ने औद्योगिक विकास पर दिया जोर : कहा- सिलीगुड़ी में बनेगा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र

सिलीगुड़ी, 19 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को सिलीगुड़ी में उत्तर बंगाल व्यापार सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने राज्य के उत्तरी जिलों में औद्योगिक विकास में तेजी लाने पर जोर दिया। ममता बनर्जी ने एलान किया कि सिलीगुड़ी में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र बनाया जाएगा। इसके लिए 10 एकड़ जमीन तलाश ली गई है। यह केंद्र उत्तर बंगाल में राज्य सचिवालय के पास बनाया जाएगा। केंद्र एक होटल के साथ ही व्यापारिक सम्मेलनों के आयोजन में भी मदद करेगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने होमस्टे स्थापित करने की जरूरत पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने डाबग्राम और फालाकाटा में औद्योगिक पार्क स्थापित करने और सिलीगुड़ी में डाटा सेंटर बनाने का भी एलान किया। उन्होंने कहा कि आवास, ग्रामीण सड़क और कटाव नियंत्रण जैसे क्षेत्रों के लिए केंद्र सरकार से धन की कमी के बावजूद राज्य सरकार अपने स्वयं के संसाधनों का उपयोग करके विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं चला रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एशिया कप से बाहर हो सकती है टीम इंडिया

भारत सरकार के संपर्क में बीसीसीआई; एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष हैं पाकिस्तान के गृह मंत्री

मुंबई, 19 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच 8 मई को सीजफायर का ऐलान किया गया था. हालांकि दोनों देशों के बीच तनाव अब भी बरकरार है. मौजूदा तनाव का असर दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों पर पड़ सकता है. इंडिया टुडे को सूत्रों ने बताया कि भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने एशियन क्रिकेट काउंसिल को मौखिक रूप से ये बता दिया कि वो आगामी मेन्स एशिया कप 2025 से बाहर हो रहा है, साथ ही वो इसकी मेजबानी नहीं करेगा.

इस टूर्नामेंट को किया गया रद्द!

यही नहीं भारत वूमेन्स इमर्जिंग टीम्स एशिया कप 2025 में भी भाग नहीं लेगा, जो अगले महीने श्रीलंका में आयोजित किया जाना था. भारत के भाग नहीं लेने के कारण वूमेन्स इमर्जिंग टीम्स एशिया कप रद्द कर दिया गया है. जहां तक सितंबर में मेन्स एशिया कप के आयोजन का सवाल है, तो इस पर अंतिम फैसला जल्द ही एसीसी की बैठक में लिया जाएगा.

फिलहाल एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी हैं, जो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के चेयरमैन भी हैं. इस कदम के जरिए बीसीसीआई की कोशिश पाकिस्तान को क्रिकेट में भी अलग थलग-थलग करने की है. वैसे भी आंतकी देश पाकिस्तान हर मोर्चे पर भारत से मात खा रहा है.

यदि भारत एशिया कप में भाग नहीं लेगा, तो इस टूर्नामेंट का आयोजन असंभव है क्योंकि इंटरनेशनल मैचों के अधिकांश प्रायोजक भारत से है. भारत-पाकिस्तान मैच के जरिए ब्रॉडकास्टर को भारी मुनाफा होता है, ऐसे में टूर्नामेंट से भारत के हटने पर

ब्रॉडकास्टर भी हाथ खींच लेंगे. बता दें कि पिछले साल एशिया कप के राइट्स सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने 170 मिलियन अमेरिकी डॉलर में हासिल किए थे, जो आठ सालों के लिए हैं. अगर एशिया कप 2025 का आयोजन नहीं होता है, तो इस डील पर फिर से काम करना होगा.

एसीसी के पांच फुल मेम्बर्स हैं, जिसमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान का नाम शामिल है. ब्रॉडकास्ट के जरिए होने वाली कमाई में इन पांचों देशों को 15-15 प्रतिशत मिलता है, जबकि बाकि राशि एसोसिएट्स और सम्बद्ध कम्पनियों के बीच बांटी जाती है. बता दें कि एशिया कप का आयोजन सितंबर में भारत की मेजबानी में निर्धारित था.

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने इस बात की पुष्टि की थी कि बोर्ड भारत सरकार के फैसले का पालन करेगा. यदि एशिया कप में पाकिस्तान के भाग लेने पर भी बात बनती है, तो ये टूर्नामेंट पूरी तरह से न्यूट्रल वेन्यू पर खेला जाएगा, जिसमें दुबई और श्रीलंका संभावित स्थल हैं.

2023 में हाइब्रिड मॉडल के तहत हुआ टूर्नामेंट

एशिया कप का आखिरी संस्करण साल 2023 में वनडे वर्ल्ड कप से पहले 'हाइब्रिड मॉडल' के तहत खेला गया था. इसमें भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया था और दोनों टीमें मेगा इवेंट में दो बार भिड़ीं, एक बार लीग चरण में और फिर सुपर 4 में. हालांकि दूसरा मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया और संयोग से पाकिस्तान फाइनल में पहुंचने में असफल रहा. इसके बाद भारत ने फाइनल में श्रीलंका को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की.

बीसीसीआई ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि भारत और पाकिस्तान को भविष्य में आईसीसी के ग्लोबल इवेंट में एक ही ग्रुप में न रखा जाए. कुल मिलाकर बीसीसीआई अब कम से कम आईसीसी इवेंट के ग्रुप चरणों में भारत-पाकिस्तान के बीच आमना-सामना नहीं चाहता है.

हालांकि, दोनों टीमें आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप में भाग लेती नजर आएंगी, जहां पाकिस्तान ने आठ टीमों के टूर्नामेंट के लिए क्वालफिाई किया था. इस टूर्नामेंट में प्रत्येक टीम राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में सभी अन्य टीमों के खिलाफ खेलेंगी. आईसीसी, पीसीबी और बीसीसीआई के बीच एक पुराने समझौते के अनुसार, पाकिस्तान भारत में अपना कोई भी मैच नहीं खेलेगा. महलिा वनडे वर्ल्ड कप इस साल भारत में होना 26 सतिंबर से 2 नवंबर के बीच होना है. जहां भारत की ओर पाकिस्तान के लिए न्यूट्रल वेन्यू को लेकर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है.

टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भारत के सामने गिड़गिड़ाया पाकिस्तान

कराची, 19 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) चाहता है कि एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) भारत में 27 अगस्त से सात सितंबर तक होने वाले एशिया कप में भाग लेने के लिए उसके दल के लिए वीजा की गारंटी दे। यह जानकारी पीएचएफ के एक अधिकारी ने दी। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव के कारण राजगीर (बिहार) में होने वाले टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी गंभीर संदेह में है और हॉकी इंडिया (एचआई) ने कहा है कि वह इस मामले पर सरकार के परामर्श का इंतजार कर रहे हैं।

हॉकी इंडिया ने क्या कहा ?

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, 'अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन हम इस मुद्दे पर सरकार के निर्देशों का पालन करेंगे, जैसा कि पहले भी होता रहा है। हाल ही में पहलगाम में हुए बर्बर हमले और उसके बाद भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद हम अभी कुछ भी भविष्यवाणी नहीं कर सकते हैं।'

एशिया कप इसलिए महत्वपूर्ण

पीएचएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एशिया कप पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले पुरुष विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है। अधिकारी ने कहा, 'हम एशिया कप के जरीये विश्व कप में जाने का अवसर नहीं खोना चाहते हैं। इसलिए हमारा मानना है कि इसका एक समाधान यह हो सकता है कि इस आयोजन को भारत से स्थानांतरित

कर दिया जाए या एएचएफ हमारी टीम के लिए वीजा की गारंटी दे।'

पीएचएफ को सता रहा डर

पीएचएफ अधिकारी ने कहा कि 2026 की शुरुआत में विश्व कप क्वालिफाइंग टूर्नामेंट होंगे, लेकिन एशिया कप क्वालिफाई करने का अच्छा मौका है। पाकिस्तान 2023 में भारत में आयोजित पिछले विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाया था। महाद्वीपीय टूर्नामेंट के 12वें सत्र में भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपे भाग लेने वाले हैं। पाकिस्तान को अगर भारत आने की अनुमति नहीं मिलती है, तो टूर्नामेंट का आयोजन सात टीमों या पाकिस्तान की जगह नई टीम के साथ हो सकता है। यह फैसला हालांकि पूरी तरह से एशियाई हॉकी महासंघ के हाथों में होगा। इससे पहले 2016 में पठानकोट 'एयर बेस' पर आतंकवादी हमले के कुछ महीने बाद भारत में आयोजित जूनियर विश्व कप में पाकिस्तान ने हिस्सा नहीं लिया था। इस टूर्नामेंट में मलयेशिया ने पाकिस्तानी टीम की जगह ली थी।

योगी आदित्यनाथ के साथ काम करेंगे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी वैसे तो इन दिनों आईपीएल खेलने में बिजी हैं. लेकिन, इस बीच उन्हें लेकर एक बड़ी खबर आ रही है. ये खबर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उनके काम करने को लेकर जुड़ी है. दाएं हाथ के अनुभवी भारतीय गेंदबाज ने खुद इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है. शमी ने अपने इंस्टाग्राम पर बताया कि वो उत्तर प्रदेश के आगे ले जाने की मुहिम का हिस्सा बनने को लेकर बेहद उत्साहित हैं.

सीएम योगी के साथ काम करेंगे शमी

अब सवाल है कि सीएम योगी आदित्यनाथ का काम क्या है,

जिसमें मोहम्मद शमी उनका साथ देने और हाथ बंटाने को लेकर उत्साहित हैं. शमी के इंस्टा पोस्ट से जो पता चलता है, उसके मुताबिक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का जोर एक बेहतर समाज के निर्माण पर है. उन्होंने हर स्तर पर विकास और प्रगति की इच्छा जाहिर की है. सीएम योगी आदित्यनाथ की उसी मुहिम का हिस्सा अब मोहम्मद शमी भी बनना चाहते हैं. शमी ने कहा हम एक होकर काम करेंगे तो सपनों को साकार कर सकते हैं. मोहम्मद शमी से सीएम योगी ने ये बातें तब शेयर की, जब वो उनसे मिलने पहुंचे थे.

आईपीएल 2025 अब तक शमी के लिए अच्छा नहीं रहा

फिलहाल, तो मोहम्मद शमी आईपीएल 2025 में खेल रहे हैं, जहां वो सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा हैं. मोहम्मद शमी और उनकी नई टीम सनराइजर्स, दोनों के लिए ये सीजन उतना अच्छा रहा नहीं. शमी ने इस सीजन अब तक खेले 9 मैचों में सिर्फ 6 विकेट हासिल किए हैं. वहीं उनकी टीम सनराइजर्स हैदराबाद की बात करें तो वो भी प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है. 11 मैच खेलने के बाद SRH के नाम सिर्फ 3 जीत दर्ज है और वो पॉइंट्स टेबल में फिलहाल 8वें नंबर पर है.

क्यों जरूरी है आगे शमी के लिए बेहतर करना ?

आने वाले मुकाबलों में शमी और सनराइजर्स दोनों की कोशिश अपने प्रदर्शन के स्तर को और उठाने की होगी. शमी का नाम इंग्लैंड दौरे के लिए टीम सेलेक्शन की रेस में है. ऐसे में आने वाले मुकाबले में वो अपनी लय हासिल करते हैं तो अब टीम इंडिया के नजरिए से अच्छा रहेगा, वहीं सनराइजर्स अगले मैचों में अच्छा करना चाहेगी ताकि वो पॉइंट्स टेबल में आखिरी पायदान पर ना फीनिश करे.

चंद घंटों में यशस्वी जायसवाल ने गंवाई ऑरेंज कैप

गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के सिर सज रही पर्पल कैप

खेल डेस्क, 19 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में दो धांसू मुकाबले खेले गए। पहले मैच में पंजाब किंग्स ने राजस्थान के रॉयल्स को धूल चटाई, तो दूसरे गेम में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली के दबंगों को 10 विकेट से रौंद डाला। राजस्थान की हार में भी यशस्वी जायसवाल के बल्ले से खूब गदर मचाया और उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेलते हुए ऑरेंज कैप को हासिल किया। हालांकि, चंद घंटों बाद ही यशस्वी के सिर से ऑरेंज कैप उतर गई।

दिन के दूसरे मुकाबले में साई सुदर्शन ने दिल्ली के बॉलिंग अटैक से खिलवाड़ करते हुए शतक जमा दिया और ऑरेंज कैप को भई अपने नाम कर लिया। 12 मैचों में 617 रन जड़कर सुदर्शन फिर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गए हैं। वहीं, शुभमन गिल 601 रनों के साथ दूसरे नंबर पर काबिज हैं। पर्पल कैप अभी भी प्रसिद्ध कृष्णा के सिर की शोभा बढ़ा रही है। कृष्णा 12 मैचों में कुल 21 विकेट निकाल चुके हैं।

मनिका और मानव का विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में जलवा बरकरार, दोनों दूसरे दौर में पहुंचे

दोहा, 19 मई (एजेंसियां)। भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने सीधे गेम में जीत के साथ विश्व चैंपियनशिप के दूसरे दौर में प्रवेश किया जबकि मानव ठक्कर ने भी अपने एकल अभियान की आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की।

22वीं वरीयता प्राप्त मनिका ने महिला एकल मुकाबले में नाइजीरिया की फातिमा बेलो पर 4-0 (11-5, 11-6, 11-8, 11-2) से शानदार जीत दर्ज की। यह मुकाबला सिर्फ 24 मिनट तक चला। अंतिम 64 दौर में उनके सामने कोरिया की पार्क गाहियोन की चुनौती होगा।

भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष एकल खिलाड़ी मानव ठक्कर ने भी शानदार शुरुआत करते हुए पहले दौर में न्यूजीलैंड के टिमोथी चोई को 4-1 (11-3, 11-8, 6-11, 11-7, 14-12) से हराया। 18 साल के अंकुर भट्टाचार्जी का सफर हालांकि शुरुआती दौर में खत्म हो गया। वह पुरुष एकल में हांगकांग के लैम सियू हैंग से 1-4 (11-4, 7-11, 9-11, 10-12, 8-11) से हार गये।

युगल मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त मानुष शाह और दीया चिताले की जोड़ी ने अल्जीरिया के मेहदी बौलोसा और मालिसा नासरी पर 3-0 (11-2, 11-7, 11-6) से एकतरफा जीत दर्ज की। हरमीत देसाई और जी साथियान की पुरुष युगल जोड़ी को हालांकि ऑस्ट्रिया के मैसीज कोलोडिजिक और मोल्दोवा के व्लादिस्लाव उर्सु से 1-3 (9-11, 12-10, 14-16, 10-12) से हार का सामना करना पड़ा।

देसाई को मिश्रित युगल में भी यशस्विनी घोरपड़े के साथ मिलकर हार का सामना करना पड़ा। 14वीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी फ्रांस के थिबॉल्ट पोरेट और लीना होचार्ट के खिलाफ 2-0 की बढ़त का फायदा उठाने में विफल रही। भारतीय जोड़ी ने तीन मैच प्वाइंट भी गंवाते हुए 2-3 (11-8, 11-6, 10-12, 8-11, 10-12) से हार गई।

भारत ने सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप खिताब बरकरार रखा

पेनल्टी शूट आउट में बांग्लादेश को हराया

यूपिया, 19 मई (एजेंसियां)। भारत ने पेनल्टी शूट आउट में बांग्लादेश को 4-3 से हराकर सैफ अंडर-19 फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब बरकरार रखा। नियमित समय के बाद मुकाबला 1-1 से बराबर था जिससे नतीजे के लिए पेनल्टी शूट आउट का सहारा लेना पड़ा। भारत को दूसरे ही मिनट में कप्तान सिंगामायुम शमी ने बढ़त दिलाई, लेकिन बांग्लादेश ने 61वें मिनट में मोहम्मद जॉय के गोल की बदौलत बराबरी हासिल कर ली।

दीव में खेलो इंडिया 'बीच गेम्स' की शुरुआत

खेलो इंडिया पहल के अंतर्गत सोमवार से भारत के समुद्र तटों तक पहले खेलो इंडिया 'बीच गेम्स' की शुरुआत होगी जिसमें देश भर से 1000 से अधिक एथलीट हिस्सा लेंगे। खिलाड़ी छह दिनों तक छह पदक स्पर्धाओं और दो प्रदर्शनी खेलों में हिस्सा लेंगे। इन खेलों का समापन शनिवार को होगा। पदक स्पर्धाओं में बीच सॉकर, बीच वॉलीबॉल, बीच कबड्डी, बीच सेपक टकरा, पेनकाक सिलाट और 'ओपन वाटर' तैराकी शामिल होगी। प्रदर्शनी खेलों में मलखंब और 'टग ऑफ वॉर' (रस्साकशी) शामिल होंगे।

अल्काराज ने सिनर को हराकर जीता इटालियन ओपन

वर्ल्ड रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे; सिनर की 26 मैचों की जीत का सिलसिला टूटा

फ़ोरो इटालिको, 19 मई (एजेंसियां)। कार्लोस अलकराज ने जानिक सिनर को हराकर पहली बार इटालियन ओपन का खिताब अपने नाम किया। खेले गए फाइनल मुकाबले में अलकराज ने विश्व नंबर एक सिनर को सीधे सेटों में 7-6 (5), 6-1 से मात देकर इस महीने होने वाले फ्रेंच ओपन के लिए दावा ठोक दिया है।

पिछले वर्ष की शुरुआत से अब तक अलकराज ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने सिनर को एक से अधिक बार हराया है और वह लगातार चार मुकाबलों में सिनर पर जीत दर्ज कर चुके हैं।

सिनर की वापसी फीकी

घरेलू दर्शकों के सामने डोपिंग विवाद के बाद वापसी कर रहे सिनर के लिए 10,500 दर्शकों की भीड़ 'आरेंज आर्मी' बनकर

उनका समर्थन कर रही थी, लेकिन अलकराज ने पहले सेट में दो सेट प्वाइंट बचाए और टाईब्रेक जीतकर सिनर की 26 मैचों की जीत की लय तोड़ दी।

यह लय अक्टूबर से चली आ रही थी, जब चाइना ओपन के फाइनल में भी अलकराज ने सिनर को हराया था। सिनर ने जनवरी में आस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट में उतरे थे। सिनर 1976 के बाद इटेलियन ओपन जीतने वाले पहले घरेलू पुरुष खिलाड़ी बनने से चूक गए। वह जैस्मीन पाओलिनी की महिला सिंगल्स खिताब जीतने के बाद इटली के लिए पुरुष सिंगल्स का खिताब जीतना चाहते थे।

फ्रेंच ओपन के लिए अलकराज शीर्ष दावेदार बने

चार बार के ग्रैंड स्लैम विजेता अलकराज सोमवार को रैंकिंग में फिर से दूसरे स्थान पर आ जाएंगे। यह उनका लगातार तीसरा क्ले-कोर्ट फाइनल था। मोंटे कार्लो मास्टर्स जीतने और बार्सिलोना ओपन में उपविजेता रहने के बाद उन्होंने मैड्रिड ओपन से चोट के चलते नाम वापस ले लिया था।

अलकराज अब राफेल नडाल, नोवाक जोकोविक, गुस्तावो कूर्टेन और मार्सेलो रियोज के बाद तीनों मास्टर्स 1000 क्ले खिताब जीतने वाले पांचवें पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। फ्रेंच ओपन की शुरुआत अगले रविवार से हो रही है और इस प्रदर्शन के बाद अलकराज खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।

हैंडबॉल: फेडरेशन कप में खेलेंगी मजदूरों की बेटियां

किसी ने नेशनल खेला, कोई है फॉरवर्ड खिलाड़ी

वाराणसी, 19 मई (एजेंसियां)। वाराणसी के ग्रमीण क्षेत्र के मजदूर की बेटियों का हैंडबॉल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता फेडरेशन कप के लिए चयन हुआ है। इसमें हिस्सा लेने के लिए चयनित चारों खिलाड़ी गोरखपुर शिविर में अभ्यास कर रहीं हैं।

36वीं सीनियर राष्ट्रीय महिला-पुरुष फेडरेशन कप हैंडबॉल प्रतियोगिता गोरखपुर में 23 से 26 मई तक खेली जाएगी। प्रादेशिक टीम के शिविर में मजदूरों की बेटियां वाराणसी की रेशमा यादव, नैना यादव, उषा प्रजापति और सुमन यादव शामिल हैं।

चारों खिलाड़ी राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वे बाबू आरएन सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स परमानंदपुर में डॉ. आशा सिंह की देखरेख में अभ्यास करती हैं।

वाजिदपुर निवासी सुमन यादव तीन नेशनल खेल चुकी हैं। उनके पिता राजगीर मिस्त्री हैं। उन्हें विपक्षी खिलाड़ी को छकाते हुए जंप लेकर तेज शॉट मारने में महारत है।

चमाव निवासी रेशमा यादव खेलो इंडिया यूथ नेशनल में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। एकलव्य पुरस्कार से सम्मानित तीन नेशनल खेल चुकी हैं। पिता ठेकेदारी करते हैं।

नैना यादव राष्ट्रीय खेलो के अलावा तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिता और फेडरेशन कप में उत्तर प्रदेश की तरफ से खेल चुकी हैं। फॉरवर्ड खिलाड़ी के पिता राजगीर मिस्त्री है।

हटिया निवासी उषा प्रजापति तीन नेशनल खेल चुकी हैं। उषा के पिता मिट्टी निकलने का काम करते हैं। कई बार शानदार गोलकीपिंग कर उत्तर प्रदेश को पदक दिला चुकी हैं।

अचंपेट निर्वाचन क्षेत्र के सभी किसानों को सौर पंप सेट प्रदान किए जाएंगे : रेवंत रेड्डी

'इंदिरा सौरा गिरी जला विकासम' की प्रमुख योजना का शुभारंभ

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत ने सोमवार को नागरकर्नूल जिले के अमराबाद मंडल के माचाराम गांव में 'इंदिरा सौरा गिरी जला विकासम' की प्रमुख योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने माचाराम में एक जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नल्लामाला के एक बेटे के रूप में, मैं इस स्थान से एक जनसभा को संबोधित करते हुए बहुत प्रसन्न और अभिभूत हूं। अचंपेट विधानसभा क्षेत्र को देश के लिए एक आदर्श के रूप में विकसित करने का वादा किया था। जनता की सरकार ने निर्वाचन क्षेत्र के विशेष विकास की परिकल्पना करके वादा पूरा किया और योजनाओं को लागू करने के लिए विशिष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने पोडू भूमि के मालिकाना हक के लिए लड़ने वाले लोगों को जेल में डाल दिया।

मेरी सरकार को पोडू भूमि में सौर पंप सेट लगाकर कृषि को बढ़ावा देने का श्रेय है। अचंपेट निर्वाचन क्षेत्र के सभी किसानों को सौर पंप सेट प्रदान किए जाएंगे और अधिकारियों को 100 दिनों में प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य अचंपेट विधानसभा क्षेत्र को देश के लिए आदर्श बनाना है और इसके लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी मैं ले रहा हूं। सरकार ने अब तक किसानों के कल्याण के लिए 60,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य के अलावा, बढ़िया किस्म के धान की खेती करने वाले किसानों को 500 रुपये का बोनस दिया जा रहा है। पहले धान की खेती किसानों के लिए बोझ थी और अब यह एक लाभदायक व्यवसाय बन गया है। गरीबों को बढ़िया चावल उपलब्ध कराकर उनके आत्मसम्मान को बढ़ाया। राज्य में उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से 3.10 करोड़ लोगों को बढ़िया चावल वितरित किया। 50 लाख गरीब परिवारों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली की आपूर्ति और महिलाओं को मुफ्त आरटीसी बस यात्रा भी। आरटीसी बसों के मालिक के रूप में महिला समुदाय को प्रोत्साहित किया जा रहा है। महिला स्वयं सहायता समूहों को 1000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए काम दिया गया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को भावी उद्यमी के रूप में बढ़ावा दिया और सौर ऊर्जा उत्पादन में अडानी और अंबानी के साथ प्रतिस्पर्धा की। सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की योजनाओं की परिकल्पना करके आगे बढ़ रही है।

देश के सबसे युवा राज्य तेलंगाना को देश का सबसे अमीर राज्य बनाने की योजना तैयार की। मात्र एक वर्ष में 60,000 से अधिक नौकरी के इच्छुक लोगों को सरकार में भर्ती किया और यह एक बड़ा रिकॉर्ड था जो देश में पहले कभी नहीं हुआ। केंद्र सरकार ने आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने और उन्हें गरीबों तक पहुंचाने के लिए कदम उठाने के लिए तेलंगाना को नंबर वन राज्य घोषित किया। कानून और व्यवस्था बनाए रखने में भी तेलंगाना शीर्ष पर रहा। विपक्ष ने राज्य सरकार चलाने में पलामुरू के नेताओं की क्षमता पर संदेह जताया और हमने सभी क्षेत्रों में तेलंगाना को नंबर वन राज्य बनाकर उन्हें गलत साबित कर दिया। अन्य प्रधानमंत्रियों के विपरीत, पूर्व पीएम इंदिरा गांधी गरीबों और आदिवासी समुदाय के दिलों में रहीं। भूमि स्वामित्व अधिकार देने के अलावा, मैंने सोलर पंप सेट लगाकर आदिवासी भूमि पर सिंचाई की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी ली। कुछ राजनीतिक ताकतें गलत तरीके से कमाए गए पैसे से सोशल मीडिया पर सरकार के खिलाफ झूठा प्रचार कर रही हैं।

मैं उन लोगों की परवाह नहीं करता जो दुर्भावनापूर्ण इरादे से सरकार के खिलाफ झूठा प्रचार करते हैं। गरीब तबके को बढ़िया चावल बांटना जनता की सरकार के कामकाज का सबूत है। किसान उन्हें हमेशा याद रखेंगे कि उन्होंने पासबुक देखकर उनके कृषि ऋण माफ कर दिए। लोग और महिलाएं राज्य सरकार द्वारा मुफ्त बस यात्रा और 200 यूनिट मुफ्त बिजली आपूर्ति शुरू करने के अच्छे कामों को याद करेंगी। झूठे प्रचार के बावजूद कल्याणकारी योजनाएं लोगों को सच्चाई ही बताएंगी। तेलंगाना की जनता सरकार के खिलाफ झूठ फैलाने वालों को करारा सबक सिखाएगी।

हरीश ने सीएम की घोषणाओं पर कटाक्ष किया

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री हरीश राव ने आज कांग्रेस सरकार की इस बात के लिए आलोचना की कि वह घोषणाओं की घोषणा तो बहुत करती है, लेकिन उन्हें लागू करने के लिए कोई समर्पण नहीं दिखाती।

वह इस बात से नाराज थे कि कांग्रेस सरकार द्वारा वादा किए गए किसानों की घोषणा को रोक दिया गया है और उन्होंने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी द्वारा वादा किए गए बीसी घोषणा ने अपनी दिशा खो दी है। उन्होंने नल्लमाला घोषणा के बारे में बात करने के लिए सीएम का मजाक उड़ाया। उन्होंने व्यंग्य किया कि सीएम घोषणाओं के नाम पर डींग मार रहे हैं, लेकिन उन्हें लागू करने का उनका कोई इरादा नहीं है। हरीश राव ने

सीएम रेवंत रेड्डी की आलोचना की, जो हमेशा खुद को नल्लमाला जंगल का बेटा बताते हैं और कहा कि सीएम ने उनसे मिलने आए निर्दोष चेंचू लोगों को गिरफ्तार करके एक बार फिर अपने अत्याचारी स्वभाव को उजागर किया है। उन्होंने सीएम से सवाल किया कि क्या नल्लमाला घोषणा का मतलब चेंचू आंदोलन के नेताओं की पूर्व-गिरफ्तारी है। उन्होंने आलोचना की कि सीएम में आत्म-प्रशंसा के अलावा वांछित आकर्षण नहीं है। राव ने दावा किया कि राज्य के लोग उन वादों को याद कर रहे हैं जो रेवंत के अक्षम प्रशासन में लागू नहीं किए गए। राव ने कहा, लोग सीएम को फसल ऋण माफी से बचने, बैंकों के चक्कर लगाने, कृषि क्षेत्रों के पास रोने और ओलावृष्टि के कारण अपनी फसल खोने वाले किसानों के लिए याद कर रहे हैं। उन्होंने आलोचना की कि राज्य की महिलाओं को महालक्ष्मी योजना के तहत हर महीने 2500 रुपये पेंशन देने का वादा राज्य सरकार द्वारा अभी तक लागू नहीं किया गया है और कहा कि लड़कियों के माता-पिता एक तोला सोने का इंतजार कर रहे हैं जो कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत दिया जाना चाहिए।

चारमीनार अग्निकांड के बाद अग्निशमन विभाग को सतर्क रहने की जरूरत : सिंकारू शिवाजी

घटना की जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शिवसेना पार्टी तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष सिंकारू शिवाजी ने कहा कि चारमीनार आग की घटना के बाद अग्निशमन विभाग को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने चारमीनार के पास हुई आग की घटना की पूरी जांच और घटना के जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा देने की मांग की। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लें कि ऐसी आग दुर्घटनाएं कहीं और न घटें तथा तत्काल सतर्क रहें। उन्होंने इस बात पर रोष व्यक्त किया कि तेलंगाना राज्य में बड़ी संख्या में निजी स्कूल और निजी कॉलेज नियमों का उल्लंघन कर चल रहे हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि अधिकारियों का आना-जाना आम बात है और अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हैदराबाद शहर में सैकड़ों शैक्षणिक संस्थान बिना अग्निशमन परमिट के चल रहे हैं, लेकिन संबंधित अधिकारियों ने इस ओर

ध्यान नहीं दिया है। उन्होंने ऐसी घटनाएं होने पर खेद व्यक्त करने और फिर उसे भूल जाने की प्रवृत्ति की आलोचना की। उन्होंने यह भी मांग की कि यदि आवश्यक हो तो सरकार की अनुमति के बिना तत्काल कार्रवाई की जाए। अग्निशमन अधिकारियों ने प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान का दौरा किया और उन शैक्षणिक संस्थानों की मान्यता तत्काल रद्द करने की मांग की जिनके पास अग्निशमन परमिट नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अधिकारियों को दौरे करने चाहिए। उन्होंने मांग की कि राज्य भर में शैक्षणिक संस्थानों की अनुमति की जांच की जाए और सही संस्थानों को अनुमति दी जाए तथा जो नियम विरूद्ध हैं, उनकी पहचान कर उन्हें रद्द किया जाए। जिन इमारतों के पास अग्नि सुरक्षा परमिट नहीं है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि अग्निशमन विभाग को एक स्वतंत्र छोड़ दिया जाए जो सभी के खिलाफ समान कार्रवाई करेगी। कानून कोई मज़ाक नहीं है, नियमों का पालन न करने वाली हर एक इमारत के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि समीक्षा अभी की जाए, क्योंकि शैक्षणिक वर्ष अभी शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि वे नियम विरूद्ध काम करने वाले शिक्षण संस्थानों व विभिन्न संगठनों के खिलाफ लड़ेंगे तथा जब तक कार्रवाई न करने वाले अधिकारियों को कानूनी प्रक्रिया के तहत सजा नहीं मिल जाती, तब तक वे अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

प्रोफेसर की गिरफ्तारी से भारत के लोकतंत्र को खतरा

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सेंटर फॉर लिबर्टी ने अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी की निंदा की, जिन्हें भारतीय न्याय संहिता की धारा 153ए, 124ए और संबंधित प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया था, क्योंकि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना की थी, जो प्रकृति में शांतिपूर्ण थी। उनका विश्लेषण, संघर्ष की मानवीय लागत को उजागर करता है, अमानवीय बयानबाजी के खिलाफ चेतावनी देता है, और नैतिक संयम का आग्रह करता है, जो अनुच्छेद 19(1)(ए) द्वारा गारंटीकृत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अंतर्गत आता है, और अनुच्छेद 19(2) के उचित प्रतिबंध ढांचे के तहत प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है, क्योंकि उनके भाषण से सार्वजनिक व्यवस्था को कोई स्पष्ट और तत्काल खतरा नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि असहमति लोकतंत्र के लिए आवश्यक है और इसे अस्पष्ट कानूनों द्वारा दबाया नहीं जाना चाहिए। रोमिला थापर बनाम भारत संघ (2018) में, न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि असहमति "लोकतंत्र के सुरक्षा वाल्व" के रूप में कार्य करती है, तथा शांतिपूर्ण विरोध को अपराध घोषित करने के विरूद्ध चेतावनी दी। श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ (2015) में, न्यायालय ने अस्पष्टता तथा मनमाने ढंग से लागू किए जाने की संभावना के कारण भाषण पर अत्यधिक व्यापक प्रतिबंधों को खारिज कर दिया। अनुच्छेद 19(2) के अंतर्गत अत्यधिक 'सार्वजनिक व्यवस्था' प्रतिबंध: मुक्त भाषण की संवैधानिक गारंटी को केवल उन प्रतिबंधों द्वारा सीमित किया जा सकता है जो स्पष्ट तथा तत्काल खतरे को संबोधित करते हैं। प्रोफेसर महमूदाबाद की आलोचना ने हिंसा या घृणा को नहीं भड़काया, बल्कि बयानबाजी तथा वास्तविकता के बीच एकरूपता का आह्वान किया।

एससीआर ने स्कूलों में 'मेरा अमृत स्टेशन और ऑपरेशन सिंदूर' थीम पर प्रतियोगिताएं आयोजित कीं

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय द्वारा शुरू की गई अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत, भारत भर के रेलवे स्टेशनों को आधुनिक वास्तुकला, स्टेशन के अग्रभाग, स्वच्छ और विशाल प्रतीक्षालय और उपयोगकर्ता के अनुकूल सुविधाओं के साथ पुनर्विकास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई, 2025 को 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे, जिसमें एससीआर के सिकंदराबाद डिवीजन के तीन अमृत स्टेशन बेगमपेट, वारंगल और करीमनगर स्टेशन शामिल हैं। इस संबंध में, दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन ने 18 और 19 मई, 2025 को बेगमपेट, वारंगल, रामागुंडम और करीमनगर स्थानों के विभिन्न स्कूलों में "मेरा अमृत स्टेशन और ऑपरेशन सिंदूर- वीरता की मिसाल" थीम पर निबंध लेखन, ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित कीं, जिसमें कुल 170 छात्रों ने भाग लिया। बेगमपेट में, प्रतियोगिताएं सेंट जॉन हाई स्कूल और डॉन बड्स हाई स्कूल में आयोजित की गईं, जहां कुल 75 छात्रों ने भाग लिया। वारंगल में, प्रतियोगिताएं रेलवे इंस्टीट्यूट, काजीपेट में आयोजित की गईं, जहां दिल्ली पब्लिक स्कूल, काजीपेट, सेंट गेब्रियल हाई स्कूल, काजीपेट, केंद्रीय विद्यालय हाई स्कूल, काजीपेट और रेजोनेंस कॉलेज, काजीपेट जैसे विभिन्न स्कूलों के कुल 70 छात्रों ने भाग लिया। रामागुंडम और करीमनगर में विभिन्न स्कूलों के 25 से अधिक छात्रों ने प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रत्येक श्रेणी में तीन पुरस्कार (प्रथम, द्वितीय और तृतीय) के साथ-साथ स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र संबंधित स्थानों पर अमृत स्टेशनों के उद्घाटन के दिन विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा प्रदान किए जाएंगे। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने निबंध लेखन, पेंटिंग और ड्राइंग में छात्रों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की रचनात्मकता और दृष्टिकोण को समझने में मदद करती हैं कि वे विकसित भारत के विभिन्न पहलुओं को किस प्रकार देखते हैं और रेलवे किस प्रकार इसका हिस्सा होगा।

आरजीआईए पुलिस ने प्रशिक्षु पीटीओ कांस्टेबल को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आरजीआईए पुलिस ने पुलिस परिवहन संगठन (पीटीओ) के प्रशिक्षु कांस्टेबल निसार अहमद (30) को कार्यालय से पुलिस वाहनों के कम से कम 10 'फास्टैग' चुराने और पैसे के लिए निजी कैब चालकों को उधार देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। निसार अहमद, जो पहले पीटीओ में होमगार्ड के रूप में काम कर रहे थे, बाद में कांस्टेबल के रूप में चयनित हो गए और वर्तमान में उसी के लिए प्रशिक्षण ले रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, निसार अहमद ने पुलिस वाहनों के फास्टैग चुरा लिए और उन्हें राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर चलने वाले निजी कैब चालकों को दे दिया, ताकि हवाई अड्डे के साथ-साथ आउटर रिंग रोड पर टोल शुल्क से बचा जा सके।

उसने निजी कैब चालकों से फास्टैग का इस्तेमाल करने के लिए पैसे वसूले। टोल मैनेजर की शिकायत के आधार पर आरजीआईए पुलिस ने मामला दर्ज कर निसार अहमद को गिरफ्तार कर लिया और तीन कारें जब्त कर लीं।

अगले कुछ दिनों तक हैदराबाद और तेलंगाना में बारिश और आंधी की संभावना : आईएमडी

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने अगले कुछ दिनों में तेलंगाना में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान लगाया है। हैदराबाद और कई अन्य जिलों में बारिश और तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। 19 मई को हैदराबाद में मौसम 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसमें 70 प्रतिशत आर्द्रता और 9.3 किमी/घंटा की रफ़्तार से पूर्वी-दक्षिण-पूर्वी हवाएं चल रही थीं। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार को राज्य के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। अगले 3 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस कम रहने की संभावना है।

हैदराबाद, रंगारेड्डी, करीमनगर, महबूबनगर और कई अन्य जिलों सहित राज्य भर में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और 30-40 किमी/घंटा की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार यानी 23 मई तक बारिश की गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद है। इस दौरान तेलंगाना में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। सभी जिलों में बिजली और तेज़ हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश का खतरा बना रहेगा।

सोमवार के लिए आईएमडी के पूर्वानुमान में मंचेरियल, जगतियाल, राजन्ना सिरसिल्ला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मल्काजीगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेदक, कामारेड्डी, महबूबनगर, नागरकर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गद्वाल में बिजली और तेज हवाओं के साथ तूफान की भविष्यवाणी की गई है। मई की शुरुआत में कड़ी धूप से लोगों को सामना करना पड़ रहा था। इधर कुछ दिनों से मौसम के करवट लेने से लोगों को थोड़ी राहत जरूर हो रही है।

झगड़े के दौरान एक व्यक्ति ने काट ली महिला की उंगली

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में पैसों को लेकर हुए मामूली विवाद में एक व्यक्ति ने अपना विवेक खो दिया और मधुरानगर में एक महिला की तर्जनी अंगुली काट ली। जानकारी के अनुसार ममता नाम की महिला और उसका पति हेमंत पिछले 3 वर्षों से जुबली हिल्स के जवाहरनगर में सुजीता नाम की महिला के पेंटहाउस में किराए पर रह रहे थे। ममता चिटफंड कारोबार में थीं और सुजीता को कथित तौर पर ममता को 30,000 रुपये देने थे।

हाल ही में ममता का परिवार पेंटहाउस खाली करके दूसरे घर में रहने चला गया था। रविवार को ममता और उनके पति हेमंत पैसे लेने सुजीता के घर आए। उन्होंने तुरंत पैसे लौटाने पर जोर दिया क्योंकि उन्हें पैसों की तत्काल जरूरत थी। इस दौरान ममता और सुजीता के बीच बहस छिड़ गई, जिसके बाद सुजीता की मां लता (50) को बीच-बचाव कर शांत कराने की कोशिश करनी पड़ी।

लता जब उन्हें शांत कराने की कोशिश कर रही थी, तभी हेमंत ने कथित तौर पर अपना विवेक खो दिया और लता के दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली काट ली, जो कटकर गिर गई। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया और डॉक्टरों ने बताया कि इसे फिर से जोड़ना संभव नहीं है। सुजीता की शिकायत के आधार पर मधुरा नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हेमंत को हिरासत में ले लिया गया है।

मेडचल में एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को मेडचल टाउन में मुख्य सड़क पर सार्वजनिक तौर पर एक व्यक्ति की उसके रिश्तेदार ने मामूली बात पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पुलिस को संदेह है कि हत्या का कारण पुरानी दुश्मनी है। मृतक की पहचान मेडचल के सरस्वती नगर निवासी के. मोतीलाल (45) के रूप में हुई है, जो एक निर्माण मजदूर था। पुलिस के अनुसार रविवार रात मोतीलाल का चचेरा भाई और संदिग्ध शंकर (35) शराब के नशे में मोतीलाल के घर आया था। मोतीलाल ने जब उसे डांटा तो शंकर पास ही रेलवे ट्रैक पर जाकर सो गया।

इससे नाराज मोतीलाल ने शंकर को डांटा और उसे वापस शंकर के घर छोड़ आया। इसी दौरान दोनों के बीच तीखी बहस हुई। सोमवार को सुबह करीब 8 बजे मोतीलाल से नाराज शंकर उसके घर गया और झगड़ा करने लगा। जब मोतीलाल वहां से जाने लगा तो शंकर ने अपने साथ लाया चाकू उठाया और मोतीलाल के शरीर के कई हिस्सों पर ताबड़तोड़ वार कर दिए।

मोतीलाल को गंभीर चोटें आईं और वह बेहोश हो गया। घटना को देखकर आसपास के लोग तुरंत उसे बचाने के लिए दौड़े और उसे नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मेडचल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, जबकि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। इस बीच शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया गया है।

तेलंगाना में महंगी हुई शराब

नकदी संकट से जूझ रही सरकार ने विशेष उत्पाद शुल्क किया बहाल

हैदराबाद, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नकदी की कमी से जूझ रही कांग्रेस सरकार ने 18 मई से भारत में निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) और विदेशी शराब (एफएल) की सभी श्रेणियों पर 180 मिलीलीटर आकार की बोतल पर 10 रुपये और आनुपातिक रूप से उच्च आकार के लिए विशेष उत्पाद शुल्क (एसईसी) की बहाली को मंजूरी दे दी है। हालांकि, यह साधारण शराब, पीने के लिए तैयार (आरटीडी) मादक पेय और बीयर पर लागू होगा।

इस संबंध में निषेध एवं आबकारी विभाग तथा तेलंगाना बेवरेजेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीजीबीसीएल) के अधिकारियों को आदेश जारी कर दिए गए हैं। सभी लाइसेंसधारियों को यह भी सूचित कर दिया गया है कि रविवार से आपूर्ति किए जाने वाले स्टॉक पर संशोधित कीमतें लागू होंगी। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि संशोधित कीमतें सभी आईएमएफएल डिपो, शराब की दुकानों पर प्रदर्शित की जाएं। एसईसी को सरकार को हर महीने करीब 130 से 150 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है। इससे पहले, राज्य सरकार ने इस साल फरवरी में बीयर की कीमतों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी की थी।

ट्रक ने ट्रैक्टर ट्रॉली को मार दी टक्कर

दो श्रद्धालुओं की मौत, 20 घायल

मुलुगु, 19 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के तड़वई में रविवार देर रात एक तेज रफ्तार रेत ट्रक ने खड़ी ट्रैक्टर ट्रॉली को टक्कर मार दी, जिससे दो महिलाओं की मौत हो गई और लगभग 20 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के मुताबिक, कोत्तागुडेम जिले के अश्वपुरम मंडल के सीतारामपुरम से 30 श्रद्धालु ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार होकर देवता सम्मक्का सरलम्मा के दर्शन के लिए मेडाराम गए थे। दर्शन करने के बाद घर लौटते समय वे ताड़वई मुख्य सड़क पर एक दुकान से पीने का पानी लेने के लिए रुके।

एतुरनगरम से हैदराबाद जा रहे रेत के ट्रक ने ट्रॉली को टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही चौधरी श्वेता (40) और एन दुर्गा (38) की मौत हो गई। दुर्घटना में कई घायलों के हाथ-पैर टूट गए और उन्हें उपचार के लिए ताड़वई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और मुलुगु के सरकारी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.